@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका

राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

रविवार, 20 जुलाई 2025

VISIT: www.qaumipatrika.in Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 250 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

सचमुच साफ और निर्मल होगी यमुना, केंद्रीय गृहमंत्री शाह की मौजदूगी में बना प्लान

उत्तर प्रदेश, हरियाणा और दिल्ली सरकार मिलकर करेगी काम

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की यमुना नदी को साफ करने के लिए केंद्र की मोदी सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने नदी को साफ करने के लिए एक व्यापक अभियान चलाया है। इस अभियान में केंद्र सरकार, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और दिल्ली एक साथ मिलकर काम करने वाले है। योजना में दिल्ली, हरियाणा और उत्तर प्रदेश तीनों राज्यों को शामिल किया गया है। हरियाणा और उत्तर प्रदेश से आने वाले गंदे पानी और कारखानों के कचरे से दिल्ली में यमुना नदी गंदी होती है। इसलिए, इन राज्यों में भी नदी को साफ करने का काम होगा।

दरअसल केंद्रीय गृह मंत्री शाह और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की बैठक में कुछ लक्ष्य तय किए गए हैं। हरियाणा में कारखानों से निकलने वाले गंदे पानी को रोकने को कहा गया है। उन्हें 2026 तक अपने कारखानों में पानी को साफ करने वाले प्लांट लगाना होगा। साथ ही, 17 पुराने एसटीपी (सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट) को भी सुधारा जाएगा। इतना ही नहीं हरियाणा सरकार गुरुग्राम और फरीदाबाद में नए एसटीपी बनाएगी।

वहीं उत्तर प्रदेश में यमुना के किनारे बसे शहरों जैसे आगरा, मथुरा और वृंदावन में सीवेज को साफ करने का काम होगा। इसके लिए नालों को भी बंद कराया जाएगा, ताकि गंदा पानी यमुना में न जाए। उत्तर प्रदेश सरकार एसटीपी के जरिए सीवेज को साफ करेगी इससे यमुना में पानी का बहाव भी बढ़ेगा।

अधिकारियों ने बताया कि यमुना में पानी की मात्रा बढ़ाने के लिए गंगा नदी से भी पानी लाया जाएगा। गंगा और यमुना के पानी को दो नहरों के ज़रिए यमुना में डाला जाएगा।

मामले से जुड़े अधिकारी ने कहा, दिल्ली में यमुना को साफ करना सिर्फ दिल्ली का काम नहीं है, यह तीनों राज्यों की जिम्मेदारी है। जब तीनों राज्य मिलकर काम करने को तैयार है। तभी यमुना सच में साफ हो पाएगी।

ये फैसले गृहमंत्री शाह, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्री मनोहर लाल, केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल, दिल्ली के जल मंत्री प्रवेश वर्मा और केंद्र और राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के बीच एक उच्च स्तरीय बैठक के दौरान लिए गए।

बैठक में शाह ने कहा कि दिल्ली सरकार को कारखानों से होने वाले प्रदूषण को रोकने के लिए कदम

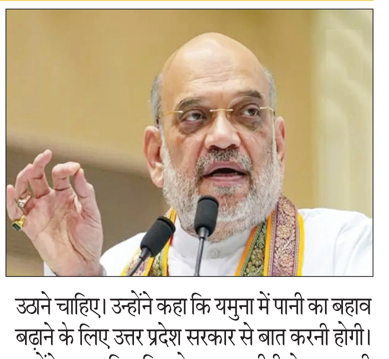

उठाने चाहिए। उन्होंने कहा कि यमुना में पानी का बहाव बढ़ाने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार से बात करनी होगी। उन्होंने सुझाव दिया कि ओखला एसटीपी से साफ पानी को नदी में छोड़ना चाहिए, जिससे पानी की गुणवत्ता सुधरेगी।

राहुल गांधी का मोदी सरकार पर हमला, मेक इन इंडिया' के नाम पर हम सिर्फ असेंबली कर रहे

-आईफोन से लेकर टीवी तक के पुर्ज़े विदेश से आते

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत को असेंबली लाइन से आगे निकलकर एक सच्ची विनिर्माण शक्ति बनाने के लिए ज़मीनी स्तर पर बदलाव की ज़रूरत पर ज़ोर देकर लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि मेक इन इंडिया के नाम पर भारत सिर्फ उत्पादों की असेंबली कर रहा है, उनका सही मायने में निर्माण नहीं किया जा रहा है। राहुल गांधी ने पोस्ट में कहा कि भारत में बनने वाले ज़्यादातर टीवी के 80 प्रतिशत कलपुर्जे चीन से आते हैं। उन्होंने बताया कि नीति और समर्थन की कमी, भारी कर और निगमों का एकाधिकार, उन छोटे उद्यमियों को रोक रहे हैं जो विनिर्माण करना चाहते हैं। राहुल गांधी ने मोदी सरकार पर सवाल उठाकर कहा कि मेक इन इंडिया' के नाम पर हम सिर्फ असेंबली कर रहे हैं, असली मैन्युफैक्चरिंग नहीं। आईफोन से लेकर टीवी तक के पुर्ज़े विदेश से आते हैं, हम बस जोड़ते हैं। छोटे उद्यमी निर्माण करना चाहते हैं, लेकिन न नीति है, न सपोर्ट। उल्टा, भारी टैक्स और चुने हुए कॉरपोरेट्स का एकाधिकार, जो कि देश के उद्योग को जकड़ रखा है। जब तक भारत उत्पादन में आत्मनिर्भर नहीं बनता, रोज़गार, विकास और मेक इन इंडिया की बातें सिर्फ भाषण रहेंगी। ज़मीनी बदलाव चाहिए ताकि भारत असेंबली लाइन से निकलकर असली

मैन्युफैक्चरिंग पावर बने और चीन को बराबरी की टक्कर दे सके। संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान, राहुल गांधी ने आरोप लगाया था कि मोदी सरकार की मेक इन इंडिया पहल सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में विनिर्माण क्षेत्र की हिस्सेदारी को पुनर्जीवित करने में विफल रही है, जो 2014 में सकल घरेलू उत्पाद के 15.3 प्रतिशत से घटकर 12.6 प्रतिशत हो गई है, जो पिछले 60 वर्षों में सबसे कम है। उन्होंने कहा था कि चीन बीते 10 वर्षों से बैटरी, रोबोट, मोटर और ऑप्टिक्स पर काम कर रहा है और इस क्षेत्र में वह भारत से कम से कम दस वर्षों की बढ़त बनाए हुए है।

ओडिशा में फिर एक लड़की आग के हवाले

● किशोरी की हालत गंभीर तीन लोगों ने जलाया

भुवनेश्वर (एजेंसी)। ओडिशा में फिर एक लड़की जल गई है। पुरी जिले में हुई घटना में इस लड़की को तीन अज्ञात लोगों ने जला दिया। यह घटना उस वक्त हुई जब लड़की अपनी दोस्त के घर जा रही थी। शुरू में उसे पुरी के पीपिली अस्पताल ले जाया गया लेकिन हालात खराब होने के चलते फिर उसे एम्स भुवनेश्वर में भर्ती किया गया। अस्पताल के सूत्रों के मुताबिक यह लड़की 40

फीसदी तक जली है। हालांकि उसकी स्थिति अब स्थिर बताई गई है। गौरतलब है कि कुछ दिन पहले ही ओडिशा में एक छात्रा ने खुद को आग लगा ली थी। उसने एचओडी के खिलाफ यौन शोषण के आरोप लगाए थे। ताजा मामले में स्थानीय लोगों ने बताया कि यह घटना सुबह आठ बजकर तीस मिनट पर हुई। यह घटना बालंगा पुलिस थानाक्षेत्र में हुई है। जानकारी के मुताबिक हमलावरों ने उसका भार्गवी नदी के तट तक पीछा किया। यहां पर सुनसान इलाका देखकर इन लोगों ने लड़की को आग लगा दी। इसके बाद यह लोग वहां से भाग निकले। स्थानीय लोगों ने जब लड़की की चीख सुनी तो मदद के लिए दौड़े। इसके बाद उसे नजदीकी अस्पताल में ले जाया गया। पुलिस सूत्रों का कहना है हमले के पीछे अपराधियों की मंशा क्या थी, यह अभी स्पष्ट नहीं है।

संसद में गूंजेगा 'ऑपरेशन सिंदूर'

सरकार हुई ऐक्टिव

रक्षा मंत्री के आवास पर बड़ी बैठक, एनएसए और सीडीएस भी पहुंचे

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद का मॉनसून सत्र 21 जुलाई से ही शुरू होने वाला है। विपक्ष ने इस सत्र में सरकार को घेरने की पूरी तैयारी कर ली है। विपक्ष ऑपरेशन सिंदूर को लेकर भी सरकार से सवाल करेगा। वहीं सरकार ने भी विपक्ष को जवाब देने की रणनीति बना ली है। शुक्रवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के आवास पर बड़ी बैठक हुई। इस बैठक में गृह मंत्री अमित शाह, जेपी नड्डा, पीयूष गोयल, किरण रिजिजू, मनोहर लाल, एल मुरुगन, अर्जुन राम मेघवाल, सीआर पाटिल और कई अन्य नेता भी मौजूद थे। इसके अलावा एनएसए अजित डोभाल, सीडीएस अनिल चौहान और तीनों सेनाओं के चीफ भी रक्षा मंत्री के आवास पर पहुंचे थे। मोदी सरकार हर तरीके से विपक्ष को शांत कराने के प्रयास में है ताकि मॉनसून

सत्र ठीक से चल सके। वहीं कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, टीएमसी, आरजेडी और अन्य विपक्षी दल कई मुद्दों पर सरकार को घेरने को तैयार बैठे हैं। विपक्ष के पास एसआईआर का भी मुद्दा है। उनका कहना है कि चुनाव से पहले मतदाता सूची में यह सुधार केवल बीजेपी के वोट बढ़ाने के लिए किया जा रहा है। बता दें कि विधानसभा चुनाव से पहले बिहार में एसआईआर की प्रक्रिया चल रही है। इस मॉनसून सत्र में सरकार कई विधेयक पेश कर सकती है और इन्हें पास करवाने का प्रयास कर सकती है। इनमें मणिपुर गुड्स ऐंड सर्विसेज टैक्स संशोधन विधेयक 2025, जन विकास विधेयक 2025, आईआईएम संशोधन विधेयक 2025, टैक्सेशन कानून विधेयक 2025, जियो हेरिटेज साइट्स ऐंड जियो रेलिक्स विधेयक 2025, माइन्स ऐंड मिनरल्स संशोधन विधेयक 2025, नेशनल स्पोर्ट्स गवर्नेंस बिल और नेशनल एंटी डोपिंग अमेंडमेंट बिल शामिल हैं। इससे पहले सोनिया गांधी ने भी कांग्रेस संसदीय दल की बैठक बुलाई थी। यह सत्र भी हंगामेदार होने की उम्मीद है। कांग्रेस पहलगाम हमले, ऑपरेशन सिंदूर और उसके बाद की कूटनीतिक गतिविधियों पर चर्चा की मांग भी करती रही है। सरकार ने घोषणा की है कि संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से 21 अगस्त तक जारी रहेगा।

थाईलैंड जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट में आई गड़बड़ी!

● उड़ान भरने के तुरंत बाद हैदराबाद लौटी, जांच शुरू

हैदराबाद (एजेंसी)। शनिवार सुबह हैदराबाद के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से थाईलैंड के फुकेट के लिए रवाना हुई एयर इंडिया एक्सप्रेस की एक उड़ान तकनीकी कारणों से उड़ान भरने के थोड़ी ही देर बाद वापस लौट आई। फ्लाइट संख्या एआई 110 सुबह 6.40 बजे हैदराबाद से रवाना हुई थी, जो अपने निर्धारित समय से लगभग 20 मिनट की देरी में थी। यह विमान फुकेट में सुबह 11.45 बजे लैंड करने वाला था, लेकिन उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद वापस हैदराबाद लौट आया। फ्लाइट रडार 24 के आंकड़ों के अनुसार, विमान ने उड़ान तो भरी, लेकिन बहुत दूर नहीं जा सका और हैदराबाद में

सुरक्षित लैंडिंग की। हालांकि, इस समय तक एयरलाइन या एयरपोर्ट अधिकारियों की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है कि विमान को वापस क्यों लौटाया गया। यह एक बोइंग 737 मैक्स 8 विमान था। गौरतलब है कि यह घटना ऐसे समय में हुई है जब हाल के दिनों में भारत में उड़ानों से जुड़ी कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं। इसी सप्ताह गुरुवार को दिल्ली से इम्फाल जा रही इंडिगो की फ्लाइट 6ए-5118 में तकनीकी खराबी आने के कारण उड़ान भरने के तुरंत बाद उसे लौटना पड़ा। सुबह 10.25 बजे उड़ान भरने के बाद विमान 11.16 बजे दिल्ली वापस लौट आया। तकनीकी जांच के बाद विमान दोबारा दोपहर 12:30 बजे रवाना हुआ और 2.53 बजे इम्फाल पहुंचा, जो उसके निर्धारित समय 1.10 बजे से काफी देरी से था। इंडिगो के प्रवक्ता ने बताया, दिल्ली से इम्फाल जा रही फ्लाइट 6ए-5118 में उड़ान के कुछ देर बाद एक मामूली तकनीकी गड़बड़ी सामने आई। पायलटों ने सतर्कता बरतते हुए विमान को वापस लौटाया।

गरीब रथ एक्सप्रेस के इंजन में लगी आग, लोको पायलट की सतर्कता से टला हादसा

जयपुर, (एजेंसी)। राजस्थान में शनिवार तड़के एक बड़ा रेल हादसा उस समय टल गया जबकि गरीब रथ एक्सप्रेस (12216) के इंजन में अचानक आग लग गई। यह घटना 19 जुलाई की सुबह करीब 3 बजे सेंदड़ा (ब्यावर) रेलवे स्टेशन के पास हुई, जब ट्रेन मुंबई के बांद्रा स्टेशन से दिल्ली के सराय रोहिल्ला जा रही थी। जानकारी अनुसार ट्रेन में उस वक्त 500 से अधिक यात्री सवार थे। लोको पायलट को इंजन के पिछले हिस्से से धुआं उठता हुआ दिखाई दिया, जिसके बाद उन्होंने तुरंत ट्रेन को रोका और सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला। रेल अधिकारियों को तत्काल सूचना दी गई और राहत कार्य शुरू कर दिए गए। रेलवे प्रवक्ता के अनुसार प्राथमिक जांच में सामने आया है कि आग लगने का कारण तकनीकी खराबी या शॉर्ट सर्किट से हो सकता है। राहत की बात यह रही कि आग डिब्बों तक नहीं पहुंची और सभी यात्री पूरी तरह सुरक्षित हैं। किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। इसी के साथ रेल प्रशासन ने कहा है कि यात्रियों को वैकल्पिक साधनों से उनके गंतव्य तक पहुंचाने की व्यवस्था की गई। साथ ही, प्रभावित इंजन को हटाकर ट्रैक को साफ किया जा रहा है। रूट को पूरी तरह बंद नहीं किया गया, लेकिन सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए अन्य ट्रेनों को कम गति से वहां से निकाला गया है। गौरतलब है कि यह गरीब रथ एक्सप्रेस रात 11:30 बजे आबू रोड से रवाना होकर सुबह 3:45 बजे अजमेर पहुंचती है।

मीडिया रिपोर्ट्स सिर्फ अटकलें भारत को अपनी जांच करने दें

● अहमदाबाद प्लेन क्रैश मामले में बोलीं अमेरिकी अधिकारी

वॉल स्ट्रीट को लगा झटका, पायलट को जिम्मेदार माना था

नई दिल्ली (एजेंसी)। अहमदाबाद प्लेन क्रैश पर सामने आईं मीडिया रिपोर्ट्स को लेकर अमेरिकी एजेंसी ने सावधान रहने की सलाह दी है। यूएस नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड (एनटीएसबी) की अध्यक्ष जेनिफर होमेंडी ने कहा, जो बातें सामने आई हैं वो सिर्फ अटकलें लगाने वाली हैं। भारत के विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) ने अभी अपनी शुरुआती रिपोर्ट जारी की है। इस तरह की जांच में समय लगता है। होमेंडी की यह टिप्पणी अमेरिकी अखबार वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट को लेकर है। तीन दिन पहले जारी

इस रिपोर्ट में दावा किया गया कि विमान के कैप्टन सुमीत सभरवाल ने इंजनों में फ्यूल की सप्लाई रोकी थी। 12 जून को अहमदाबाद से लंदन जा रही फ्लाइट एआई 171 टेकऑफ के 32 सेकेंड देर बाद एक मेडिकल हॉस्टल की इमारत से टकरा गई थी। इसमें 270 लोगों की मौत हो गई थी। वॉल स्ट्रीट ने बताया था कि यह खुलासा दोनों पायलटों के बीच बातचीत की कॉकपिट रिकॉर्डिंग से हुआ है। वॉयस रिकॉर्डिंग से पता चला कि बोइंग विमान उड़ा रहे को-पायलट ने फ्यूल बंद किया है।

अलर्ट: यूपी, एमपी और बिहार समेत एक दर्जन राज्यों में कल से होगी झमाझम बारिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। कल यानी रविवार से यूपी, एमपी, बिहार, राजस्थान सहित करीब एक दर्जन राज्यों में जमकर बारिश होगी। मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। यह अगले 24 घंटों में उत्तर-पश्चिम मध्य प्रदेश और पूर्वी राजस्थान की ओर बढ़ेगा, जो धीरे-धीरे कमजोर होकर एक गहरे निम्न दबाव क्षेत्र में बदल जाएगा। इसके प्रभाव से राजस्थान और उत्तराखंड में 20 और 21 जुलाई को तेज बारिश होगी। हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब और जम्मू-कश्मीर में 20 से 24 जुलाई के बीच भारी बारिश की संभावना है। मध्य प्रदेश, ओडिशा, छत्तीसगढ़, झारखंड और बिहार में 20 से 24 जुलाई के बीच भारी से अत्यधिक भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है।

हिमाचल प्रदेश में हो रही भारी बारिश के कारण 250 सड़कें बंद हो गई हैं। स्थानीय मौसम विभाग ने राज्य के अलग-अलग इलाकों में भारी से बहुत भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। अधिकारियों ने बताया कि आपदा प्रभावित मंडी में कुल 181 सड़कें, सिरमौर में 26 और कुल्लू जिले में 23 सड़कें बंद हैं। मौसम विभाग ने 21 और 23 जुलाई को हिमाचल प्रदेश के अलग-अलग इलाकों में भारी से बहुत भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। ऑरेंज अलर्ट भी जारी हुआ है। रविवार तक राज्य के कुछ स्थानों पर भारी बारिश की चेतावनी देते हुए येलो अलर्ट जारी किया। 20 जून को मॉनसून आने के बाद से 17 जुलाई तक लगभग 112 लोगों की जान जा चुकी है। इनमें 67 लोग बारिश से संबंधित घटनाओं में और 45 सड़क दुर्घटनाओं में मारे गए हैं। लगभग 199 लोग घायल हुए हैं जबकि 35 लापता हैं।

दक्षिण भारत में केरल और कर्नाटक में शनिवार-रविवार को अत्यधिक भारी बारिश की संभावना है। तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और लक्षद्वीप में 19 से 24 जुलाई के बीच भारी बारिश हो सकती है। दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में अगले पांच दिनों तक 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है। पूर्वोत्तर भारत में असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश और त्रिपुरा में 19 से 22 जुलाई तक भारी बारिश होगी। इस दौरान गरज-चमक की संभावना है। गोवा और महाराष्ट्र के घाट क्षेत्रों में 19 से 24 जुलाई तक भारी बारिश की चेतावनी है। उत्तर प्रदेश और पूर्वी राजस्थान में 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है, जो धीरे-धीरे कम हो जाएगी। दिल्ली के कई इलाकों में शुक्रवार को बारिश हुई। वहीं, आगामी घंटों में हल्की बारिश जारी रहने की संभावना है। मौसम विभाग ने यह जानकारी दी। इसके मुताबिक, राष्ट्रीय राजधानी में शनिवार को भी हल्की बारिश और बादल छाए रहने का अनुमान है। आईएमडी के आंकड़ों के अनुसार, पालम में 2.8 मिमी, लोधी रोड में 9.5 मिमी, रिज में 5.6 मिमी, आया नगर में 1.5 मिमी, प्रगति मैदान में 9.5 मिमी और पूसा में 7.5 मिमी बारिश हुई। पालम में 24 घंटे में सबसे ज्यादा 17.2 मिमी बारिश हुई।

सीमा विवाद पर तेलंगाना और महाराष्ट्र में फिर बढ़ गया तनाव!

● किसके पास रहेंगे यह 14 गांव, शुरू हो गई है सियासत ● बावनकुले के बयान के बाद भी चुप हैं सीएम रेवंत रेड्डी

हैदराबाद (एजेंसी)। महाराष्ट्र और तेलंगाना की सीमा पर स्थित 14 गांवों का विवाद काफी समय से लंबित है। महाराष्ट्र सरकार द्वारा इन गांवों को नियंत्रण में लेने के ऐलान के बाद

फिर से यह मामला चर्चा में आ गया है। महाराष्ट्र के राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने तेलंगाना से 14 गांवों का प्रशासनिक नियंत्रण हस्तांतरित करने की प्रक्रिया शुरू की बात कही है, हालांकि तेलंगाना सरकार ने अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। महाराष्ट्र और तेलंगाना में 1989 से विवाद है। इन 14 गांवों के निवासी महाराष्ट्र और तेलंगाना दोनों राज्यों के चुनाव में वोट डालते हैं। जिन गांवों को लेकर विवाद है कि उनमें अंतपुर, पद्मावती, इंदिरानगर, पलासागुड़ा, येसापुर, भेलापाथर, लेंडीगुड़ा, येसापुर (नारायणगुड़ा), शंकरलोधी, महाराजगुड़ा, कोठा (बीके), परमडोली, मुकदमगुड़ा और लेंडीगुला गांव शामिल हैं।

दो दिवसीय यात्रा पर पीएम मोदी जाएंगे ब्रिटेन, दोनों व्यापार समझौता करेंगे बात

-प्रधानमंत्री का यह दौरा ऐसे समय हो रहा जब ट्रंप-नाटो भारत को दे रहे धमकी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी के इस माह ब्रिटेन जा सकते हैं। उनके 23-24 जुलाई को यूके जाने की संभावना है। पीएम मोदी की इस यात्रा में भारत और यूके के बीच व्यापार समझौता हो सकता है। दोनों देश सुरक्षा संबंधों को और मजबूत करने पर भी बात कर सकते हैं। यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब टैरिफ को लेकर अमेरिका और खासकर ट्रंप लगातार धमकाने में लगे हैं, तो पीएम मोदी की ब्रिटेन यात्रा की अहमियत और बढ़ जाती है।

मई में भारत और यूके आपस में एक व्यापार समझौते पर सहमत हुए थे। इससे भारत के 99 फीसदी निर्यात पर लगने वाले टैक्स कम हो जाएंगे। वहीं यूके की कंपनियां आसानी से व्हिसकी, कारें और अन्य सामान भारत में बेच सकेंगी। इससे दोनों देशों के बीच व्यापार बढ़ेगा। मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया है कि इस समझौते को लागू होने में करीब एक साल लग सकता है। पीएम मोदी ने इन समझौतों को एक ऐतिहासिक मील का पत्थर बताया था। पीएम मोदी का यह ब्रिटेन दौरा उस समय होने वाला है, जब ट्रंप और नाटो चीफ मार्क रुटे ने रूस से तेल खरीदने को लेकर भारत को धमकाने और 100 फीसदी द्वितीय प्रतिबंधों की चेतावनी दी है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने नाटो प्रमुख से कहा है कि भारत को अपनी प्राथमिकता पता है और वह पहले अपनी जरुरतों पर ही ध्यान देगा। इस वजह से अगर ऐसे समय में पीएम मोदी ब्रिटेन जा रहे हैं तो यह और भी अहम है, क्योंकि वह अमेरिका का भी पुराना सहयोगी है और नाटो का भी एक अहम किरदार है। ब्रिटेन से पीएम मोदी 25-26 जुलाई को मालदीव जाएंगे। वहां वह राष्ट्रीय दिवस के अवसर पर मुख्य अतिथि होंगे। मालदीव में उनका दौरा दोनों देशों के संबंधों को और मजबूत करेगा। भारत और मालदीव के बीच दोस्ती हमेशा से मजबूत रही है। यह दौरा इस दोस्ती को और भी गहरा करेगा। पीएम मोदी का मालदीव जाना चीन की वजह से बहुत खास है। पिछले कुछ समय में चीन ने भारत के इस सबसे करीबी पड़ोसी पर संदिग्ध नजर डालने की कोशिश की थी।

संक्षिप्त समाचार

भारत-इंडोनेशिया सांख्यिकी प्रणाली सहयोग पर सहमत

जकार्ता, एजेंसी। भारत-इंडोनेशिया सांख्यिकी प्रणाली से जुड़े सहयोग पर सहमत हो गए हैं। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने बताया कि इंडोनेशियाई प्रतिनिधिमंडल में शामिल देश के उप सांख्यिकी मंत्री डॉ. सन्नी हैरी बी. हरमादी और भारत और भूटान में इंडोनेशिया की राजदूत इना एच. कृष्णमूर्ति समेत इंडोनेशिया सरकार के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भारत दौरे पर अहम बैठक की। इंडोनेशिया की सरकार ने उन क्षेत्रों में सहयोग में अपनी रुचि व्यक्त की, जिनमें व्यापार सांख्यिकी का सामंजस्य, कृषि आंकड़ों का डिजिटलीकरण और सांख्यिकी विकास के लिए आईटी और सैंपलिंग की उन्नत विधियों का संवर्धन किया जाता है। भारत ने इस बैठक के दौरान द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने, प्रौद्योगिकी संबंधी नवाचारों का लाभ उठाने तथा सांख्यिकीय प्रणालियों और प्रथाओं को उत्कृष्ट बनाने के महत्व पर जोर दिया।

इंग्लैंड में स्कूली बच्चों से भरी बस पलटी, एक बच्चे की मौत, कई घायल

लंदन, एजेंसी। इंग्लैंड के दक्षिण-पश्चिम में गुरुवार को मिडिल स्कूल के बच्चों से भरी एक बस पलट गई और एक खाई में उल्टी होकर काफी दूर तक फिसलती चली गई। इस हादसे में एक बच्चे की मौत हो गई और दो बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए। दक्षिण-पश्चिम एम्बुलेंस सेवा के डिप्टी डायरेक्टर वेन डार्च के मुताबिक, दुर्घटना के बाद मौके पर तीन हेलीकॉप्टर और 20 एम्बुलेंस भेजी गईं। 21 लोगों को अस्पताल पहुंचाया गया और बाकी का इलाज वहीं मौके पर किया गया। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने इस हादसे पर दुख जताते हुए कहा, एक बच्चे की मौत को शब्दों में बयां करना नामुमकिन है। मेरी संवेदनाएं पीड़ित परिवार और घायलों के साथ हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि इस मुश्किल घड़ी में तुरंत मदद पहुंचाने वाले सभी आपातकालीन कर्मचारियों का धन्यवाद।

जेफरी एपस्टीन मामले में विशेष जांच की सिफारिश नहीं करेंगे डोनाल्ड ट्रंप

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जेफरी एपस्टीन मामले में कोई विशेष जांच (स्पेशल काउंसल) नहीं करवाएंगे। यह जानकारी व्हाइट हाउस की प्रवक्ता कैरोलिन लेविट ने दी है। ट्रंप के इस फैसले से उनके कई समर्थक नाराज हैं, क्योंकि वे इस मामले में और दस्तावेज़ों के जारी होने की उम्मीद कर रहे थे। पिछले हफ्ते अमेरिकी न्याय विभाग ने एपस्टीन जांच से जुड़े अतिरिक्त रिकॉर्ड जारी करने से इनकार कर दिया था, जिससे लोगों में गुस्सा और बढ़ गया।

अब अमेरिका में हर सोलर और विंड प्रोजेक्ट को मिलनी होगी आंतरिक मंत्री डग बर्गम की मंजूरी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में अब फेडरल जमीन और समुद्री क्षेत्रों पर बनने वाले सभी सौर (सोलर) और पवन (विंड) ऊर्जा प्रोजेक्ट्स को आगे बढ़ाने से पहले देश के आंतरिक मंत्री डग बर्गम की व्यक्तिगत मंजूरी लेनी होगी। गुरुवार को जारी आदेश के अनुसार, मंत्री बर्गम अब इन प्रोजेक्ट्स की लीज़, निर्माण योजना, संचालन, वित्तीय सहायता और पर्यावरण से जुड़ी रिपोर्टों की गहराई से जांच कर सकेंगे। आंतरिक विभाग ने बयान में कहा कि यह कदम इसलिए उठाया गया है ताकि सब्सिडी पर निर्भर और भरोसे के लायक नहीं मानी जाने वाली सौर और पवन ऊर्जा को मिलने वाली विशेष छूट खत्म की जा सके। विभाग का कहना है कि इससे यह सुनिश्चित किया जाएगा।

आइडाहो के जज ने ब्रायन कोहबर्गर हत्या मामले में गाग ऑर्डर हटाया

वाशिंगटन, एजेंसी। चार छात्रों की निर्मम हत्या के आरोपी ब्रायन कोहबर्गर के मामले में कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। गुरुवार को जज स्टीवन हिपलर ने इस केस पर लगा गाग ऑर्डर (सूचना साझा करने पर रोक) हटा दिया है। कोहबर्गर ने कुछ हफ्ते पहले ही चार यूनिवर्सिटी ऑफ आइडाहो के छात्रों की चाकू मारकर हत्या करने के मामले में गुनाह कबूल कर लिया था। यह वारदात 2022 में विश्वविद्यालय के पास एक किराए के घर में हुई थी। कोहबर्गर के गुनाह कबूल करने के बाद अब मुकदमा नहीं चलेगा। गुरुवार सुबह की सुनवाई में जज हिपलर ने कहा कि अब जब मुकदमा नहीं हो रहा है, तो निष्पक्ष जूरी बैठाने की जरूरत भी नहीं रही। ऐसे में गाग ऑर्डर जारी रखने का कोई कारण नहीं बचता। जज ने कहा कि अब जनता और प्रेस को इस केस से जुड़ी जानकारी पाने का संवैधानिक अधिकार है।

इस्त्राइल ने गाजा में यूएन एजेंसियों के प्रमुखों के वीजा नवीकरण से इनकार किया

येरूशलम, एजेंसी। इस्त्राइल ने गाजा में काम करने वाली कम से कम तीन संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों के स्थानीय प्रमुखों के वीज़ा नवीकरण से इनकार कर दिया है। यूएन के मानवतावादी प्रमुख का कहना है कि यह कदम उन एजेंसियों के काम को रोकने की कोशिश है, जो फिलिस्तीनी नागरिकों की सुरक्षा के लिए काम कर रही हैं। संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता स्टेफेन डुजारिक ने बताया कि मानवाधिकार एजेंसी मानवतावादी समन्वय कार्यालय और गाजा के फिलिस्तीनी लोगों का समर्थन करने वाली एजेंसी के स्थानीय प्रमुखों के वीज़ा पिछले कुछ महीनों में नवीकृत नहीं किए गए हैं।

हाथ पर चोट के निशान, पैरों में सूजन; सीवीआई बीमारी से पीड़ित पाए गए डोनाल्ड ट्रंप

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हालिया तस्वीरों ने उनके स्वास्थ्य को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं। सोशल मीडिया पर अटकलों के बीच खुद वाइट हाउस ने गुरुवार को बताया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को क्रॉनिक वेनस इन्सफिशिएंसी (सीवीआई) नामक बीमारी का पता चला है। यह घोषणा तब आई जब राष्ट्रपति ट्रंप के पैरों में सूजन और उनके हाथ पर चोट के निशान को लेकर सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें वायरल हो रही हैं। वाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने एक प्रेस ब्रीफिंग में बताया कि 79 वर्षीय ट्रंप ने हाल ही में अपने निचले पैरों में हल्की सूजन देखी थी, जिसके बाद उन्होंने वाइट हाउस मेडिकल यूनिट से जांच करवाई। लेविट ने कहा, मुझे पता है कि मीडिया में कई लोग राष्ट्रपति के हाथ पर चोट और पैरों में सूजन के बारे में अटकलें लगा रहे हैं। पारदर्शिता बनाए रखने के लिए, राष्ट्रपति चाहते थे कि मैं उनके डॉक्टर का एक नोट शेयर करूं... इनमें सभी रिजल्ट्स सामान्य सीमा के भीतर पाए गए।

क्या है क्रॉनिक वेनस इन्सफिशिएंसी : वाइट हाउस ने राष्ट्रपति ट्रंप के डॉक्टर सीन बारबाबेला की रिपोर्ट जारी की है। इसके अनुसार, ट्रंप की व्यापक जांच की गई, जिसमें डायग्नोस्टिक वैस्कुलर स्टडीज और दोनों पैरों की वेनस डॉपलर अल्ट्रासाउंड शामिल थे। इन जांचों से पता चला कि राष्ट्रपति को क्रॉनिक वेनस इन्सफिशिएंसी है, जो 70 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों में एक सामान्य और गैर-खतरनाक स्थिति है। क्लीवलैंड क्लिनिक के अनुसार, यह स्थिति तब होती है जब पैरों की नसें ठीक तरह से रक्त को हृदय तक वापस पहुंचाने में असमर्थ होती हैं, जिसके कारण रक्त पैरों में एकत्रित हो जाता है। इससे सूजन, दर्द, त्वचा का रंग बदलना और कभी-कभी अल्सर जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

लेविट ने बताया कि ट्रंप की जांच में गंभीर बीमारियों जैसे डीप वेन थ्रॉम्बोसिस (डीवीटी) या धमनी रोग का कोई सबूत नहीं मिला। इसके अलावा, राष्ट्रपति की अन्य जांचों जैसे ष्टब्ष्ट, ष्टरूक्क और कोएगुलेशन प्रोफाइल के परिणाम सामान्य पाए गए। एक इकोकार्डियोग्राम से यह भी पुष्टि हुई कि ट्रंप का हार्ट सामान्य रूप से काम कर रहा है और कोई हार्ट फेलियर या प्रणालीगत बीमारी के संकेत नहीं हैं।

हाथ पर चोट के निशान को लेकर अटकलें : हाल के हफ्तों में, ट्रंप के हाथ पर चोट के निशान और उनके पैरों में सूजन की तस्वीरें देखने को मिलीं। विशेष रूप से 13 जुलाई को न्यू जर्सी में फीफा क्लब विश्व कप फाइनल के दौरान ली गई तस्वीरों ने सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी। इसने उनके स्वास्थ्य को लेकर अटकलों को हवा दी थी। वाइट हाउस ने इन चोटों को संबोधित करते हुए कहा कि यह बार-बार हाथ मिलाने और एस्पिरिन के उपयोग के कारण मामूली त्वचा की जलन के परिणामस्वरूप हुआ है। ट्रंप हृदय संबंधी समस्याओं की रोकथाम के लिए नियमित रूप से एस्पिरिन लेते हैं, जो ब्लड को पतला करता है और चोट के निशान को बढ़ा सकता है।

लेविट ने स्पष्ट किया कि ये निशान क्रॉनिक वेनस इन्सफिशिएंसी से संबंधित नहीं हैं, क्योंकि यह स्थिति केवल शरीर के निचले हिस्सों को प्रभावित करती है। विशेषज्ञों ने भी इस बात पर सहमति जताई कि उम्र और एस्पिरिन का उपयोग चोट के निशानों का कारण हो सकता है। उन्होंने कहा, राष्ट्रपति की हालिया तस्वीरों में उनके हाथ के पिछले हिस्से पर हल्की चोट के निशान दिखाई दे रहे हैं। यह बार-बार हाथ मिलाने और एस्पिरिन के इस्तेमाल से सॉफ्ट टिश्यूज में हुई मामूली जलन से मेल खाता है।

बीमारी का इलाज और मैनेजमेंट : क्रॉनिक वेनस इन्सफिशिएंसी एक प्रगतिशील स्थिति है जिसका कोई स्थायी इलाज नहीं है, लेकिन इसे मैनेज किया जा सकता है। क्लीवलैंड क्लिनिक और जॉन्स हॉपकिन्स के अनुसार, इलाज के विकल्पों में मेडिकल-ग्रेड कम्प्रेशन स्टॉकिंग्स पहनना, पैरों को ऊपर उठाना, नियमित व्यायाम (विशेष रूप से चलना), और वजन को कंट्रोल करना शामिल है। गंभीर मामलों में, स्क्लेरोथेरेपी जैसे छोटे प्रक्रियात्मक उपचार या शल्य चिकित्सा जैसे लिगेशन या वेन स्ट्रिपिंग की आवश्यकता हो सकती है।

ट्रंप की लोकप्रियता में आई गिरावट, नए सर्वे में लोग बोले- उनकी नीतियों ने दुखी किया

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने करीब छह माह पहले ही जोरदार बहुमत पाकर सत्ता

हासिल की थी, लेकिन ट्रंप अपनी उस लोकप्रियता को बरकरार नहीं रख पाए हैं और ताजा सर्वे में उनकी लोकप्रियता में भारी गिरावट देखी गई है। खासकर अप्रवासन नीति, सरकारी खर्च में कटौती और मेडिकेड जैसे मुद्दों पर लोगों में भारी नाराजगी है। यह सर्वे एसोसिएटेड प्रेस-एनओआरसी सेंटर द्वारा किया गया है। इस साल की शुरुआत में अप्रवासन के मुद्दे पर ट्रंप की जो रेटिंग थी, अब उसमें भी गिरावट आई है, जबकि अप्रवासन ऐसा मुद्दा है, जो ट्रंप की ताकत रहा है। ट्रंप की नीतियों से नहीं हुआ फायदा सर्वे में लोगों ने बताया कि ट्रंप प्रशासन की नीतियों से उनके रोजमर्रा के जीवन पर कोई सकारात्मक असर नहीं हुआ है, बल्कि कई लोगों का मानना है कि उनकी नीतियों से उनकी परेशानी बढ़ी है या उन्हें दुख पहुंचा है। सिर्फ एक तिहाई लोग ही मानते हैं कि ट्रंप के आने से उन्हें राहत मिली है। विपक्षी पार्टी डेमोक्रेटिक पार्टी के समर्थक और आधे स्वतंत्र लोगों ने बताया कि ट्रंप की नीतियों का उनके जीवन पर बुरा असर पड़ा है। कई रिपब्लिकन समर्थक भी ऐसा ही मानते हैं।

वादों को पूरा नहीं कर पाए ट्रंप : डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव प्रचार के दौरान कामकाजी वर्ग की रोजमर्रा जरूरतों की लागत कम करने, सामाजिक कल्याण योजनाओं जैसे मेडिकेड आदि को जारी रखने, विदेशी युद्धों को समाप्त कराने और सरकार के खर्च में कटौती करने जैसे वादे किए थे। हालांकि हो इसका उल्टा रहा है। ट्रंप सरकार की टैरिफ नीति के चलते अमेरिका में महंगाई बढ़ रही है। वहीं ट्रंप सरकार अपने बिग ब्यूटीफुल बिल के जरिए सामाजिक कल्याण योजनाओं में कटौती कर रही है और मेडिकेड सुविधा को भी कम कर रही है। इसके चलते अमेरिका में 1.1 करोड़ लोग स्वास्थ्य बीमा से बाहर हो जाएंगे और इससे संघीय सरकार पर खरबों डॉलर का कर्ज भी बढ़ेगा।

अमेरिका में तूफान चेंटल का कहर, नॉर्थ कैरोलिना में आपातकाल घोषित; अब तक छह लोगों की मौत

नॉर्थ कैरोलिना, एजेंसी। अमेरिका के नॉर्थ कैरोलिना राज्य में उत्तरी अटलांटिक उष्णकटिबंधीय तूफान चेंटल के चलते भारी तबाही हुई है। इस तूफान में अब तक कम से कम छह लोगों की मौत हो चुकी है और कई इलाकों में भारी बारिश और बाढ़ के कारण जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। हालात की गंभीरता को देखते हुए राज्य के गवर्नर जोश स्टाइन ने गुरुवार को आपातकाल की घोषणा की है। बता दें कि इस भीषण चक्रवात के चलते कैरोलिना कुछ इलाकों में 9 से 12 इंच तक बारिश हुई। एनो नदी समेत कई नदियों का जलस्तर रिकॉर्ड तोड़ ऊंचाई तक पहुंच गया। इतना ही नहीं डरहम, रैले और चैपल हिल जैसे शहरों में लोगों को पीने का साफ पानी तक नहीं मिल पा रहा है। कई घर और दुकानें तबाह हो गईं और सैकड़ों लोग बेघर हो गए। तूफान इतना तेज था कि एक 58 वर्षीय महिला का वाहन बाढ़ में फंस गया, मदद के लिए 911 पर कॉल किया लेकिन कॉल कट गई। बाद में वह मृत पाई गईं। दो कैनोर्स (नाविक) की तलाश के बाद उनकी लाशें चाथम काउंटी में मिलीं। वहीं एक अन्य महिला की कार पानी में बह गई और उनकी मौत हो गई। इसके साथ ही 71 वर्षीय व्यक्ति और 23 वर्षीय युवती की भी बाढ़ में मौत हो गई।

गाजा में चर्च पर इजरायल ने की बमबारी, तीन की मौत, बेंजामिन नेतन्याहू बोले- एक गोला भटक गया

गाजा, एजेंसी। गाजा पट्टी में एकमात्र कैथोलिक चर्च होली फैमिली पर इजरायली सेना ने गोले बरसाए हैं। इस हमले में तीन लोगों की मौत हो गई और 10 अन्य घायल हैं, जिनमें चर्च के पादरी गैब्रिएल रोमनल्ली भी शामिल हैं। चर्च परिसर में सैकड़ों फिलिस्तीनी शरण लिए हुए थे जिनमें बच्चे और दिव्यांग लोग भी शामिल थे। इजरायल ने इस हमले को दुर्घटना बताते हुए खेद व्यक्त किया और कहा कि वह इसकी जांच कर रहा है। हमले में चर्च की इमारत को भी काफी नुकसान पहुंचा जहां कई बुजुर्ग और मासूम लोग मौजूद थे। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इस हमले को लेकर खेद जताया है। नेतन्याहू ने अपने बयान में कहा, इजरायल को इस बात का गहरा दुख है कि एक भटका हुआ गोला गाजा के होली फैमिली चर्च से टकराया। हर एक निर्दोष व्यक्ति की जान का नुकसान एक त्रासदी है। पोप लियो 14वें ने इस हमले की कड़ी निंदा की और तत्काल युद्धविराम की अपील की है। उन्होंने पीड़ितों के लिए शोक संदेश में कहा कि वह शांति और सुलह की आशा करते हैं। दूसरी ओर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से इस हमले पर नाराजगी जताई। इजरायल का कहना है कि यह भूलवश हुआ हमला था और वह नागरिकों व धार्मिक स्थलों को निशाना नहीं बनाता। हालांकि, गाजा में स्कूलों, अस्पतालों और शरणस्थलियों पर बार-बार हो रहे हमलों के कारण

फिलिस्तीनी नागरिकों का कहना है कि कोई भी जगह सुरक्षित नहीं है। इजराइली सेना- गोले का टुकड़ा गलती से चर्च पर गिरा नेतन्याहू ने कहा, हर निर्दोष की जान का जाना भयानक नुकसान है। इजराइली सेना ढ्ढष्ठस्न ने भी जांच के बाद कहा कि एक गोले का टुकड़ा गलती से चर्च पर गिरा। सेना का दावा है कि उसने नागरिकों और धार्मिक स्थलों को नुकसान से बचाने की पूरी कोशिश की। इजराइली सेना ने कहा कि एक गोले का टुकड़ा गाजा सिटी में सैन्य कार्रवाई के दौरान गलती से चर्च पर गिर गया। इसकी जांच की जा रही है। ट्रम्प- नेतन्याहू के बीच हमले को लेकर बातचीत अमेरिका के व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने बताया कि ट्रम्प और नेतन्याहू के बीच इस हमले को लेकर तनावपूर्ण बातचीत हुई। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति को बताया कि कैथोलिक चर्च पर हमला करना इजराइलियों की एक भूल थी। इटली की प्रधानमंत्री बोली- ये हमले स्वीकार नहीं किए जाएंगे इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने गाजा में इजराइल के हालिया हमलों की कड़ी निंदा की है। मेलोनी ने एक्स पर लिखा, इजराइल के गाजा में हमलों ने होली फैमिली चर्च को भी निशाना बनाया। महीनों से नागरिकों पर किए जा रहे।

32 साल का आरोपी फ्रांस से प्रत्यर्पित, 12 साल बाद कबूला छात्रा का उत्पीड़न; अक्तूबर में सजा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के पेनसिल्वेनिया राज्य में पढ़ाई के दौरान एक छात्रा से यौन शोषण के आरोपी इयान क्लियरी (32) ने आखिरकार अपना जुर्म कबूल कर लिया है। आरोपी को कुछ महीने पहले फ्रांस से अमेरिका लाया गया था, जहां वह 2013 की घटना के बाद भाग गया था। मामले में पीड़िता शैनन कीलर ने बताया कि 2013 में जब वह गेटीसबर्ग कॉलेज में पहली वर्ष की छात्रा थीं तब इयान क्लियरी उसके हॉस्टल के कमरे में घुस आया और उसका यौन शोषण किया। क्लियरी कॉलेज में तीसरे वर्ष का छात्र था।

फेसबुक से मिले मैसेज के चलते केस ने पकड़ी रफ्तार : पीड़िता ने उसी समय पुलिस को सूचना दी, लेकिन मामला आगे नहीं बढ़ा। इसके बाद 2021 में अचानक उसे आरोपी की फेसबुक आईडी से एक मैसेज मिला कि तो मैंने तुम्हारे साथ दुष्कर्म किया। यह देख वह फिर से न्याय के लिए सक्रिय हुई। शैनन कीलर ने बताया कि वह पिछले 12 वर्षों से न्याय के लिए लड़ रही थीं, लेकिन प्रशासन और कानून की

सुस्ती के कारण आरोपी पर कार्रवाई नहीं हो सकी। एक मीडिया एजेंसी की 2021 में छपी एक रिपोर्ट के बाद इस मामले ने फिर से जोर पकड़ा।

कोर्ट के सामने आरोपी का सवाल-जवाब : गुरुवार को क्लियरी पहली बार कोर्ट में पीड़िता के सामने पेश हुआ। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार आरोपी को सामने पाकर शैनन ने अपने पति का हाथ पकड़कर पूरे वक्त कोर्ट में खुद को संभाले रखा। क्लियरी हथकड़ी में था और जज के सवालों के सीधे और छोटे जवाब देता रहा। बता दें कि क्लियरी को अप्रैल 2024 में फ्रांस के मेट्ज शहर में कुछ छोटे आरोपों में गिरफ्तार किया गया था। वहीं से उसे अमेरिका लाया गया। उसके वकील ने कोर्ट में बताया कि क्लियरी को मानसिक स्वास्थ्य की समस्याएं हैं और 2019 में जब उसने वह फेसबुक मैसेज भेजा था, तब वह अस्पताल में भर्ती था। कोर्ट ने 20 अक्तूबर को तय की सजा की तारीख मामले में कोर्ट ने सजा की तारीख 20 अक्तूबर तय की है। अभियोजन और बचाव पक्ष ने 4 से 8 साल की जेल की सिफारिश की है, लेकिन अंतिम फैसला जज केविन हैस लेंगे। यह मामला दूसरे दर्जे के यौन शोषण का है, जिसकी अधिकतम सजा 10 साल हो सकती है। गौरतलब है कि इयान क्लियरी कैलिफोर्निया के साराटोगा में पला-बढ़ा। गेटीसबर्ग कॉलेज छोड़ने के बाद उसने वहीं से पढ़ाई पूरी की, टेस्ला कंपनी में काम किया और फिर विदेश चला गया। वहां वह मध्ययुगीन काल की कहानियां लिखता था।

तीन मुस्लिम देशों की मीटिंग में बड़ा फैसला, पाकिस्तान से सेंट्रल एशिया तक चलेगी रेल

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में तीन देशों की एक मीटिंग हुई है। इस मीटिंग में फैसला लिया गया है कि पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा स्थित खारलाची से उज्बेकिस्तान के नैबाबाद तक ट्रेन का रूट विकसित किया जाए। काबुल में हुई इस मीटिंग अफगानिस्तान पर शासन कर रहे तालिबान के नेता और उज्बेकिस्तान एवं पाकिस्तान के नेता मौजूद रहे। इस मीटिंग में फैसला हुआ कि इस रेलवे परियोजना के लिए फिजिबिलिटी स्टडी कराई जाए। तीनों देशों के बीच इसे लेकर सहमति बन गई है। इसे यूएपी रेलवे प्रोजेक्ट कहा जा रहा है, जिसका अर्थ उज्बेकिस्तान-अफगानिस्तान-पाकिस्तान रेलवे परियोजना से है। यह इन तीन मुस्लिम देशों के बीच एक महत्वाकांक्षी परियोजना माना जा रहा है। उज्बेकिस्तान ऐसा देश है, जो सिल्क रूट पर स्थित है। यह सिल्क रूट यानी रेशम मार्ग चीन को मध्य एशिया के देशों से जोड़ता था और फिर यही रूट आगे बढ़ते हुए यूरोप तक जाता है। ऐसे में यदि यह परियोजना सिरे चढ़ती है तो पाकिस्तान के लिए बड़ी सफलता होगी। पाकिस्तान के डिप्टी पीएम इशाक डार ने एक्स पर भी इस समझौते की जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि मैं पाकिस्तान, उज्बेकिस्तान और अफगानिस्तान के लोगों को बधाई देता हूं। तीनों

देशों के बीच रेल नेटवर्क के लिए फिजिबिलिटी स्टडी पर सहमति बनी है। उन्होंने कहा कि यह प्रोजेक्ट क्षेत्रीय स्तर पर कनेक्टिविटी को मजबूत करेगा। इसके अलावा आर्थिक तौर पर भी फायदेमंद होगा। डार ने कहा कि पाकिस्तान के बंदरगाहों से मध्य एशिया तक सीधी पहुंच इस कॉरिडोर से होगी। इस समझौते पर साइन से पहले तीनों देशों के विदेश मंत्रियों की भी मीटिंग हुई। बता दें कि पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच बीते कई सालों से तनाव की स्थिति बनी हुई है। फिर भी इस अहम प्रोजेक्ट पर सहमति बनना मायने रखता है। इस परियोजना पर तीनों देशों ने 2023 में ही सहमति जताई थी। यह रेल लिंक उज्बेकिस्तान के तरमिज से होकर गुजरेगा। इसके अलावा अफगानिस्तान में मजार-ए-शरीफ और लोगार से जाएगा। पाकिस्तान में इस रेल लिंक की एंट्री खारलाची बॉर्डर से होगी।

5 साल के बेटे पर भूत का साया, रेगिस्तान में बलि देने जा रहे थे मां-बाप? अब चलेगा केस

बोर्डो , एजेंसी। फ्रांस के बोर्डो शहर से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां अंधविश्वास के चक्कर में मां-बाप अपने 5 साल के मासूम बेटे को रेगिस्तान में बलि देने जा रहे थे। पुलिस ने दंपति को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया है। इस दंपति पर आरोप है कि वे अपने पांच साल के बेटे की मोरक्को के सहारा रेगिस्तान में कथित तौर पर बलि देने की योजना बना रहे थे। उन्हें अपने बेटे पर भूतिया साया होने का डर था। इस मामले की सुनवाई गुरुवार, 17 जुलाई को बोर्डो की एक अदालत में शुरू हुई। दंपति पर आपराधिक साजिश और माता-पिता के कर्तव्यों में विफलता के गंभीर आरोप लगाए गए हैं। हालांकि, दोनों ने इन आरोपों का जोरदार खंडन किया है। मामले की शुरुआत- रिश्तेदार की शिकायत जांच के अनुसार, एक रिश्तेदार ने फ्रांसीसी वकीलों को सूचित किया था कि बच्चे के पिता फ्लोरियन एल. ने अपने बेटे को भूतग्रस्त मानते हुए रेगिस्तान में उसकी बलि देने की बात कही थी। इस जानकारी के आधार पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दिसंबर 2023 में दक्षिणी स्पेन के अल्जेसिरास में दंपति को उस समय गिरफ्तार कर लिया, जब वे मोरक्को के टैंजियर जाने के लिए फेरी पर सवार होने वाले थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, दंपति ने अपने घर को किराए पर दे दिया था और एक कार खरीदी थी। इससे यह संकेत मिलता है कि वे लंबी अवधि के लिए मोरक्को की यात्रा की योजना बना रहे थे। सरकारी वकीलों का मानना है कि ये कदम कथित बलि की तैयारी का हिस्सा थे। दंपति का खंडन- हमारा कोई गलत इरादा नहीं था दंपति पेशे से संगीत टीचर हैं और सिस्टम विरोधी और

रहस्यमयी विश्वासों को मानने वाले बताए जाते हैं। उन्होंने इन आरोपों को पूरी तरह खारिज किया है। फ्लोरियन एल. के वकील, ऑड्रे बूसिलोन ने अदालत में कहा, उनका अपने बेटे को किसी भी तरह से नुकसान पहुंचाने का कोई इरादा नहीं था। मां के वकील ने भी दावा किया कि दंपति केवल मोरक्को की यात्रा करना चाहता था, क्योंकि वे दो साल पहले वहां गए थे और उन्हें यह स्थान बहुत पसंद आया था। बच्चे की स्थिति और कोर्ट की चिंता बच्चे के हितों का प्रतिनिधित्व करने वाली वकील, मेर्लिन लाबादी ने अदालत को बताया कि दंपति के विश्वासों ने बच्चे को खतरे में डाल दिया था। जब बच्चे को पुलिस ने हिरासत में लिया, तब उसने ठंड, डर और हमारे अंदर के सांप को निकालने की बात कही थी, जो उसके माता-पिता के विश्वासों का प्रभाव दर्शाता है। वर्तमान में बच्चा अपनी ननिहाल में अपने नाना-नानी की देखरेख में है। शुरू हुआ मुकदमा यह मुकदमा एक दिन तक चला, और फैसला बाद में घोषित किया जाएगा। अभियोजन पक्ष ने दंपति पर आपराधिक साजिश और माता-पिता के कर्तव्यों की उपेक्षा का आरोप लगाया है। जांच में यह भी सामने आया कि दंपति के कार्यों, जैसे घर किराए पर देना और वाहन खरीदना, को अभियोजकों ने बलि की योजना से जोड़ा है।

माता-पिता अपने बच्चों का समय पर टीकाकरण करवाएँ: डॉ. परमिंदर

फगवाड़ा। सिविल सर्जन कपूरथला डॉ. हरपाल सिंह के आदेशानुसार, जिला टीकाकरण अधिकारी कपूरथला डॉ. रणबीर सिंह के मार्गदर्शन और वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. परमिंदर कौर के कुशल नेतृत्व में, ईपीआई यूनिट सिविल अस्पताल फगवाड़ा में ममता दिवस मनाया गया। इस संबंध में जानकारी देते हुए वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. परमिंदर कौर ने कहा कि माता-पिता स्वास्थ्य विभाग का सहयोग करें और अपने बच्चों का समय पर टीकाकरण करवाएँ ताकि उन्हें बीमारियों से बचाया जा सके और उनका स्वस्थ विकास हो सके। उन्होंने बच्चों के टीकाकरण में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने की सलाह दी। उन्होंने आगे बताया कि ममता दिवस के दौरान माता-पिता अपना आधार कार्ड, पहचान पत्र और अपना मोबाइल नंबर साथ लाएँ ताकि एनएएम द्वारा यू-वीन पर ऑनलाइन टीकाकरण समय पर किया जा सके। डॉ. परमिंदर कौर ने गर्भवती महिलाओं से आयुष्मान आरोग्य केंद्रों में समय पर पंजीकरण कराने का भी आग्रह किया ताकि उन्हें स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्रदान की जाने वाली सभी स्वास्थ्य सुविधाएँ समय पर मिल सकें। उन गर्भवती महिलाओं की पहचान कर उनका समय पर उपचार किया गया। उन्होंने इस अवसर पर यह भी कहा कि सीएचओ एएनएम और आशा वर्कर अधिक से अधिक गर्भवती महिलाओं को सरकारी अस्पतालों में प्रसव कराने के लिए प्रोत्साहित करें ताकि वे स्वास्थ्य विभाग द्वारा दी जा रही स्वास्थ्य सेवाओं और सुविधाओं का लाभ उठा सकें। इस दौरान ईपीआई में तैनात एएनएम मैडम सोना ने कहा कि ममता दिवस को सफल बनाने के लिए आशा वर्कर घर-घर जाकर अभिभावकों को उनके बच्चों के टीकाकरण के बारे में पहले से जानकारी देती हैं ताकि अभिभावक समय पर सत्र स्थल पर पहुँचकर अपने बच्चों का टीकाकरण करा सकें। उन्होंने आगे कहा कि आशा वर्कर गर्भवती महिलाओं को भी घर-घर जाकर समय-समय पर अपने स्वास्थ्य की जांच कराने के लिए प्रेरित करती हैं ताकि प्रसव के दौरान उन्हें किसी भी समस्या का सामना न करना पड़े। इस अवसर पर एएनएम मैडम उषा, एकता, दलबीर कौर, गुरप्रीत कौर, आशा वर्कर राजिंदर पाल कौर, कुलविंदर कौर, सविता, आरती, चंदन आदि मौजूद थे।

सीएम योगी के निर्देश पर पर्यावरण संरक्षण में आमजन की भागीदारी होगी सुनिश्चित

कौमी पत्रिका

लखनऊ, 19 जुलाई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विगत दिनों बैठक में निर्देश दिया था कि वर्ष 2030 तक प्रदेश के हरित आवरण को 15 प्रतिशत तक ले जाना है। यह लक्ष्य तभी सफल होगा, जब पौधरोपण जनांदोलन का स्वरूप ले। सरकार की मंशा है कि प्रत्येक गांव को हरित गांव के रूप में स्थापित किया जाए। सरकार का मानना है कि वन-पर्यावरण, स्वच्छ भारत मिशन, जल जीवन मिशन, मनरेगा आदि के सहयोग से प्रत्येक ग्राम पंचायतें पर्यावरणीय लक्ष्यों को प्राप्त करने में सक्षम हो सकती हैं। सीएम के इस निर्देश के पश्चात सूबे के हर गांवों में ग्रीन चौपाल के जरिए पर्यावरण संरक्षण होगा, जिसमें आमजन की भागीदारी भी सुनिश्चित होगी। ग्राम प्रधान ग्रीन चौपाल के अध्यक्ष होंगे। हर माह के तीसरे शुक्रवार को अनिवार्य रूप से ग्रीन चौपाल की बैठक होगी। ग्रीन चौपाल के अध्यक्ष ग्राम प्रधान होंगे। वही इसका संचालन करेंगे।

सेक्शन/बीट अधिकारी सदस्य सचिव तथा ग्राम पंचायत अधिकारी संयोजक होंगे। इसके अलावा तीन ग्राम पंचायत सदस्य (न्यूनतम एक महिला), स्वयं सहायता समूह की एक महिला प्रतिनिधि, प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक, आंगनवाड़ी सहायिका, रोजगार सेवक, प्रगतिशील कृषक, पर्यावरणविद्/स्थानीय एनजीओ के प्रतिनिधि व जैव विविधता प्रबंधन समिति के प्रतिनिधि ग्राम चौपाल के सदस्य होंगे। इसके अतिरिक्त संबंधित विभागों के प्रतिनिधि विशेष आमंत्रित सदस्य होंगे। प्रदेश की हरियाली बढ़ाने के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रत्येक माह के तीसरे शुक्रवार को ग्रीन चौपाल की बैठक होगी। इस दिन राजकीय अवकाश होने की स्थिति में अगले दिन अनिवार्य रूप से ग्रीन चौपाल की बैठक होगी। विभिन्न विभागों की पर्यावरण से जुड़ी योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार भी किया जाएगा। पर्यावरण संरक्षण, जलवायु परिवर्तन आदि के प्रति स्थानीय स्तर पर विशेष प्रचार-प्रसार (नुक्कड़ नाटक, रैली, गोष्ठी) आदि का आयोजन भी होगा। गांवों के विद्यालयों में शिक्षकों/विद्यार्थियों को जैव-विविधता, पर्यावरण संरक्षण, जलवायु परिवर्तन आदि के सम्बन्ध में जागरूक किया जायेगा। ग्रीन चौपाल के कार्यों की निगरानी जिला वृक्षारोपण समिति करेगी। पौधरोपण के लिए ग्राम पंचायतवार माइक्रोप्लान की विवेचना एवं क्रियान्वयन में ग्रीन चौपाल की सक्रिय सहभागिता रहेगी। इसके साथ ही ग्राम पंचायत में हरीतिमा विकास के लिए उपलब्ध रिक्त भूमि पर पौधरोपण व रखरखाव सुनिश्चित करेगा। ग्राम चौपाल शासन एवं जिला वृक्षारोपण समिति की मंशा के अनुरूप दायित्वों का निर्वहन करेगा। मिशन लाइफ, वन, वन्यजीव, आर्द्र भूमि, पर्यावरण, जैवविविधता संरक्षण, जलवायु परिवर्तन, पौधरोपण, कार्बन क्रेडिट, वैकल्पिक ऊर्जा आदि के संबंध में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं से आमजन को भी जागरूक किया जाएगा। मानव-वन्यजीव संघर्ष को नियंत्रित करने के लिए प्रचार-प्रसार के साथ ही ग्राम हरित निधि की स्थापना व संचालन पर भी फोकस रहेगा। मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) के निर्देशन में ग्रीन चौपाल के कार्यों के विवरण का संकलन प्रत्येक महीने जिला पंचायत राज अधिकारी द्वारा किया जाएगा। ग्रीन चौपाल के सुचारू संचालन के लिए समन्वय का कार्य प्रभागीय वनाधिकारी करेंगे। जिला वृक्षारोपण/पर्यावरण समिति द्वारा उत्कृष्ट कार्य करने वाली ग्रीन चौपालों को नियमित रूप से चिह्नित किया जाएगा, फिर उन्होंने सम्मानित भी किया जाएगा। जनपद स्तर पर सराहनीय कार्य करने वाली ग्रीन चौपालों की सूची पर्यावरण, वन-जलवायु परिवर्तन विभाग को उपलब्ध कराई जाएगी। ऐसे समस्त प्रगतिशील ग्रीन चौपालों को राज्य स्तर पर भी सम्मानित किया जाएगा।

लायंस क्लब फगवाड़ा चैंपियन ने नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. एस राजन को सम्मानित किया

फगवाड़ा। लायंस इंटरनेशनल 321-डी की प्रमुख संस्था लायंस क्लब फगवाड़ा चैंपियन ने क्लब अध्यक्ष लायन संजीव सूरी के नेतृत्व में नेत्र रोग विशेषज्ञ एवं डॉ. राजन आई केयर के प्रबंध निदेशक डॉ. एस राजन को राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के अवसर पर सम्मानित किया तथा पूरे अस्पताल स्टाफ को चिकित्सक दिवस की शुभकामनाएं दी। लायंस इंटरनेशनल 321-डी के जिला चेयरमैन (पीस पोस्टर) लायन गुरदीप सिंह कंग एमजेएफ एवं क्लब अध्यक्ष लायन संजीव सूरी ने कहा कि डॉ. राजन आई केयर न केवल फगवाड़ा बल्कि आसपास के शहरों, कस्बों और ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के लिए भी किसी वरदान से कम नहीं है। डॉ. राजन आई केयर ने नेत्र रोगियों के लिए हर प्रकार की सर्जरी की व्यवस्था की है। डॉ. राजन ने इस सम्मान के लिए सभी लायंस सदस्यों का आभार व्यक्त किया तथा कहा कि उन्होंने चिकित्सा के क्षेत्र को पेशे के रूप में नहीं बल्कि सेवा के रूप में चुना है। अपने मरीजों को बेहतरीन चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करना उनका सबसे बड़ा कर्तव्य है और अस्पताल अक्सर दानदाताओं की मदद से मुफ्त नेत्र शल्य चिकित्सा शिविर आयोजित करता है। इसके अलावा विशेष अवसरों, परीक्षणों आदि पर विशेष छूट भी दी जाती है। उन्होंने आश्वासन दिया कि वह हमेशा अपनी ड्यूटी को पूरी लगन से निभाएंगे। इस अवसर पर लायंस क्लब फगवाड़ा चैंपियन के उपाध्यक्ष लायन सुमित भंडारी, सचिव लायन दिनेश खरबंदा, कैशियर लायन अजय कुम

नई सहकारिता नीति से समाज, देश में होंगे क्रांतिकारी बदलाव: डॉ अरविंद शर्मा

कौमी पत्रिका

चंडीगढ़। हरियाणा के सहकारिता, विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सहकार आंदोलन को रफ्तार देने के लिए सहकारिता मंत्रालय जल्द नई सहकारी नीति घोषित करेगा। उन्होंने हरियाणा में गन्ना उत्पादकों को हार्वेस्टिंग के दौरान आने वाली परेशानियों के समाधान के लिए हरको बैंक के माध्यम से लोन उपलब्ध करवाने की घोषणा की। इससे युवाओं, किसानों को हार्वेस्टिंग मशीनों के व्यवसायिक इस्तेमाल से आर्थिक तौर पर मजबूत होने के अवसर मिलेंगे। शनिवार को अंतरराष्ट्रीय सहकारिता दिवस के अवसर पर पंचकूला में राज्य स्तरीय समारोह में सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष का लोगो लांच किया व दीप प्रज्ज्वलन करके कार्यक्रम की शुरुआत की। सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि एक समय में सहकारिता संस्थाओं के माध्यम से महज खाद, दवाई, लोन संबंधी काम ही होते थे, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन व केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह की अगुवाई में आज सहकारी समितियों के माध्यम से जन औषधि केंद्र, सीएससी सेंटर, गैस स्टेशन जैसे 25 प्रकार के काम करने के अवसर युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। देश मे जल्द ही नई सहकारी नीति लागू होने जा रही है, जो केन्द्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह के हर घर को सहकार से जो?ने के विचार को मजबूत करते हुए वर्तमान दौर की चुनौतियों के हिसाब से ब? अवसर उपलब्ध करवाएगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा इस नीति के आने के तुरंत बाद लागू करेगा और प्रदेश की जरूरतों के मुताबिक इसमें आवश्यक बदलाव करेगा। सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह की बजट घोषणा के तहत 500 सीएम पैक्स का गठन करने की दिशा में प्रदेश में अब तक 141 सीएम पैक्सों का गठन हो चुका है। उन्होंने कहा कि पैक्सों के माध्यम से छोटे वेयर हाउस भी स्थापित किए जाएंगे, जिससे पीडीएस प्रणाली के तहत खाद्य की आपूर्ति इनके जरिए सम्भव हो सके। देश में 140 करो? भारतीय को सहकार से जो?ने के लिए केंद्र-प्रदेश सरकार निरन्तर कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि सहकार से जु? प्रत्येक नागरिक के जीवन मे आने वाले समय मे ब?ा बदलाव देखने को मिलेगा। कैबिनेट मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि प्रदेश में गन्ना उत्पादक किसानों के सामने हार्वेस्टिंग को लेकर आने वाली समस्या के समाधन के लिए हरको बैंक के पैक्स के माध्यम से युवाओं, किसानों को हार्वेस्टिंग मशीन खरीद के लिए लोन उपलब्ध करवाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि इसने पात्र हार्वेस्टिंग मशीनों को व्यवसायिक तरीके से इस्तेमाल करके आत्मनिर्भर बन सकेंगे। उन्होंने कहा कि अब डेयरी फेडरेशन के माध्यम से सीएम पैक्स के सदस्यों को भी वीटा बूथ आबंटन में अवसर प्रदान किए जाएंगे। यहीं नहीं डेयरी फेडरेशन वीटा बूथों को माडर्नाइज्ड बनाया जाएगा, ताकि वहां वीटा और हैफेड के खाद्य उत्पादों की उपलब्धता होगी। उन्होंने हरको बैंक के प्लेटिनम डेबिट कार्ड को भी लांच किया। पांच लाख रुपए तक के इस डेबिट कार्ड का इस्तेमाल देश के एयरपोर्ट लांज में भी किया जा सकेगा। प्रदेश के फरीदाबाद व महेन्द्रग? जिला के अधिकारियों को शत प्रतिशत पैक्सों को कम्प्यूटरीकरण किए जाने के लिए सम्मानित किया गया। वहीं 4 पात्रों को वीटा बूथ अलॉटमेंट के पत्र जारी किए। इस अवसर पर विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष ज्ञान चन्द गुप्ता, पूर्व विधायक लतिका शर्मा, सहकारिता विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव विजयेन्द्र सिंह, सहकारी समितियों के रजिस्ट्रार राजेश जोगपाल, प्रदेश के कोने-कोने से आए सहकार बन्धु उपस्थित रहे। यमुनानगर, 5 जुलाई- राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं उच्चतम न्यायालय की मध्यस्थता एवं सुलह परियोजना समिति के तत्वाधान में आज जिला विधिक सेवा प्राधिकरण यमुनानगर परिसर में राष्ट्र के लिए मध्यस्थता (मिडिएशन फॉर नेशन) अभियान की शुरूआत की गई। इस अभियान का उद्देश्य जिले में लंबित मामलों का त्वरित समाधान मध्यस्थता (मिडिएशन) के माध्यम से करना है। यह 90 दिवसीय विशेष अभियान भारत के प्रधान न्यायाधीश एवं न्यायमूर्ति सूर्यकांत, सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश तथा कार्यकारी अध्यक्ष, राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के मार्गदर्शन में देशभर में संचालित किया जा रहा है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं सीजेएम सुमित्रा कादियान ने बताया कि यह अभियान कोई सामान्य कानूनी प्रक्रिया नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय प्रयास है ताकि झगड़े खत्म हो, रिश्ते बचे और न्याय सभी तक शीघ्र पहुंचे। इस अभियान के तहत मामलों की पहचान, पक्षकारों को सूचना एवं मध्यस्थों को संदर्भित किया जाएगा। इसके उपरांत मध्यस्था की प्रक्रिया चलाकर संबंधित पक्षों को समझौते के लिए प्रेरित किया जाएगा।

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

मेयर को निरीक्षण में नाले पर मिला कब्जा व गंदगी, दुकानदार को नोटिस

यमुनानगर। मेयर सुमन बहमनी ने सोमवार को वर्कशॉप रोड पर शहीद भगत सिंह चौक से पेपर मिल गेट तक नाले का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान नाले पर कई जगह अतिक्रमण व अवैध कब्जे मिले। वहीं, नाला बंद पड़ा मिला। मेयर सुमन बहमनी ने निरीक्षण के दौरान सीएसआई विनोद बेनीवाल को निर्देश देकर नाले की सफाई का कार्य शुरू कराया। साथ ही नाले पर अवैध कब्जा व नाला बंद करने पर एक फास्ट फूड दुकान संचालक को नोटिस दिया गया। मेयर ने अधिकारियों से नाले को कब्जा कराकर उसकी पूरी सफाई कराने के निर्देश दिए। मेयर सुमन बहमनी सोमवार को अचानक शहीद भगत सिंह चौक पर वर्कशॉप रोड पर बने नाले का निरीक्षण करने पहुंची। उनके साथ सीएसआई विनोद बेनीवाल, सफाई निरीक्षक प्रदीप दहिया, बिट्टू व अन्य अधिकारी थे। मेयर बहमनी ने पैदल शहीद भगत सिंह चौक से पेपर मिल गेट तक नाले का निरीक्षण किया। निरीक्षण में नाले पर डाली स्लैब पर लोगों के अवैध कब्जे मिले। जिससे नाले की सफाई ही नहीं हो पाई। नाला मिट्टी व गंदगी से अटा होने के कारण बंद हो चुका था। इस दौरान मेयर ने सफाई अधिकारियों के साथ मिलकर स्वयं दुकानदारों को बोलकर अतिक्रमण व अवैध कब्जे हटवाए। एक नामी फास्ट फूड विक्रेता द्वारा नाले को पूरा कवर कर बंद किया हुआ था, साथ ही नाले में गंदगी भरी हुई थी। जिस पर मेयर ने अधिकारियों को दुकानदार को नोटिस देने के निर्देश दिए। मेयर के निर्देशों पर निगम अधिकारियों द्वारा दुकानदार को नोटिस दिया गया। वहीं, मेयर ने कर्मचारियों को मौके पर बुलवाकर नाले की सफाई का कार्य कराया, ताकि बारिश में पानी की निकासी सही तरीके से हो सके। मेयर सुमन बहमनी ने कहा कि नगर निगम द्वारा शहर को साफ, सुंदर व स्वच्छ बनाने का कार्य किया जा रहा है। बारिश में जलभराव की स्थिति न हो, इसके लिए वह खुद नालों के निरीक्षण कर सफाई करवा रही हैं। निरीक्षण में देखने को मिल रहा है कि कुछ शहरवासी खुद जलभराव की समस्या पैदा करते है। कुछ लोग नालों में ही गद्दा, रजाई, बोरिया, बैग, लकड़ी व अन्य ठोस कचरा डालते है। जिससे नाले व सीवरेज जाम व ब्लॉक होते है। कुछ लोगों द्वारा नालों पर ही कब्जा किया हुआ है, जिससे वहां से पानी पूरी तरह से नहीं निकल पा रहा है। लोगों से अपील है कि वे कचरा नालों, खुले में व खाली प्लाटों में न डालकर नगर निगम के डोर टू डोर आने वाले वाहनों में ही डाले। सभी शहरवासी यह आदत बनाए। ऐसा करने से हमारा शहर भी सुंदर, साफ, स्वच्छ बनेगा

अभियुक्त व्यक्तियों की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82 सीआरपीसी देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि दो अभियुक्त **(1) रियाजुद्दीन पुत्र निजायु (2) सकील पुत्र श्री छोटेया पताः गांव फारूक नगर, असलतपुर थाना शाहिबाबाद जिला गाजियाबाद यूपी ने एफआईआर संख्या 05/2011 धारा 457/380 भा.द.स. के तहत** थानाः अलीपुर, दिल्ली के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उन्होंने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **(1) रियाजुद्दीन (2) सकील** मिल नहीं रहे है और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **(1) रियाजुद्दीन (2) सकील** फरार हो गये हैं (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहे हैं)। अतः इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **एफआईआर संख्या 05/2011 धारा 457/380 भा.द.स. के तहत थाना अलीपुर, दिल्ली के उक्त (1) रियाजुद्दीन (2) सकील** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **20.08.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
रूबी नीरज कुमार
सीजेएम/नार्थ
कोर्ट नं. 115,
रोहिणी कोर्ट, दिल्ली

DP/9381/ON/2025

समाधान शिविर में प्राप्त शिकायतों का यथा शीघ्र करें निपटान- नगराधीश पीयूष गुप्ता

यमुनानगर। नगराधीश पीयूष गुप्ता ने कहा कि समाधान शिविर में अपनी समस्याओं को लेकर आने वाले प्रत्येक प्रार्थी की समस्याओं को मौके पर ही निपटान करने का भरसक प्रयास रहें, यदि कोई समस्या का समाधान दस्तावेजों या अन्य जांच पर आधारित है तब भी उसका समयबद्ध होकर जल्द निपटान करवाना सुनिश्चित करें। नगराधीश ने बताया कि प्रदेश सरकार के दिशा-निर्देशन में आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान करने के उद्देश्य से आयोजित किए जा रहे समाधान शिविर में अब बदलाव किया गया है। अब ये शिविर सप्ताह में दो दिन सोमवार व वीरवार सुबह 10 से 12 बजे तक आयोजित किए जा रहे हैं। पूर्व की भांति जिला व उपमंडल दोनों स्तरों पर शिविर का आयोजन होगा। जिला स्तरीय समाधान शिविर जिला सचिवालय के सभागार में तथा उपमंडल स्तर के समाधान शिविर व्यासपुर, छछरौली व रादौर में स्थित एसडीएम कार्यालय में आयोजित किए जा रहे हैं। नगराधीश ने कहा कि समाधान शिविरों का मुख्य उद्देश्य है जनता और प्रशासन के बीच सीधा संवाद स्थापित करना, ताकि समस्याओं को समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से सुलझाया जा सके। इन शिविरों के माध्यम से नागरिकों को अपनी शिकायतों के समाधान के लिए दफ्तरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ते, बल्कि वे एक ही स्थान पर अधिकारियों से सीधे संवाद कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार के मार्गदर्शन में चल रही इस पहल को जनता का भी भरपूर सहयोग और सराहना मिल रही है। समय पर समाधान, समर्पित अधिकारी और आमजन की भागीदारी के साथ यह शिविर आज गुड गवर्नेंस का सशक्त उदाहरण बनकर उभरे हैं। नगराधीश ने बताया कि समाधान शिविर में 15 शिकायतें प्राप्त हुई हैं जिनमें हरियावाला निवासी इसरान खान ने कम्पनी द्वारा सेलरी न देने बारे, बूडि?ा निवासी जय नारायण शर्मा, भूड़ कलां निवासी प्यारे लाल व गुलाबगढ़ निवासी अवतार हुसैन ने कानूनी कार्यवाही न होने बारे, मॉडल यमुनानगर निवासी परमिन्दर सिंह ने प्रापर्टी टैक्स की पैमेंट न होने बारे, वार्ड नम्बर-22 यमुनानगर निवासी ओम प्रकाश ने इलैक्ट्रोनिक बस का रूट बदलने बारे, उधमगढ़ निवासी मुन्ना लाल ने बिजली का मीटर चैक करवाने बारे, विशाल नगर निवासी ओम प्रकाश ने इंतकाल न करने बारे, कूलपुर निवासी सुखदेव सिंह ने सड? निर्माण में कमियों को दूर करने बारे, जठलाना निवासी भुवनेश गोयल ने गलियों के कार्यों की चैकिंग करवाने बारे, यमुनानगर निवासी मेहर सिंह ने विधुर पेंशन लगवाने बारे, वार्ड नंबर-17 कैम्प निवासी रीना रानी ने प्रॉपर्टी आईडी ठीक करवाने बारे, हंगौली निवासी कुलदीप सिंह ने बरसात के पानी की निकासी बारे, जगधौली निवासी राजो देवी ने बिजली के करंट लगने से मुआवजा न मिलने बारे समस्याएं रखी। इस अवसर पर डीएसपी कंवलजीत व अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr. P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **आरोपी मोहित शर्मा, पुत्रः** रामदत्त शर्मा **पताः** गांव पाली दादरी, गौतमबुद्ध नगर, **उत्तर प्रदेश Cr Case No. 5852/2022, FIR No. 346/2019, U/S: 33/52 Delhi Ex Act, पुलिस थानाः सरिता विहार, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **मोहित शर्मा,** मिल नही रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **मोहित शर्मा,** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि उक्त अभियुक्त **मोहित शर्मा, Cr Case No. 5852/2022, FIR No. 346/2019, U/S: 33/52 Delhi Ex Act, पुलिस थानाः सरिता विहार, दिल्ली** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **28.08.2025** को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
अरिदमन सिंह चीमा
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-05
दक्षिण पूर्व जिला, कमरा नं. 510
साकेत कोर्ट परिसर, नई दिल्ली

DP/9466/SE/2025
(Court Matter)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr. P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **आरोपी बिजेंद्र गिरि, पुत्रः** कैलाश गिरि, **पताः** ग्राम-सीकरी खुर्द थाना मोदीनगर, गाजियाबाद, **उत्तर प्रदेश CC No. 2351/19, U/S: 138 NI ACT, पुलिस थानाः भजनपुरा दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **बिजेंद्र गिरि,** मिल नही रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **बिजेंद्र गिरि,** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि उक्त अभियुक्त **बिजेंद्र गिरि, CC No. 2351/19, U/S: 138 NI ACT, पुलिस थानाः भजनपुरा दिल्ली** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **19.08.2025** को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
पंकज राय
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-01
कमरा नं. 73, पाँचवा तल उत्तर पूर्व जिला
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/9530/NE/2025
(Court Matter)

बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान शेष मतदाताओं से 25 जुलाई तक गणना प्रपत्र भरने एवं आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराने की अपील

चंडीगढ़, 19 जुलाई - बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के अंतर्गत 24 जून, 2025 की स्थिति में कुल 7,89,69,844 मतदाताओं में से अब तक 6,99,92,926 मतदाताओं (88.65त्न) से गणना प्रपत्र प्राप्त किए जा चुके हैं। भारत निर्वाचन आयोग की दिनांक 16.07.2025 के प्रेस विज्ञप्ति के आलोक में विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान में केवल 6.85त्न (54,07,483) मतदाता शेष हैं, जिनसे अगले 9 दिनों के भीतर, यानी 25 जुलाई, 2025 तक, गणना प्रपत्र प्राप्त किए जाने हैं। संभव है कि इनमें से कई निर्वाचक अस्थायी रूप से बिहार के बाहर निवासरत है जो ऑनलाइन माध्यम अथवा परिवार के सदस्यों के सहयोग से गणना प्रपत्र भर सकते है। अब तक 6,47,24,300 (81.96त्न) प्रपत्र अपलोड भी किए जा चुके है। प्रारूप निर्वाचक नामावली 01 अगस्त, 2025 को प्रकाशित की जाएगी और दावा-आपत्ति की अवधि 01 अगस्त, 2025 से 01 सितंबर, 2025 तक निर्धारित है। बिहार से बाहर अस्थायी रूप से निवासरत मतदाता भी अपने मोबाइल फोन, वेबसाइट द्धह्लह्लश्चह्य=//1शह्ल-द्गष्द्ब.द्गष्द्ब.द्दश1.द्बठ्ठ अथवा श्वष्टढ्ढहश्वञ्ज.श्वश्च के माध्यम से ऑनलाइन गणना प्रपत्र स्वयं भर सकते हैं। इसके अलावा वे प्री-फिल्ड फॉर्म डाउनलोड कर हस्ताक्षरित प्रति को व्हाट्सएप, ईमेल या अन्य माध्यम से बीएलओ तक भेज सकते हैं, या परिवार के सदस्य के माध्यम से बीएलओ को प्रेषित कर सकते हैं। विशेष गहन पुनरीक्षण में गणना प्रपत्र भरने हेतु निम्न 11 दस्तावेजों में से कोई भी संलग्न किया जा सकता हैं। इनमें किसी भी केन्द्रीय/राज्य सरकार / क्क्र के नियमित कर्मचारी / पेंशनधारी को जारी पहचान पत्र या पीपीओ, 01.07.1987 से पूर्व भारत में किसी सरकारी/स्थानीय निकाय/बैंक/डाकघर/एलआईसी/पीएसयू द्वारा जारी कोई दस्तावेज, सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी जन्म प्रमाण पत्र, पासपोर्ट, मान्यता प्राप्त बोर्ड / विश्वविद्यालय द्वारा जारी शैक्षणिक प्रमाणपत्र, सक्षम राज्य प्राधिकारी द्वारा जारी स्थायी निवास प्रमाण पत्र, वन अधिकार पत्र, सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी जाति प्रमाण पत्र, नागरिकों का राष्ट्रीय रजिस्टर (जहाँ उपलब्ध हो), राज्य / स्थानीय प्राधिकारी द्वारा तैयार पारिवारिक रजिस्टर, सरकार द्वारा जारी भूमि या मकान आवंटन प्रमाण पत्र शामिल हैं। यदि इन उल्लेखित दस्तावेजों में से कोई एक भी गणना प्रपत्र के साथ संलग्न कर दिया जाए, तो निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी को नाम जोड़ने की प्रक्रिया में सुविधा होती है। यदि दस्तावेज तत्काल उपलब्ध न हों तो दस्तावेज बाद में 25 जुलाई, 2025 तक अथवा दावा-आपत्ति अवधि (01 अगस्त, 2025 से 01 सितंबर, 2025) में भी प्रस्तुत किए जा सकते हैं। प्रारूप मतदाता सूची में मतदाता का नाम सम्मिलित होने हेतु गणना प्रपत्र 25 जुलाई, 2025 तक उपलब्ध कराया जाना आवश्यक है। मतदाता श्वष्टढ्ढहश्वञ्ज.श्वश्च या द्धह्लह्लश्चह्य=//1शह्लद्गष्द्ब.द्गष्द्ब.द्दश1.द्बठ्ठ पर जाकर अपने फॉर्म की स्थिति की भी जांच कर सकते हैं।

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त नाम **जितेंदर उर्फ जीतू पुत्रः** पुरसोतम **पताः** मकान नंबर ए-160, विकास कुंज, पाल विहार लोनी गाजियाबाद उ.प्र. ने **e-FIR No. 31796/16, U/s 379/411 IPC, थानाः गोकलपुरी, दिल्ली,** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **जितेंदर उर्फ जीतू** मिल नहीं रहा हैं और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **जितेंदर उर्फ जीतू** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा हैं)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **e-FIR No. 31796/16, U/s 379/411 IPC, थानाः गोकलपुरी, दिल्ली,** के उक्त अभियुक्त **जितेंदर उर्फ जीतू** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **28.08.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री कनिका अग्रवाल
जेएमएफसी-03, कमरा नंबर-22
कड़कड़डूमा कोर्ट दिल्ली

DP/9481/NE/2025
(Court Matter)

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त नाम **सगीर उर्फ हब्बर पुत्रः** बशीर **पताः** टीनल पाना तह, खुर्जा जिला, बुलन्दशहर उ.प्र. ने **FIR No. 956/2019, U/s 25/54/59 A Act, थानाः सुल्तान पुरी, दिल्ली,** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **सगीर उर्फ हब्बर** मिल नहीं रहा हैं और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **सगीर उर्फ हब्बर** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा हैं)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 956/2019, U/s 25/54/59 A Act, थानाः सुल्तान पुरी, दिल्ली,** के उक्त अभियुक्त **सगीर उर्फ हब्बर** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **22.08.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री सान्या दलाल
जेएमएफसी-01, कमरा संख्या 102, प्रथम तल
रोहिणी न्यायालय, दिल्ली

DP/9545/OD/2025
(Court Matter)

हरियाणा में 'फ्यूचर विभाग' के गठन को मंजूरी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बतौर वित्त मंत्री बजट में की गई घोषणा को अमली रूप देते हुए 'फ्यूचर विभाग' के गठन को अंतिम मंजूरी प्रदान की है। राज्यपाल द्वारा अनुमोदित करने के बाद राज्य सरकार ने इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने 'फ्यूचर विभाग' के गठन को मंजूरी दे दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'फ्यूचर विभाग' आने वाले वर्षों में प्रदेश की नींव को और अधिक मजबूत बनाएगा। विभाग का गठन ऐसे समय में हुआ है जब जलवायु परिवर्तन, तकनीकी क्रांति, बढ़ती जनसंख्या और वैश्विक अनिश्चितताएं राज्यों के सामने नई चुनौतियां प्रस्तुत कर रही हैं। इस विभाग का प्रमुख उद्देश्य इन परिवर्तनों का गहन अध्ययन, पूर्वानुमान और सामूहिक नीति निर्माण के माध्यम से प्रभावी समाधान प्रदान करना है। दरअसल, 'फ्यूचर विभाग' का मुख्य उद्देश्य हरियाणा की सामाजिक, आर्थिक और तकनीकी भविष्यगत आवश्यकताओं की पहचान करना है। यह विभाग आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, क्वांटम कंप्यूटिंग, रोबोटिक्स जैसे अत्याधुनिक क्षेत्रों के उपयोग की संभावनाओं को नीति निर्माण से जोड़ने पर केंद्रित होगा। साथ ही, युवाओं के लिए भविष्य के कौशल विकसित करने वाली योजनाएं बनाएगा। विभाग का कार्यक्षेत्र मानव संसाधन, शिक्षा, स्वास्थ्य, ऊर्जा, कृषि, जल, पर्यावरण और बुनियादी ढांचे जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में भविष्य की चुनौतियों का पूर्वानुमान लगाकर, समय रहते समाधान योजना तैयार करना होगा।

सरकार प्रत्येक नागरिक को गुणवत्ता पूर्ण स्वास्थ्य सुविधा देने को प्रतिबद्ध : आरती सिंह राव

नारनौल। हरियाणा सरकार प्रत्येक नागरिकों को गुणवत्ता पूर्ण स्वास्थ्य सुविधा देने को प्रतिबद्ध है। स्वास्थ्य मंत्री कनीना के उप मंडल स्तरीय नागरिक अस्पताल के निरीक्षण के बाद मरीजों के साथ आए नागरिकों से बातचीत कर रही थी। स्वास्थ्य मंत्री ने अस्पताल के विभिन्न वार्डों का निरीक्षण करने के दौरान मरीज से उनका हाल-चाल पूछा। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों को निर्देश दिए कि अस्पताल में सभी प्रकार की सुविधाएं होनी चाहिए। अगर किसी सुविधा की कमी है तो उन्हें तुरंत प्रभाव से जानकारी में लाया जाए ताकि जल्द से जल्द उसे पूरा किया जा सके। स्वास्थ्य मंत्री ने जननी सुरक्षा योजना और जननी-शिशु सुरक्षा कार्यक्रम के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि इन योजनाओं के तहत गर्भवती महिलाओं के प्रसव से संबंधित सभी खर्च सरकार वहन करती है। इसमें अस्पताल में ठहरने का खर्च, आवश्यक दवाएं, भोजन और रक्त की आवश्यकता होने पर निःशुल्क रक्त भी शामिल है। मां और बच्चे को अस्पताल लाने-ले जाने का खर्च भी सरकार उठाती है। इस मौके पर सीएमओ डॉ अशोक कुमार के अलावा अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे।

राष्ट्रीय मध्यस्थता अभियान के तहत लंबित मामलों के समाधान की पहल तेज

गुरुग्राम। हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, पंचकूला के निर्देशानुसार तथा राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं सर्वोच्च न्यायालय की मेडिएशन एवं कंसिलिएशन प्रोजेक्ट कमेटी के तत्वावधान में राष्ट्रीय मध्यस्थता अभियान पूरे देश में चलाया जा रहा है। जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण गुरुग्राम के सचिव रजत वर्मा ने इस संबंध में एक बैठक ली। यह अभियान एक जुलाई 2025 को प्रारंभ हुआ था और 30 सितम्बर 2025 तक संचालित किया जाएगा। इसका मुख्य उद्देश्य न्यायालयों में लंबित अधिक से अधिक मामलों को मध्यस्थता के माध्यम से सौहार्दपूर्ण तरीके से निपटाना है। अभियान के तहत लोगों को मध्यस्थता के लाभों के बारे में जागरूक करने के साथ-साथ लंबित मामलों के शीघ्र समाधान पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। गुरुग्राम जिला न्यायालय के कॉन्फ्रेंस हॉल में मध्यस्थता अधिवक्ताओं एवं पैनल पैरालीगल स्वयंसेवकों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सभी को निर्देश दिए गए कि वे अधिकाधिक मामलों को मध्यस्थता के माध्यम से सुलझाएं और आमजन तक अभियान की जानकारी पहुंचाएं।

सोनीपत दिशा बैठक में विकास योजनाओं के 67 एजेंडों पर चर्चा कर निर्देश जारी

सोनीपत। लघु सचिवालय में आयोजित दिशा (जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति) बैठक की अध्यक्षता करते हुए सांसद सतपाल ब्रह्मचारी ने कहा कि केन्द्र और राज्य सरकार की योजनाओं को जमीनी स्तर पर पहुंचाने में अधिकारियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने 67 एजेंडों पर की समीक्षा कर निर्देश दिए हैं साथ ही अधिकारियों से जनसेवा को प्राथमिकता देने और पूर्ण निष्ठा से कार्य करने का आह्वान किया। सांसद ने कहा कि कार्यालय में आने वाले प्रत्येक व्यक्ति से अच्छा व्यवहार हो और उसे पात्रतानुसार योजना का लाभ मिलना सुनिश्चित हो, ताकि वह समाज की मुख्यधारा से जुड़ सके। बैठक में सांसद ने स्वच्छता पर विशेष जोर देते हुए अधिकारियों को नाले व सीवरेज की समयबद्ध सफाई के निर्देश दिए। उन्होंने स्वच्छता सर्वेक्षण 2024-25 में सोनीपत को मिले पुरस्कार के लिए मेयर राजीव जैन और अधिकारियों को बधाई दी। इसके साथ ही 67 एजेंडों पर विस्तृत चर्चा कर विभिन्न विकास कार्यों की समीक्षा की गई। सांसद ने योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी प्रकार की लापरवाही न बरतने के निर्देश दिए। बैठक में दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना अंतर्गत गांव कासंडी स्थित प्रशिक्षण केंद्र को गोहाना स्थानांतरित करने की बात कही गई, जिससे प्रशिक्षणार्थियोंको आने-जाने में सुविधा रहे।

ज्योतिसर बनेगा विश्व का ऐतिहासिक पर्यटन स्थल : मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा की गीता स्थली ज्योतिसर विश्व का भव्य, यादगार और ऐतिहासिक स्थल बनेगा। इस गीता स्थली को पर्यटन की दृष्टि से विकसित करने के लिए हरियाणा सरकार की ओर से करोड़ों रुपये खर्च किए जाएंगे। राज्य के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने इसकी जानकारी दी।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि ज्योतिसर को विकसित करने के लिए राज्य सरकार की तरफ से करीब 250 करोड़ रुपये का बजट खर्च किया जा रहा है। ज्योतिसर को विश्व का भव्य, दिव्य, यादगार और ऐतिहासिक स्थल बनाया जाएगा। ज्योतिसर अनुभव केंद्र में देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों को कुरुक्षेत्र के इतिहास के जीवंत दर्शन हो सकेंगे। मुख्यमंत्री ने जिला कुरुक्षेत्र में ज्योतिसर अनुभव केंद्र का दौरा कर स्वागत कक्ष,

महाकाव्य सृजन कक्ष, प्राचीन महाभारत, कुरुवंशावली, गीता श्लोक, कृष्ण भूमिका, दशव अवतार सहित अन्य कक्षों का बारीकी से निरीक्षण किया। इस दौरान गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज भी उपस्थित रहे। पर्यटन विभाग की प्रधान सचिव श्रीमती कला रामचंद्रन ने ज्योतिसर अनुभव केंद्र के बारे में विस्तार से जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को ज्योतिसर अनुभव केंद्र के साथ-साथ अन्य कक्षों के छोटे-छोटे निर्माण कार्य को पूरा करने के दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी अधूरे निर्माण कार्यों को जल्द से जल्द पूरा किया जाए, ताकि ज्योतिसर अनुभव केंद्र को पर्यटकों के लिए खोला जा सके। ज्योतिसर अनुभव केंद्र को विश्व दर्शनीय स्थल बनाने के निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि तमाम विकास कार्यों को जल्द पूरा किया जाए, ताकि ज्योतिसर अनुभव केन्द्र में पर्यटक महाभारत और कुरुक्षेत्र के इतिहास के दर्शन कर सकें। उन्होंने कहा कि भगवान श्री कृष्ण ने कुरुक्षेत्र की पावन धरा से गीता के उपदेश दिए। इस पावन धरा के इतिहास को जहन में रखते हुए सरकार की तरफ से ज्योतिसर में विकास कार्यों को तेज गति के साथ किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश की सांस्कृतिक विरासत को मजबूती मिली है।

सांसद ने बाढ़ ग्रस्त गांवों का दौरा किया

एजेंसी

रोहतक। सांसद रामचंद्र जांगड़ा ने जिला उपायुक्त रोहतक और अन्य अधिकारियों के साथ महम हल्के के जल भराव से ग्रस्त भैनी सुरजन सैमा,न भैंनी महाराजपुर, भैंनी मातों, भैंनी भैरो बहलबा गांवों का दौरा किया । ग्रामीणों ने राज्यसभा सांसद से गांवों में भारी बारिश के कारण जल भराव की शिकायत की थी, जिस पर सांसद ने तुरंत डीसी रोहतक और एसडीएम महम से बात की। सांसद और डीसी रोहतक सिंचाई विभाग के टेक्निकल अधिकारियों तथा अन्य प्रशासनिक अधिकारियों के साथ जलभराव से प्रभावित गांवों में पंहुचे और पानी की निकासी के तुरंत इन्तजाम करवाये। सैमान गांव के ग्रामीणों ने पानी निकासी के लिए लगी मोटरों के लिए बिज़ली कनेक्शन की शिकायत की, जिस पर डीसी रोहतक ने बिजली के स्थाई कनेक्शन देने के निर्देश बिजली विभाग के अधिकारियों को दिए।

कन्या कालेज में 100 बिस्तर वाले छात्रावास का जल्द शुरू होगा निर्माण

एजेंसी

गुरुग्राम। राजकीय कन्या महाविद्यालय, सेक्टर-14 में सीएसआर के अंतर्गत बनने वाले 100 बिस्तरों वाले छात्रावास एवं शिक्षण खंड का निर्माण कार्य जल्द शुरू किया जाये। इस परियोजना पर लगभग 20 करोड़ रुपये की लागत आएगी। महाविद्यायल में छात्रावास बनने से जहां छात्राओं को रहने की सुविधा मिलेगी। शिक्षण खंड से प्राध्यापकों को लाभ मिलेगा। यह निर्देश जिला उपायुक्त अजय कुमार ने अधिकारियों के साथ बैठक में दिए। उन्होंने अधिकारियो को यह निर्देश दिए कि इन कार्यों की सभी औपचारिकताएं पूरी कर इनका निर्माण कार्य जल्द से जल्द शुरू किया जाये। इसके अलावा, उन्होंने महाविद्यालय की लैब के लिए नई तकनीक के उपकरण भी लगाने की बात कही है। ताकि विधार्थियो को प्रैक्टिकल के समय आने वाली समस्याओ का सामना न करना पड़े, और वे लैब में ठीक प्रकार से परीक्षण

कर सके। बैठक में हरियाणा सीएसआर ट्रस्ट के अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी गौरव सिंह, प्रिंसिपल डॉ. जितेन्द्र मलिक, हिन्दी के प्रोफेसर डॉ. अभिलेष बोकन, जेई विरेन्द्र सिंह, पावर ग्रिड, एचएसआरडीसी तथा एमसीजी के अधिकारी सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

भाजपा की सोच जाति-पाति से ऊपर उठकर क्षेत्र की सेवा करना: डा. अरविंद

एजेंसी

सोनीपत। हरियाणा सरकार निस्वार्थ भाव से जनसेवा को समर्पित होकर सभी वर्गों और समुदायों के साथ समन्वय बनाते हुए कार्य कर रही है। यह बात सहकारिता, कारागार, निर्वाचन, विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने गोहाना में आयोजित एक सम्मान समारोह में कही। वे गोहाना की पुरानी अनाज मंडी स्थित अग्रवाल सत्संग भवन में श्रीराम मंदिर अग्रवाल सत्संग सभा द्वारा आयोजित समारोह में बोल रहे थे। हिसार से विधायक सावित्री जिंदल विशिष्ट अतिथि रहीं। समारोह में अपने संबोधन में डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार सबका साथ, सबका विकास की भावना से काम कर रही है। हमारी सोच जाति-पाति से ऊपर उठकर क्षेत्र

की सेवा करने की है। सरकार की योजनाएं हर वर्ग के पात्र व्यक्ति तक सरलता से पहुंचे, इसके लिए व्यवस्था में पारदर्शितालाई गई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में जनकल्याण की योजनाओं को प्रभावी रूप से लागू किया जा रहा है। सरकार का उद्देश्य विपक्षियों का भी मान रखना है, क्योंकि जनप्रतिनिधि सभी का होता है। डॉ शर्मा ने गोहाना के समग्र विकास और क्षेत्र में नशे के खिलाफ कठोर कदम उठाने की प्रतिबद्धता जताई। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नशा मुक्त हरियाणा के लिए कानूनी व सामाजिक दोनों स्तरों पर सक्रिय हैं और हमें भी इस मुहिम में भागीदार बनना होगा।

गन्ना उत्पादक किसानों के एरियर का जल्द भुगतान करने के मंत्री ने अधिकारियों को दिए निर्देश

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसानों का गन्ना की बिक्री होते ही जल्द भुगतान किया जाए। उन्होंने किसानों के बकाया भुगतान का भी शीघ्र निपटारा करने के निर्देश दिए। राणा चंडीगढ़ में विभाग के अधिकारियों की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के प्रधान सचिव पंकज अग्रवाल, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव डॉ.साकेत कुमार,कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के निदेशक राजनारायण कौशिक, हरियाणा स्टेट फेडरेशन ऑफ़ कोपरेटिव शुगर मिल्स के प्रबंध निदेशक शक्ति सिंह उपस्थित थे। कृषि मंत्री ने अधिकारियों से नारायणगढ़ शुगर मिल से संबंधित गन्ना उत्पादकों के बकाया भुगतान के बारे में चर्चा की और इस दिशा में यथाशीघ्र समाधान करने के

निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मिल में गन्ना-पिराई का कार्य निरंतर चलता रहना चाहिए और किसानों के गन्ने का भुगतान भी साथ -साथ करते रहें। राणा ने बैठक के बाद कहा कि प्रदेश सरकार किसानों के हितों के प्रति संकल्पबद्ध है। सरकार का प्रयास है कि किसानों की खेती की लागत कम हो और उनकी पैदावार लगातार बढ़ती रहे। खेत की मिटटी की सेहत अच्छी रखने के लिए प्रयोगशालाओं में जांच करने के बाद किसानों को फसल की बिजाई की सलाह दी जा रही है।

अच्छी गुणवत्ता के बीज उपलब्ध करवाए जा रहे हैं और रासायनिक खाद पर निर्भरता कम से कम हो, इसके लिए किसानों को जागरूक किया जा रहा है। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री ने यह भी कहा कि राज्य के किसानों को परम्परागत खेती की बजाए आधुनिक अथवा विविधीकरण के प्रति प्रोत्साहित किया जा रहा है। मत्स्य पालन और पशु पालन के क्षेत्र में भी व्यवसाय शुरू करने वाले किसानों को अनुदान दिया जा रहा है। उन्होंने दोहराया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रदेश के किसानों की आमदनी को बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

हरियाणा के पैरा खिलाड़ियों को मिलेंगे 31 करोड़ के नकद पुरस्कार

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम ने कहा कि प्रदेश सरकार खिलाड़ियों को ज्यादा से ज्यादा खेल सुविधाएं व नकद पुरस्कार मुहैय़ा करवाने के लिए लगातार प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि 4 पैरा एशियन गेम्स 2022 में पदक जीतने वाले प्रदेश के खिलाड़ियों ने नकद पुरस्कार की मांग थी। इस मांग को पूरा करते हुए प्रदेश के विभिन्न जिलों के 13 खिलाड़ियों के लिए 19 करोड़, 72 लाख 50 हजार रुपये के और 4 खिलाड़ियों के लिए 12 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं। प्रदेश सरकार की ओर से स्वर्ण पदक विजेता को 3 करोड़, रजत पदक विजेता को 1.50 करोड़ और कांस्य पदक विजेता खिलाड़ी को 75 लाख रुपये का अवार्ड दिया जाता है। खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम ने कहा कि पैरा खिलाड़ी प्रदेश के युवाओं के लिए प्रेरणा हैं। ये खिलाड़ी न सिर्फ देश के लिए पदक जीत रहे हैं, बल्कि अपनी प्रतिभा दिखाकर दमखम की मिशाल भी पेश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं की प्रतिभाओं को निखारने के लिए प्रदेश में 1500 खेल नर्सरियां खोली गई हैं, जिनमें अभ्यास कर खिलाड़ी लगातार पदक जीत रहे हैं। खेल मंत्री ने बताया कि हरियाणा खेल महाकुंभ का 28 से 30 जुलाई, 2025 तक आयोजन होना था। इसी प्रतियोगिता के नजदीक सीईटी व एचटेट की परीक्षा होनी है। इस वजह से अभ्यार्थियों व खिलाडियों को कोई असुविधा न हो, इसलिए उन्होंने खेल अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे खेल महाकुंभ की तिथि में बदला करें। खेल महाकुंभ अगस्त में करवाए जाएंगे और इसकी जल्द ही तिथि तय कर दी जाएगी।

संग्रहालय का 99 फीसद कार्य पूर्ण, आमजन के लिए जल्द शुरू होगा संग्रहालय

एजेंसी

सोनीपत। उपायुक्त सुशील सारवान ने सोनीपत शहर मे स्थित स्वर्णप्रस्थ संग्रहालय को दौरा कर संग्रहालय में चल रहे गैलरियों के ब्यूटीफिकेशन कार्यो का निरीक्षण किया। उपायुक्त ने बताया कि संग्रहालय एक ऐसी संस्था है जो सांस्कृतिक या वैज्ञानिक रूप से महत्वपूर्ण वस्तुओं को प्रदर्शित या संरक्षित करने के लिए समर्पित है। उन्होंने बताया कि सोनीपत में भी एक ऐसा ही संग्रहालय बनाया जा रहा है। जिसका लगभग 99 फीसद कार्य पूर्ण हो चुका है। संग्रहालय का कार्य जल्दी ही पूर्ण हो जाएगे। जिसके उद्घाटन के बाद इसे आम जनता के लिए पूर्ण रूप से शुरू कर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि संग्रहालय में सैकड़ो वर्ष पुरानी वस्तुएं सजाई जा रही है। संग्रहालय में विभिन्न तरह की गैलरियो के ब्यूटीफिकेशन का भी कार्य किया जा रहा है। जिसमें पुलिस गैलरी, सैनिक गैलरी, मुद्रा गैलरी व अन्य विभिन्न तरह की गैलरियां बनाई जा रही जो युवा पीढी के लिए आर्कषण का केंद्र रहेगी। उन्होंने बताया कि स्वर्णप्रस्थ संग्रहालय वास्तव में ही युवा पीढ़ी को प्राचीन

इतिहास जानने के लिए एक महत्वपूर्ण स्थान के रूप में स्थापित हो रहा है। जिससे सोनीपत में पर्यटकों की संख्या मे भी बढ़ोतरी अवश्य होगी। सदस्य सचिव राजेश खत्री ने बताया कि संग्रहालय में 100 वर्ष से लेकर 5 हजार वर्ष पुरानी वुस्तएं मौजूद है। उन्होंने बताया कि संग्रहालय का 99 फीसदी कार्य पूर्ण हो चुका है। केवल सोलर प्लांट व रहट का कार्य शेष है जिसे जल्द ही पूर्ण कर लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि संग्रहालय में सभी ऐतिहासिक वस्तुएं सजाने का कार्य भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के अधिन राष्ट्रीय कला केंद्र आईजीएनसीए मे कला विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अंचल पांडया के नेतृत्व में किया गया है।

न्यायालय के सामने अवैध शराब ठेका सील करने के आदेश

एजेंसी

सोनीपत। सोनीपत के खरखौदा न्यायालय के ठीक सामने स्थित शराब ठेके को लेकर लम्बे समय से स्थानीय लोगों, सामाजिक संगठनों और बार एसोसिएशन द्वारा आपत्ति जताई जा रही थी। ठेका मंदिर, कन्या स्कूल और न्यायालय के निकट संचालित हो रहा था, जिससे महिलाओं और छात्राओं को असुरक्षा का सामना करना पड़ रहा था। मामले में प्रशासनिक अनदेखी के बाद बार एसोसिएशन ने न्यायालय में याचिका दायर की। जज विक्रांत की अदालत में हुई सुनवाई में सभी पक्षों को सुना गया और जांच करवाई गई। जांच में पाया गया कि शराब ठेका नगर पालिका से स्वीकृत नहीं है, न ही इसकी कोई विकास शुल्क जमा की गई है। इसके अतिरिक्त, धार्मिक स्थल, शैक्षणिक संस्था और न्यायालय के इतने समीप शराब ठेका होना कानूनी रूप से पूर्णतः अवैध है। न्यायालय में खुलेआम शराब पीने के वीडियो साक्ष्य भी प्रस्तुत किए गए, जिससे क्षेत्रीय सामाजिक वातावरण पर प्रतिकूल प्रभाव की पुष्टि हुई। इन तथ्यों के आधार पर जज विक्रांत ने शराब ठेके को तत्काल प्रभाव से सील करने के आदेश नगर पालिका को जारी किए और स्पष्ट निर्देश दिए

कि ठेके की सीलिंग की रिपोर्ट न्यायालय में प्रस्तुत की जाए। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की अवैध गतिविधियों को अब और बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सरकारी वकील इंदु कुमारी ने बताया कि एसडीएम द्वारा पहले ही शराब ठेकेदारों को कोर्ट परिसर के सामने ठेका न खोलने की हिदायत दी गई थी। नगर पालिका के अधिवक्ता पवन राणा ने भी स्वीकार किया कि कोई साइट प्लान पास नहीं हुआ और नियमों की पूरी तरह अनदेखी हुई थी। उन्होंने कोर्ट के निर्णय को स्वागत योग्य बताया है।

सारा सौदा खराब, जनस्वास्थ्य विभाग के एक्सइन, एसडीओ व जेई निलंबित

एजेंसी

हिसार। जिले के कस्बा आदमपुर में जनस्वास्थ्य विभाग से जुड़े कार्यों की जांच करने पहुंची विधानसभा की कमेटी ने कड़ा रुख अपनाया है। कमेटी ने विभाग के कार्यकारी अभियंता, एसडीओ और जेई को सस्पेंड कर दिया है। कमेटी ने विभाग से जुड़े कार्यों में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार मानते हुए यह कार्रवाई की। कमेटी के चेयरमैन एवं विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डॉ. कृष्ण मिड्ढा को कमेटी के अन्य सदस्यों के साथ आदमपुर पहुंचे। पहले उन्होंने रेस्ट हाउस में अधिकारियों की बैठक ली और फिर निर्माण कार्यों सहित अन्य परियोजनाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान क्षेत्र के नागरिकों ने हर कार्य में भ्रष्टाचार व अनियमिताओं की शिकायत तो की ही, साथ ही यह भी कहा कि अधिकारी कोई बात सुनना भी पसंद नहीं करते। कार्यों की जांच के दौरान कमेटी के चेयरमैन और डिप्टी स्पीकर डॉ. कृष्ण लाल मिड्ढा भड़क गए और बोले कि ऊपर से नीचे तक सारा सौदा खराब कर रखा है। ऐसा कहते हुए उन्होंने तुरंत तीनों अधिकारियों को सस्पेंड करने के आदेश दे डाले। डिप्टी स्पीकर के सामने ही आदमपुर के कांग्रेस

विधायक चंद्रप्रकाश के साथ आए कांग्रेस नेता भूपेंद्र कासनिया और भाजपा के महामंत्री आशीष कुमार जोशी भिड़ गए। निरीक्षण के दौरान जोशी ने कासनिया को कहा कि आप कौन हो जो बीच में बोल रहे हो? इसके बाद बात बढ़ गई। कृष्ण मिड्ढा ने महामंत्री का बचाव किया तो विधायक चंद्रप्रकाश अपने कार्यकर्ता भूपेंद्र कासनिया के बचाव में आ गए। कृष्ण मिड्ढा ने पुलिस को आदेश दिया इसको यहां से हटाओ। इसके बाद भूपेंद्र कासनिया को धक्के देकर दूर हटा दिया गया। आदमपुर में जनस्वास्थ्य विभाग के कामों में लेट लतीफी और अनियमितताओं को लेकर कई शिकायतें हुईं। विधायक चंद्रप्रकाश बार-बार ये मुद्दा विधानसभा में उठा रहे थे। यहां सबसे बड़ी समस्या जल निकासी न होने की है। हाल ही में हुई बारिश में भाजपा नेता कुलदीप बिश्नोई के अनाज मंडी स्थित आवास के सामने पानी भर गया था।

आपातकाल की लोकतंत्र विरोधी ऐतिहासिक घटनाओं से रूबरू हो रहे नागरिक

एजेंसी

झज्जर। लोकतंत्र और संविधान की महत्ता को उजागर करने और आमजन को आपातकाल की लोकतंत्र विरोधी ऐतिहासिक घटनाओं से अवगत कराने के उद्देश्य से लघु सचिवालय में विशेष जन-जागरूकता प्रदर्शनी का भी काफी संख्या में लोगों ने अवलोकन किया। प्रदर्शनी से आमजन न केवल जागरूक हो रहे हैं, बल्कि उन्हें आपातकाल के काले अध्याय की जानकारी भी मिल रही है। प्रदर्शनी का आयोजन सूचना, जनसंपर्क, भाषा एवं संस्कृति विभाग द्वारा किया गया है। जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी सतीश कुमार ने बताया कि 10 दिवसीय प्रदर्शनी के माध्यम से भारत में प्राचीन काल से चली आ रही लोकतंत्र की जड़ें, लोकतांत्रिक परंपराओं के मूल में बसे जन-केंद्रित दृष्टिकोण और जन-भागीदारी, श्रेणी संघ में लोकतंत्र का तत्व, ग्रामीण और शहरी इलाकों में जमीनी स्तर पर लोकतंत्र, परामर्शी प्रथाओं और सामुदायिक भागीदारी से प्रभावित शासन, स्वतंत्र भारत और संसदीय प्रणाली, आपातकाल से ठीक पहले का समय, आपातकाल की स्थिति, आपातकाल के दौरान भारत के संवैधानिक ढांचे और मूल्यों पर हमला, आपातकाल के दौरान जन आंदोलन, लोकनायक जयप्रकाश नारायण की डायरी, रचनात्मकता पर रोक, फिल्मों पर प्रतिबंध, भूमिगत आंदोलन और प्रतिरोध की आवाजें के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई है ताकि आज का युवा उस समय की परिस्थितियों के बारे में जागरूक हो सके। उन्होंने बताया कि प्रदर्शनी के चौथे दिन आम जनता द्वारा इस प्रदर्शनी का अवलोकन किया गया और इसी के साथ संविधान हत्या दिवस की घोषणा, आपातकाल हटने के बाद लोकतंत्र की रक्षा के लिए संवैधानिक पुनर्जागरण, सुशासन के तहत नई पहल, पहुंच और दक्षता को बढ़ावा देना, परिणामों पर ध्यान और नागरिक केन्द्रित पहले, संविधान और कानूनी अधिकारों की समझ को लोकप्रिय बनाने के लिए सरकार के विभिन्न कदम, चुनावी प्रक्रियाओं में अधिक पारदर्शिता और जवाबदेही, लोकतंत्र का सशक्तिकरण, लोकतंत्र का उत्सव सहित प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का संदेश, भारत लोकतंत्र की जननी की भी जानकारी ली। उन्होंने बताया कि जिला स्तरीय प्रदर्शनी का आयोजन सूचना, जनसम्पर्क, भाषा एवं संस्कृति विभाग के तत्वावधान में प्रदेश के सभी जिलों में शहरी व ग्रामीण क्षेत्र में किया जा रहा है।

ट्रंप ने दिए संकेत अमेरिका को बनाएंगे क्रिप्टो की राजधानी, कई बड़े समझौते भी होंगे

न्यूयॉर्क।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि जल्द ही कुछ बड़े व्यापारिक समझौते हो जाएंगे। उन्होंने संकेत दिया कि ये समझौते तकरीबन तैयार हैं और किसी भी समय घोषित किए जा सकते हैं। व्हाइट हाउस में ट्रंप ने कहा कि हम इसे आज ही कर सकते हैं...शायद थोड़ी देर बाद। हम करेंगे। ट्रंप ने आगे कहा कि जब मैं किसी देश को यह पेपर भेजता हूं कि उन्हें 35 या 40 फीसदी टैरिफ देना होगा, तो वहीं से डील शुरू हो जाती है। फिर वे कॉल करते हैं और कहते हैं कि क्या कुछ अलग तरह की डील हो सकती है, जैसे कि अपने देश को व्यापार के लिए खोलना।

ट्रंप ने कहा कि जीईएनआईयूएस एक्ट एक साफ और सरल नियामकीय ढांचा प्रदान करता है, जो डॉलर समर्थित स्टेबलकॉइनों की जबरदस्त संभावनाओं को सामने लाएगा। यह अधिनियम स्टेबलकॉइन के लिए मानक तय करता है, जो अमेरिकी डॉलर या अन्य फिएट मुद्राओं से जुड़े डिजिटल करेंसी होते हैं। इसकी निगरानी फेडरल रिजर्व और मुद्रा नियंत्रक कार्यालय द्वारा की जाएगी। इसके तहत जारीकर्ताओं को जानकारी साझा करना अनिवार्य होगा कि उनके पास आरक्षित निधियों के रूप में अमेरिकी मुद्रा, मांग जमा, सरकारी प्रतिभूतियां और अन्य स्वीकृत परिसंपत्तियां मौजूद हैं।

ट्रंप ने संकेत दिया कि वह अमेरिका को क्रिप्टो की राजधानी बनाना चाहते हैं। उनके मुताबिक स्टेबलकॉइनों का इस्तेमाल अमेरिकी ट्रेजरी में मांग को बढ़ाएगा, ब्याज दरों को कम करेगा और डॉलर को वैश्विक आरक्षित मुद्रा के रूप में मजबूत बनाएगा।

ट्रंप ने हाल ही में एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए थे, जिसके तहत अमेरिका द्वारा लगाए टैरिफ की 90 दिनों की स्थगन अवधि को 9 जुलाई से बढ़ाकर 1 अगस्त तक कर दी गई है। इस दौरान कई प्रमुख व्यापारिक साझेदारों के साथ वार्ता जारी है। ट्रंप ने साफ कहा कि 1 अगस्त की समय-सीमा के बाद कोई और बदलाव या विस्तार नहीं होगा और उस दिन से टैरिफ लागू होना शुरू हो जाएगा।

इस अवसर पर ट्रंप ने एक ऐतिहासिक स्टेबलकॉइन अधिनियम पर भी हस्ताक्षर किए, जो इस क्षेत्र में अमेरिका का पहला संघीय विनियमन है।

ईयू के नए तेल प्रतिबंध से रिलायंस और नायरा पर पड़ेगा असर

- ईयू ने रूसी कच्चे तेल की कीमत घटाकर 47.6 डॉलर प्रति बैरल की

नई दिल्ली ।

यूरोपीय संघ (ईयू) ने रूस पर अपने 18वें प्रतिबंध पैकेज के तहत कड़े कदम उठाए हैं, जिनका सीधा असर भारत की दो प्रमुख तेल कंपनियों–रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड और नायरा एनर्जी पर पड़ सकता है। ईयू ने रूसी कच्चे तेल की कीमत सीमा को घटाकर 47.6 डॉलर प्रति बैरल कर दिया है, जो 3 सितंबर 2025 से लागू होगी। इसके अलावा रूसी संबंधों वाली कंपनियों और तेल परिवहन सेवाओं पर भी प्रतिबंध लगाए गए हैं। नायरा एनर्जी, जिसमें रूसी कंपनी रोजनेट की 49 फीसदी हिस्सेदारी है, अब यूरोप को ईंधन निर्यात नहीं कर सकेगी। साथ ही उसे यूरोपीय बैंकिंग और तकनीकी सेवाओं से भी वंचित किया जा सकता है। वहीं रिलायंस इंडस्ट्रीज जो रूस से सस्ता कच्चा तेल खरीदकर यूरोप में डीजल निर्यात करती है, उसे अब या तो रूस से तेल खरीदना बंद करना होगा या यूरोपीय बाजार से हाथ धोना पड़ेगा। भारत सरकार ने ईयू के इस कदम का विरोध करते हुए कहा कि वह ऐसे किसी एकतरफा प्रतिबंध को मान्यता नहीं देती। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने स्पष्ट किया कि भारत की ऊर्जा सुरक्षा सर्वोपरि है और वैश्विक नियमों में दोहरे मापदंड नहीं होने चाहिए। विशेषज्ञों का मानना है कि इन प्रतिबंधों को लागू करना ईयू के लिए भी आसान नहीं होगा, क्योंकि अधिकतर तेल व्यापार अमेरिकी डॉलर में होता है और भारतीय कंपनियां अक्सर बिचौलियों के जरिए लेनदेन करती हैं। ऐसे में यह प्रतिबंध भारतीय कंपनियों के लिए चुनौती जरूर हैं, लेकिन पूर्ण रूप से प्रभावी होंगे, यह कहना जल्दबाज़ी होगा।

दुर्लभ मैग्नेट की पाबंदियों में भारत को ढील दे सकता है चीन

- चीन ने हाल में आरईएम)के निर्यात पर लाइसेंसिंग मानदंडों को लागू किया

नई दिल्ली ।

चीन सरकार के अधिकारियों ने भारत को सूचना दी है कि दुर्लभ खनिज कच्चे माल की आपूर्ति चाहने वाले भारतीय आयातकों से हो सिल हुए आवेदनों को निपटाया जा रहा है। चीन ने हाल में दुर्लभ खनिज मैग्नेट (आरईएम) के निर्यात पर लाइसेंसिंग मानदंडों को लागू किया है। दुर्लभ मैग्नेट 4 अप्रैल से चीन द्वारा लगाए गए निर्यात प्रतिबंध के दायरे में है। यह वाहन एवं वाहन कलपुर्जा उद्योग के अलावा इलेक्ट्रॉनिक्स, चिकित्सा और यहां तक कि रक्षा जैसे उद्योगों के लिए भी महत्त्वपूर्ण है। अमेरिका द्वारा चीन के उत्पादों पर बढ़ाए गए शुल्क के जवाब में यह प्रतिबंध लगाया गया था। पिछले महीने भारतीय वाहन उद्योग ने दुर्लभ मैग्नेट की आपूर्ति के बारे में चिंता जताई थी। उद्योग ने चीन द्वारा लगाई गई निर्यात पाबंदियों पर सरकार के समक्ष अपनी बातें रखी थीं। उन्होंने कहा था कि चीन के वाणिज्य मंत्रालय से इन दुर्लभ खनिज कच्चे माल के आयात की मंजूरी मिलने में देरी के कारण इलेक्ट्रिक वाहनों सहित भारतीय वाहन विनिर्माताओं का उत्पादन प्रभावित हो रहा है। सरकारी अधिकारियों के अनुसार, आवेदनों को निपटाने में देरी हुई है क्योंकि चीन के पास निर्यात मंजूरी के लिए आवेदनों की अचानक बाढ़ सी आ गई है। एक अधिकारी ने कहा कि चीन ने लाइसेंस हासिल करने की प्रक्रिया को काफी लंबा और जटिल बना दिया है। आवेदनों की अचानक आई बाढ़ को संभालने के लिए फिलहाल वे पूरी तरह समर्थ नहीं हैं। मगर हमें सूचित किया गया है कि उन्होंने आवेदनों को निपटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसलिए हमारा मानना है कि अब यह मामला कुछ समय में ही हल हो जाएगा।

भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों की नई चुनौती- टेस्ला बनाम बीवायडी

- दोनों कंपनियों के बीच होगी कड़ी टक्कर

नई दिल्ली ।

दुनिया भर में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की होड़ तेज होती जा रही है और अब इस प्रतिस्पर्धा का अगला बड़ा मैदान भारत बनने जा रहा है।

अमेरिका के अरबपति एलन मस्क की कंपनी टेस्ला ने भारत में अपनी एंट्री कर दी है, वहीं चीन की प्रमुख ईवी निर्माता कंपनी बीवायडी भी भारतीय बाजार में कदम रख चुकी है। दोनों कंपनियों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिलने वाली है। बीवायडी ने पिछले महीने भारत में 500 इलेक्ट्रिक कारें बेचीं।

हालांकि यह संख्या कंपनी की वैश्विक बिक्री के मुकाबले बहुत कम है, लेकिन बीवायडी की तकनीक दुनियाभर में तेजी से उन्नत हो रही है। चीन में बीवायडी के नवीनतम मॉडल सिर्फ पांच मिनट के चार्ज में 500 किलोमीटर से अधिक की रेंज प्रदान करते हैं, जो भारतीय ईवी मॉडल्स की तुलना में लगभग 50 गुना तेज है। बीवायडी की स्थापना 1995 में हुई थी।

कंपनी ने 2009 में अपना पहला इलेक्ट्रिक वाहन लॉन्च किया था। कंपनी में 2008 में वॉरेन बफेट की बर्कशायर हैथवे ने 23 करोड़ डॉलर का निवेश किया, जो अब कई गुना बढ़ चुका है। भारत में बीवायडी ने 2022 में अटटो 3 एसयूवी लॉन्च की है, जिसे चेन्नई में असेंबल किया जाता है, लेकिन अभी इसकी बाजार हिस्सेदारी केवल 4 फीसदी से कम है। वहीं टेस्ला, अगस्त 2025 से भारत में अपनी आधिकारिक शुरुआत कर रही है और हर महीने 5 लाख कारें बनाने की योजना बना रही है। भारत में बढ़ते ईवी रुझान को देखते हुए यह कदम बेहद महत्वाकांक्षी माना जा रहा है।

अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता में भारत को सतर्क रहने की जरूरतः रघुराम राजन

- कृषि और डेयरी क्षेत्र को लेकर सतर्क रहने की दी गई सलाह

नई दिल्ली ।

वाशिंगटन में इस सप्ताह भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) को लेकर पांचवें दौर की बातचीत हुई। भारत ने अमेरिका से अप्रैल में घोषित 26 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क, इस्पात और एल्युमीनियम पर 50 प्रतिशत शुल्क तथा वाहनों पर 25 प्रतिशत शुल्क हटाने की मांग दोहराई है। वार्ता के बीच पूर्व आरबीआई गवर्नर रघुराम राजन ने भारत को कृषि और डेयरी क्षेत्र को लेकर सतर्क रहने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि विकसित देश अपने कृषि उत्पादकों को भारी सब्सिडी देते हैं, जबकि भारत के किसान छोटे और सीमित संसाधनों वाले हैं। ऐसे में यदि आयात पर अधिक रियायतें दी गईं तो इससे देश के किसानों को नुकसान हो सकता है। राजन ने कहा कि भारत को चाहिए कि वह डेयरी जैसे क्षेत्रों में विदेशी निवेश को प्रोत्साहित कर मूल्यवर्धन की दिशा में काम करे, न कि विदेशी दुग्ध उत्पादों के आयात के लिए बाज़ार खोले।

उन्होंने यह भी जोड़ा कि व्यापार समझौते करते समय भारत को संतुलित और रणनीतिक रुख अपनाना चाहिए। वैश्विक व्यापार अनिश्चितताओं के बावजूद भारत की आर्थिक वृद्धि दर 6-7 प्रतिशत के आसपास बनी हुई है, हालांकि आगे इसमें थोड़ी गिरावट संभव है। साथ ही यदि अमेरिका चीन और अन्य देशों पर उच्च शुल्क बनाए रखता है, तो इससे भारत के लिए नए व्यापार और विनिर्माण अवसर खुल सकते हैं।

भारत अब तक किसी भी व्यापार समझौते में कृषि और डेयरी पर शुल्क रियायत नहीं देता रहा है, और इस रुख को फिलहाल बरकरार रखा गया है।

आयकर विभाग ने फर्जी रिफंड ईमेल के प्रति जारी की चेतावनी

- बैंक विवरण न भेजने की दी गई सलाह

नई दिल्ली ।

आयकर विभाग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक अहम सूचना जारी करते हुए करदाताओं को फर्जी ईमेल से सतर्क रहने की चेतावनी दी है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि वह कभी भी ईमेल के माध्यम से करदाताओं से बैंक विवरण या अन्य व्यक्तिगत जानकारी मांगता नहीं है। ऐसे फर्जी ईमेल आयकर रिफंड की स्थिति की जांच के नाम पर भेजे जा रहे हैं, जिनमें तत्काल मैन्युअल पुष्टि करने की मांग की जाती है। आयकर विभाग ने इसे पूरी तरह से धोखाधड़ी बताया है। आयकर विभाग ने करदाताओं से आग्रह किया है कि वे अपने कर रिफंड की स्थिति केवल आधिकारिक वेबसाइटपर ही जांचें। किसी भी संदिग्ध ईमेल में दिए गए लिंक पर क्लिक न करें और ऐसी किसी भी जानकारी को साझा करने से बचें। विभाग का कहना है कि फर्जी ईमेल आमतौर पर लोगों को लुभाने के लिए झूठी आश्वासन और आपातकालीन कार्रवाई की मांग करते हैं, जिससे वे उनके बैंक या अन्य संवेदनशील विवरण चुरा सकते हैं।

भारत का चाय निर्यात पिछले वित्त वर्ष में 2.85 प्रतिशत बढ़ा

कोलकाता। पिछले वित्त वर्ष (2024-25) में भारत का चाय निर्यात सालाना आधार पर 2.85 प्रतिशत बढ़कर 25.79 करोड़ किलोग्राम रहा है। आधिकारिक आंकड़ों में इसकी जानकारी दी गई। वित्त वर्ष 2023-24 में देश का चाय निर्यात 25.07 करोड़ किलोग्राम रहा था। चाय बोर्ड के हालिया आंकड़ों के मुताबिक, वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान उत्तर भारत से निर्यात की मात्रा 16.12 करोड़ किलोग्राम तक पहुंच गई, जो वित्त वर्ष 2023-24 के 14.90 करोड़ किलोग्राम से 8.15 प्रतिशत की वृद्धि है। वहीं आंकड़ों के अनुसार, दक्षिण भारत से निर्यात 2024-25 में 4.92 प्रतिशत घटकर 9.67 करोड़ किलोग्राम रह गया, जो उससे पिछले वित्त वर्ष में 10.17 करोड़ किलोग्राम था। प्रति किलोग्राम चाय निर्यात का मूल्य बढ़कर 290.97 रुपए हो गया, जो वित्त वर्ष 2023-24 के 258.30 रुपए से 12.65 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। कैलेंडर वर्ष 2024 में चाय निर्यात 25.62 करोड़ किलोग्राम तक पहुंच गया, जो 2023 की तुलना में 10.57 प्रतिशत की वृद्धि है। बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार, कैलेंडर वर्ष 2024 के दौरान उत्तर भारत से निर्यात 15.55 करोड़ किलोग्राम रहा, जबकि दक्षिण भारत से यह 10.07 करोड़ किलोग्राम रहा, जो क्रमशः 10.28 प्रतिशत और 11.02 प्रतिशत की वृद्धि है।

अब 9 कैरेट सोने पर भी अनिवार्य होगी हॉलमार्किंग

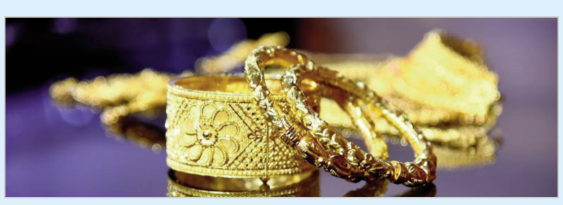

नई दिल्ली । भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने सोने की शुद्धता और पारदर्शिता को सुनिश्चित करने के लिए एक अहम कदम उठाया है। अब 9 कैरेट (9के) यानी 375 पार्ट्स पर थाउज़ेंड (पीपीटी) शुद्धता वाले सोने की ज्वेलरी पर भी हॉलमार्किंग अनिवार्य कर दी गई है। पहले यह नियम केवल 14के, 18के, 20के, 22के, 23के और 24के सोने पर लागू था। बीआईएस के इस फैसले के बाद अब ज्वैलर्स 9 कैरेट सोने की ज्वेलरी बिना हॉलमार्क के नहीं बेच सकेंगे। यह नियम ग्राहकों को धोखाधड़ी से बचाने और उन्हें असली सोने की पहचान करने में मदद करेगा। हॉलमार्क एक आधिकारिक प्रमाण होता है जो बताता है कि ज्वेलरी में कितनी मात्रा में शुद्ध सोना है। ऑल इंडिया जेम एंड ज्वैलरी डोमेस्टिक काउंसिल के अनुसार, सभी हॉलमार्किंग सेंटरों और ज्वैलर्स को इस नियम का पालन करना अनिवार्य होगा। इससे सस्ते गहनों में भी ग्राहक को सही जानकारी मिल सकेगी। वहीं बीआईएस ने कुछ उत्पादों को छूट भी दी है। सोने की घड़ियों और पेन को अब हॉलमार्किंग से बाहर कर दिया गया है। इन्हें अब कलाकृति की श्रेणी में नहीं माना जाएगा। इसके अलावा, सोने के सिक्कों के लिए भी नया मानक तय किया गया है। अब केवल 24केएफ या 24केएस शीट से बने सिक्के ही शुद्ध माने जाएंगे। ये केवल अधिकृत रिफाइनरी या सरकारी टकसाल द्वारा बनाए जा सकते हैं और इनकी कोई कानूनी मुद्रा वैल्यू नहीं होगी।

शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव के बीच गिरावट का रुख रहा

- सेंसेक्स 501 अंक लुढ़क कर 81,757.73 पर बंद

- निफ्टी 166 अंकों गिरकर 24,945.45 पर बंद

मुंबई ।

बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव का रुख देखने को मिला, लेकिन कुल मिलाकर बाजार गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह की शुरुआत सोमवार को आईटी शेयरों में बिकवाली और विदेशी निवेशकों की निकासी के चलते सेंसेक्स और निफ्टी में कमजोरी के साथ हुई। सेंसेक्स 247 अंक गिरकर 82,253.46 पर और निफ्टी 67.55 अंक गिरकर 25,082.30 पर बंद हुआ। मंगलवार को बाजार ने थोड़ी राहत दी और दोनों सूचकांक बढ़त के साथ बंद हुए। सेंसेक्स में 317 अंक की तेजी रही जबकि निफ्टी 113 अंकों की मजबूती के साथ 25,195.80 पर पहुंचा। हालांकि यह तेजी टिक नहीं सकी और बुधवार से फिर गिरावट का दौर शुरू हो गया। सेंसेक्स और निफ्टी दोनों में हल्की गिरावट दर्ज की गई। गुरुवार को बाजार ने और ज्यादा दबाव महसूस किया। सेंसेक्स 375 अंक गिरकर 82,259.24 पर बंद हुआ जबकि निफ्टी भी 100 अंक टूटकर 25,111.45 पर आ गया। सप्ताह के आखिरी दिन शुक्रवार को बिकवाली और बढ़ गई। सेंसेक्स 501 अंक लुढ़क कर

81,757.73 पर बंद हुआ और निफ्टी 166 अंकों की गिरावट के साथ 24,945.45 पर बंद हुआ। सप्ताहभर की बात करें तो सेंसेक्स में लगभग 510 अंकों की गिरावट आई जबकि निफ्टी ने करीब 133 अंक गंवाए। बाजार में इस कमजोरी की प्रमुख वजह विदेशी निवेशकों की सतत बिकवाली, आईटी सेक्टर में दबाव और वैश्विक संकेतों की अनिश्चितता रही। निवेशकों के लिए फिलहाल सतर्क रहने की सलाह दी जाती है, विशेषकर वैश्विक आर्थिक संकेतकों और कंपनियों के तिमाही नतीजों पर नज़र रखते हुए।

म्यूचुअल फंड उद्योग में दस साल में छह गुना वृद्धि

- छोटे फंड हाउसों ने मारी बाजी

नई दिल्ली। पिछले एक दशक में भारत का म्यूचुअल फंड उद्योग तेज़ी से बढ़ा है। 2015 में जहां 41 फंड हाउसों का कुल एयूएम (एसेट अंडर मैनेजमेंट) 12.29 लाख करोड़ था, वह अब बढ़कर लगभग 75 लाख करोड़ हो गया है। यह छह गुना वृद्धि देश के छोटे शहरों और खुदरा निवेशकों तक म्यूचुअल फंड की पहुंच का प्रमाण है। हालांकि इस दौरान दाइवा, एलएंडटी, जेपी मॉर्गन और आईडीएफसी जैसे कई फंड हाउसों ने कारोबार बेचकर बाजार से बाहर भी कदम खींचा। वर्तमान में 47 फंड हाउस सक्रिय हैं, जिनमें 19 के पास एक लाख करोड़ रुपये से अधिक का एयूएम है। सबसे कम वृद्धि निप्पॉन, फ्रैंकलिन, यूटीआई और आदित्य बिड़ला म्यूचुअल फंड में देखने को मिली। उदाहरण के लिए, निप्पॉन का एयूएम चार गुना बढ़कर 6.12 लाख करोड़ हुआ, जबकि फ्रैंकलिन का एयूएम केवल 1.5 गुना बढ़कर 1.14 लाख करोड़ तक पहुंचा। इसके विपरीत छोटे फंड हाउसों ने जबरदस्त प्रदर्शन किया। एडलवाइस ने 128 गुना वृद्धि के साथ 1.48 लाख करोड़ का एयूएम हासिल किया। मिरै (99 गुना), मोतीलाल ओसवाल (38 गुना), एचएसबीसी (17 गुना) और पीपीएफएएस (19 गुना) ने भी बेहतरीन प्रदर्शन किया। खुदरा निवेशकों की भागीदारी बढ़ने से डीमैट खाते 2019 के 3.6 करोड़ से बढ़कर 2025 में 19.4 करोड़ हो गए हैं। सेबी के अनुसार, घरेलू संस्थागत निवेशकों का स्वामित्व 13 से बढ़कर 20 फीसदी हो गया है, जबकि विदेशी निवेशक 22 से घटकर 17 फीसदी पर आ गए हैं। इससे बाजार की आत्मनिर्भरता और गहराई में इजाफा हुआ है।

पावर मार्केट सुधारों के अगले चरण का प्रतीक है इलेक्ट्रिसिटी डेरिवेटिव्स

-बिजली क्षेत्र में पार्टिसिपेंट्स के लिए हेजिंग और प्राइस विजिबिलिटी लाना जरुरी

मुंबई।

सेबी अध्यक्ष तुहिनकांत पांडे ने कहा कि इलेक्ट्रिसिटी डेरिवेटिव्स पार्टिसिपेंट्स को मूल्य अनिश्चितता का प्रबंधन कर, राजस्व जोखिमों को कम कर और बिजली क्षेत्र में निवेश आकर्षित कर ज्यादा प्रभावी ढंग से योजना बनाने में मदद करेंगे। एनएसई ने कमोडिटी डेरिवेटिव्स सेगमेंट के तहत मंथली इलेक्ट्रिसिटी फ्यूचर्स कॉन्ट्रैक्ट और नए स्पॉट मार्केट डैशबोर्ड के औपचारिक शुभारंभ के अवसर पर एक समारोह का आयोजन किया। इस प्रोडक्ट का उद्देश्य भारत के बढ़ते बिजली क्षेत्र में पार्टिसिपेंट्स के लिए अत्यंत जरुरी हेजिंग और प्राइस विजिबिलिटी लाना है।

पांडे ने कहा कि ये भारत के पावर मार्केट सुधारों के अगले चरण का प्रतीक है। एक विश्वसनीय, सस्टेनेबल और निवेशक-अनुकूल बिजली क्षेत्र के लिए गहन और लिक्विड इलेक्ट्रिसिटी डेरिवेटिव्स मार्केट जरुरी होगा। एनएसई के एमडी और सीईओ ने कहा कि यह लॉन्च भारत के बिजली बाजार में एक अहम मोड़ है। उन्होंने कहा कि यह हमारे वित्तीय बाजारों को अंतरराष्ट्रीय सर्वोत्तम प्रथाओं के अनुरूप बनाता है और साथ ही हमारे घरेलू बिजली क्षेत्र की विशिष्ट जरुरतों को भी पूरा करता है।

सेबी, सीईआरसी और कई बाजार सहभागियों की मदद से यह प्रोडक्ट भारत के ऊर्जा उपभोक्ताओं और आपूर्तिकर्ताओं के लिए एक जोखिम प्रबंधन उपकरण के रूप में काम करेगा। इसके अलावा उन्होंने कहा कि एनएसई में इसके शुभारंभ के शुरुआती सप्ताह में ही इस उत्पाद में अच्छी भागीदारी नजर आई। 17 जुलाई तक तीन कॉन्ट्रैक्ट महीनों अगस्त, सितंबर और अक्टूबर में 14 जुलाई से कुल मिलाकर 20,822 लॉट का कारोबार हुआ, जिसमें कुल कारोबार मूल्य 450 करोड़ रुपए को पार कर गया।

अगस्त महीने के कॉन्ट्रैक्ट के लिए 17 जुलाई तक, 20,421 लॉट का कारोबार हुआ, जिनकी कीमतें 4,356 रुपए एमडब्ल्यूएच से लेकर 4,364 रुपए एमडब्ल्यूएच तक थीं।

रिलायंस इंडस्ट्रीज को पहली तिमाही में 26,994 करोड़ का मुनाफा

- पिछले साल इसी तिमाही में मुनाफा 15,138 करोड़ था

नई दिल्ली । रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) ने वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में शानदार नतीजे दर्ज किए हैं। कंपनी का शुद्ध मुनाफा साल-दर-साल 78.3त्न बढ़कर 26,994 करोड़ पहुंच गया, जो पिछली तिमाही में 19,407 करोड़ और पिछले साल इसी तिमाही में 15,138 करोड़ था। मुनाफे में उछाल का मुख्य कारण एशियन पेंट्स में 4.9 फीसदी हिस्सेदारी की बिक्री रही, जिससे कंपनी को एकमुश्त 8,924 करोड़ रुपए की कमाई हुई। हालांकि, कंपनी की कुल संचयी शुद्ध आय में सिर्फ 5.1 फीसदी की वृद्धि हुई है, जो बाजार की अपेक्षाओं से कम रही। पिछली तिमाही की तुलना में कंपनी की आय में 6.8 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। पहली तिमाही में रिलायंस की परिचालन आय 2.48 लाख करोड़ रही, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के 2.36 लाख करोड़ के मुकाबले 5.26 फीसदी अधिक है। तेल से रसायन और तेल एवं गैस कारोबार में उत्पादन में गिरावट और कच्चे तेल की कीमतों में कमी के कारण इस सेगमेंट की आय में 1.5 फीसदी की गिरावट आई। कंपनी की दूरसंचार इकाई जियो प्लेटफॉर्म्स और खुदरा व्यवसाय रिलायंस रिटेल ने इस तिमाही में मजबूत प्रदर्शन किया। जियो-बीपी के माध्यम से परिवहन ईंधन के विस्तार से भी कंपनी को लाभ मिला।

नीति आयोग ने चीनी कंपनियों के निवेश नियमों में ढील देने का प्रस्ताव रखा

नई दिल्ली । भारत सरकार के नीति आयोग ने चीनी कंपनियों के निवेश नियमों में ढील देने का प्रस्ताव रखा है। इसके तहत चीनी कंपनियां किसी भारतीय कंपनी में 24 फीसदी तक की हिस्सेदारी बिना सुरक्षा मंजूरी के ले सकेंगी। यह प्रस्ताव 2020 में सीमा विवाद के बाद लागू किए गए कड़े नियमों में बदलाव का हिस्सा है। वर्तमान में चीनी निवेश के लिए गृह और विदेश मंत्रालय की मंजूरी अनिवार्य होती है, जिससे बड़े सौदों में देरी होती है। नीति आयोग का मानना है कि नियमों में ढील से प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई)बढ़ेगा। हालांकि, यह प्रस्ताव अभी मंत्रालयों और प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा विचाराधीन है और इसे राजनीतिक स्तर पर अंतिम मंजूरी मिलनी बाकी है। 2023 में चीन की बीवाईडी की इलेक्ट्रिक कार में निवेश योजना इसी नियम के कारण टल गई थी।

क्या बिहार में सुशासन अब जंगलराज में बदल रहा है?

ललित गर्ग

बिहार में कानून और व्यवस्था की स्थिति को लेकर राजनीतिक घमासान चरम पर है। विपक्ष, खासकर राष्ट्रीय जनता दल और कांग्रेस, जहां नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार पर लगातार हमलावर है, वही एनडीए इन मुद्दों पर जबावी एवं रक्षात्मक हमला करते हुए चुनाव पर इनके असर को बेअसर करने में जुटी है।

बिहार में एक बार फिर कानून-व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। बेखौफ अपराधियों का आतंक, दिन-दहाड़े हत्याएं, लूट, अपहरण और महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराध यह संकेत दे रहे हैं कि 'सुशासन बाबू' के नाम से मशहूर नीतीश कुमार का प्रशासन कहीं अपने वादों और आदर्शों से भटकता नजर आ रहा है। आगामी विधानसभा चुनाव की दस्तक के बीच आमजन में यह सवाल तेजी से उभर रहा है कि क्या बिहार में सुशासन अब फिर से जंगलराज में तब्दील हो रहा है? क्योंकि व्यापारियों, राजनेताओं, वकीलों, शिक्षकों और आम नागरिकों को निशाना बनाकर की गई लगातार हत्याओं ने बिहार की कानून-व्यवस्था को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा कर दी हैं। पुलिस इन घटना के लिए अवैध हथियारों और गोला-बारूद की व्यापक उपलब्धता को जिम्मेदार ठहरा रही है, पुलिस के उच्च अधिकारियों के कुछ बेतूके बयान हास्यास्पद एवं शर्मनाक होने के साथ चिन्ताजनक है। उनके हिसाब से जून में ज्यादा वारदात होती हैं, क्योंकि मॉनसून आने के पहले तक किसान खाली बैठे होते हैं। राज्य की राजधानी पटना के एक प्राइवेट हॉस्पिटल में दिनदहाड़े 5 शूटर्स ने जिस तरह एक गैंगस्टर की हत्या की, उससे यही लगता है कि कानून-व्यवस्था का डर खत्म हो चुका है। पिछले 10 दिनों में एक के बाद एक कई आपराधिक घटनाओं में व्यापारी गोपाल खेमका, भाजपा नेता सुरेंद्र कुमार, एक 60 वर्षीय महिला, एक दुकानदार, एक वकील और एक शिक्षक सहित कई हत्याओं ने चुनावी राज्य को हिलाकर रख दिया है।

बिहार में कानून और व्यवस्था की स्थिति को लेकर राजनीतिक घमासान चरम पर है। विपक्ष, खासकर राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और कांग्रेस, जहां नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार पर लगातार हमलावर है, वही एनडीए इन मुद्दों पर जबावी एवं रक्षात्मक हमला करते हुए चुनाव पर इनके असर को बेअसर करने में जुटी है। लालू यादव के शासनकाल के 'जंगलराज' की भी याद दिलाने की कोशिश एनडीए की पार्टियां कर रही है ताकि विपक्ष इन मामलों पर ज्यादा हावी ना हो। भाजपा के प्रवक्ता शाहनवाज हुसैन का कहना है कि बिहार की जनता लालू राज में जो जंगलराज था, उसे भूली नहीं हैं। विपक्ष चाहे जो भी आरोप लगाए बिहार में आज सुशासन का राज है और जो घटनाएं हुई हैं वह योजनागत अपराध के तहत है, जिस पर सरकार कड़ी करवाई कर रही है।' हॉस्पिटल में जिसकी हत्या हुई, वह खुद हत्या के मामले में जेल में बंद था और फिलहाल पैरोल पर बाहर आया था। शुरूआती रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस वारदात में विरोधी गैंग शामिल हो सकता है। इसका मतलब कि राज्य में संगठित अपराध फिर सिर उठा रहा है। इसी महीने, 4 जुलाई को बिहार के बड़े व्यवसायी गोपाल खेमका की हत्या हुई थी और उसमें भी भाड़े के शूटर्स का इस्तेमाल किया गया था। ऐसी हत्याएं बार-बार हो रही हैं, यह सिलसिला कहीं रुकता नहीं दिख रहा।

पक्ष एवं विपक्ष के राजनीतिक दल एवं नेता चाहे जो बयान दें, लेकिन बिहार में अपराध तो बढ़ ही रहे हैं, आमजनता में भय एवं असुरक्षा व्याप्त है।। हाल ही में राजधानी पटना, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, और गया जैसे प्रमुख शहरों में हुईं हत्या और डकैती की घटनाएं न केवल भयावह हैं, बल्कि यह भी दिखाती हैं कि अपराधी अब पुलिस और प्रशासन से नहीं डरते और पुलिस का अपराधियों पर नियंत्रण खत्म होता जा रहा है। सड़क पर चल रहे आम लोगों को दिनदहाड़े गोली मार दी जाती है, व्यापारियों से रंगदारी मांगी जाती है, महिलाओं के साथ दुष्कर्म की घटनाएं बढ़ रही हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़े बताते हैं कि बिहार भले अपराध में कई दूसरे राज्यों से पीछे दिखता हो, लेकिन सच यही है कि आंकड़े पूरी कहानी नहीं बताते। राज्य में ये अपराध तब हो रहे हैं, जब पूरा फोकस क्राइम कंट्रोल पर है। बिहार में पिछले तीन वर्षों में अपराध दर में निरंतर वृद्धि हुई है। हत्या, बलात्कार, अपहरण, और लूट जैसे संगीन अपराधों में राज्य शीर्ष स्थानों में शामिल हो गया है। यह स्थिति न केवल चिंताजनक है, बल्कि चुनावी राजनीति में एक बड़ा मुद्दा बनकर उभर रही है।

एक समय था जब नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार ने कानून-व्यवस्था के मोर्चे पर उल्लेखनीय सुधार किए थे। लालू-राबड़ी शासन के समय जिसे जंगलराज कहा जाता था, उसके मुकाबले एक उम्मीद जगी थी कि बिहार अब विकास, सुरक्षा और शांति की राह पर है। लेकिन वर्तमान परिदृश्य में जनता फिर से असुरक्षा, भय और अराजकता के वातावरण में जीने को मजबूर है। इन स्थितियों में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि जब सरकार के पास प्रशासनिक अनुभव है, गठबंधन के रूप में राजनीतिक ताकत है, तो फिर अपराधियों पर लगाम क्यों नहीं लग पा रही है? बिहार में कानून एवं व्यवस्था के मुद्दे के साथ हमेशा राजनीति का पहलू जुड़ा रहा है। राज्य के लोगों के जहन में कई बुरी यादें हैं और राजनीतिक बाजीगरी में यह कोशिश होती है कि वे यादें कभी कमजोर न पड़ें। अभी तक इसका फायदा सीएम नीतीश कुमार को मिला है। नीतीश और भाजपा ने लालू-राबड़ी यादव के कार्यकाल को हमेशा 'जंगलराज' के तौर पर पेश किया। लेकिन, अब वही सवाल पलट कर उनकी ओर आ रहे हैं, जो आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर चिन्ता एवं चेतावनी का सबब बनना ही चाहिए। बिहार की राजनीति में जातिगत समीकरण और गठबंधनों की जोड़तोड़ हमेशा से हावी रही है। लेकिन अब जो नया परिदृश्य बन रहा है, उसमें अपराध और अपराधियों को राजनीतिक संरक्षण मिलने के आरोप भी आम हो गए हैं। हाल ही में कई मामलों में नेताओं और जनप्रतिनिधियों के आपराधिक तत्वों से संबंध उजागर हुए हैं। यह स्थिति न केवल लोकतंत्र के लिए खतरा है, बल्कि जनविश्वास की भी अवहेलना है। यदि अपराधियों को राजनीतिक संरक्षण मिलेगा, तो फिर आम जनता के लिए न्याय और सुरक्षा केवल एक सपना बनकर रह जाएगा। हाल के अपराधों की घटनाओं ने विपक्ष को सरकार की नाकामी उजागर करने का मौका दिया है, जबकि भाजपा और जदयू रक्षात्मक रुख अपना रहे हैं और इन घटनाओं को योजनागत घटनाओं का नाम देकर राजद सरकार के समय की आपराधिक घटनाओं के साथ तुलना कर रहे हैं। मगर सूत्रों की माने तो पार्टी इस बात को लेकर तैयारी जरूर कर रही कि, यदि यह मुद्दा संसद के आगामी सत्र में विपक्ष उठाती है तो उस पर कैसे जवाब देना है? जिस बिहार के पूर्ववर्ती सरकारों के कानून एवं व्यवस्था की खराब स्थिति को मुख्य मुद्दा बनाकर एनडीए सरकार सत्ता में आई थी अब यही मुद्दा विपक्ष के हाथ लग गया है। बिहार की जनता बदलाव चाहती है। उन्हें शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सुरक्षा जैसे बुनियादी मुद्दों पर ठोस कदम चाहिए, न कि केवल वादों की झड़ी। विपक्ष इस समय सरकार को घेरने के लिए पूरी तैयारी में है और ह्यबदहाल कानून-व्यवस्थाह्ण को मुख्य चुनावी मुद्दा बना रहा है।

आरजेडी-कांग्रेस भाजपा और नीतीश सरकार पर हमला बोल रहे हैं कि जिनके शासन में कभी सुशासन की मिसाल दी जाती थी, अब वही शासन अपराधियों के आगे बेबस नजर आ रहा है। बिहार के लिए यह समय आत्मचिंतन का है। सरकार को चाहिए कि वह पुलिस-प्रशासन को स्वतंत्र रूप से कार्य करने दे, अपराधियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करे और राजनीतिक हस्तक्षेप को समाप्त करे। साथ ही न्यायिक प्रक्रिया को तेज किया जाए ताकि अपराधियों को जल्द सजा मिले। बिहार इस समय एक निर्णायक मोड़ पर है। अन्यथा एक ओर पुराना भयावह जंगलराज लौटने की आशंका है, दूसरी ओर एक सक्षम, उत्तरदायी और पारदर्शी प्रशासन की आवश्यकता। यदि वर्तमान सरकार इस संदेश को नहीं समझती, तो आगामी विधानसभा चुनाव बिहार की राजनीति का नया अध्याय लिख सकते हैं, जिसमें सुशासन नहीं, जनाक्रोश निर्णायक भूमिका निभाएगा। जनता के लिए भी यह चुनाव एक अवसर है कि वे विकास, सुरक्षा और पारदर्शिता के आधार पर अपने प्रतिनिधियों का चुनाव करें, न कि जाति या चहेते दल के नाम पर।

संपादकीय

भारत का साफ जवाब

भारत ने गुरुवार को इस मामले में ह्यदोहरे मापदंडोंह्ण के प्रति आगाह किया और जोर देकर कहा कि रूस से उसकी ऊर्जा खरीद राष्ट्रीय हितों और बाजार की गतिशीलता पर आधारित है। इसमें कोई दोराय नहीं कि रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध को खत्म करने के लिए सभी जरूरी विकल्पों पर काम होना चाहिए और खासतौर पर इसमें वैसे देशों को अपनी भूमिका का निर्वाह करना चाहिए, जो इसमें अपना कुछ प्रभाव रखते हैं। संभव है कि अमेरिका भी रूस-यूक्रेन युद्ध का अंत ही चाहता हो। मगर जिन देशों से इस युद्ध को खत्म कराने के लिए कुछ करने की उम्मीद की जा रही है, क्या धौंस या धमकी के जरिए उनसे ऐसा करा पाना मुमकिन है?

पिछले कुछ समय से अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी सुविधा के मुताबिक और हित में कई देशों पर शुल्क लगाने या बढ़ाने के विकल्प को एक हथियार के तौर पर इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है। इसी क्रम में अब रूस-यूक्रेन युद्ध को रोकने को लेकर भी बेजा दबाव बनाने की कोशिश की जा रही है। गौरतलब है कि उत्तर अटलांटिक संधि संगठन यानी नाटो के महासचिव मार्क रूट ने बुधवार को भारत, चीन और ब्राजील को यह चेतावनी दी थी कि अगर वे रूस के साथ व्यापार करना जारी रखते हैं, तो उन पर प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं।

इससे पहले ट्रंप ने भी यह कहा था कि अगर यूक्रेन को लेकर जल्दी ही शांति समझौता नहीं किया गया, तो रूस से सामान खरीदने वाले देशों पर सौ फीसद तक का शुल्क लगाया जाएगा। जाहिर है, यह बहुध्रुवीय विश्व में अन्य देशों को अपनी सुविधा और नीतियों के मुताबिक फैसले लेने की आजादी और संप्रभुता पर डाला जाने वाला एक दबाव है, जिसकी दिशा अमेरिका की इच्छा के हिसाब से संचालित करने की कोशिश की जा रही है। इसलिए भारत ने स्वाभाविक ही प्रतिबंध लगाने की धमकी के खिलाफ सख्त प्रतिक्रिया दी है। भारत ने गुरुवार को इस मामले में ह्यदोहरे मापदंडोंह्ण के प्रति आगाह किया और जोर देकर कहा कि रूस से उसकी ऊर्जा खरीद राष्ट्रीय हितों और बाजार की गतिशीलता पर आधारित है। दरअसल, दिसंबर, 2022 में जब रूसी तेल पर प्रतिबंध लगाया गया था, तब यूरोपीय संघ और अमेरिका ने यह उम्मीद की थी कि इस पाबंदी से रूस की अर्थव्यवस्था पर गंभीर असर पड़ेगा और उसे यूक्रेन के साथ युद्ध को खत्म करने पर मजबूर किया जा सकेगा।

चिंतन-मनन

कर्म के पाप-पुण्य में फंस जाता है जीव

ईश्वर क्षेत्रज्ञ या चेतन है, जैसा कि जीव भी है, लेकिन जीव केवल अपने शरीर के प्रति सचेत रहता है, जबकि भगवान समस्त शरीरों के प्रति सचेत रहते हैं। चूंकि वे प्रत्येक जीव के हृदय में वास करने वाले हैं, अतएव वे जीवविशेष की मानसिक गतिशीलता से परिचित रहते हैं। परमात्मा प्रत्येक जीव के हृदय में ईश्वर या नियंता के रूप में वास कर रहे हैं और जैसा जीव चाहता है वैसा करने के लिए जीव को निर्देशित करते रहते हैं। जीव भूल जाता है कि उसे क्या करना है। पहले तो वह किसी एक विधि से कर्म करने का संकल्प करता है, लेकिन फिर वह अपने ही कर्म के पाप-पुण्य में फंस जाता है। वह एक शरीर को त्याग कर दूसरा शरीर ग्रहण करता है। चूंकि इस प्रकार वह आत्मा देहांतरण कर जाता है, अत उसे अपने विगत (पूर्वकृत) कर्मों का फल भोगना पड़ता है। ये कार्यकलाप तभी बदल सकते हैं जब जीव सतोगुण में स्थित हो और यह समझे कि उसे कौन से कर्म करने चाहिए। यदि वह ऐसा करता है तो उसके विगत कर्मों के सारे फल बदल जाते हैं। इसीलिए हमने यह कहा है कि पांच तत्वों- ईश्वर, जीव, प्रकृति, काल तथा कर्म में से चार शात हैं, कर्म शात नहीं है। परम चेतन ईश्वर जीव से इस मामले में समान हैं- भगवान तथा जीव दोनों की चेतनाएं दिव्य हैं। यह चेतना पदार्थ के संयोग से उत्पन्न नहीं होती है। ऐसा सोचना भ्रांतिमूलक है। किंतु भगवान की चेतना भौतिकता से प्रभावित नहीं होती है। भगवान कहते हैं- जब वे इस भौतिक वि में अवतरित होते हैं तो उनकी चेतना पर भौतिक प्रभाव नहीं पड़ता। यदि वे इस तरह प्रभावित होते तो दिव्य विषयों के संबंध में उस तरह बोलने के अधिकारी न होते जैसा कि वे भगवद्गीता में बोलते हैं। भौतिक कल्मष-ग्रस्त चेतना से मुक्त हुए बिना कोई दिव्य-जगत के विषय में कुछ नहीं कह सकता। अतः भगवान भौतिक दृष्टि से कलुषित (दूषित) नहीं हैं। भगवद्गीता तो शिक्षा देती है कि हमें इस कलुषित चेतना को शुद्ध करना है।

जब हाईकोर्ट का जज सुप्रीम कोर्ट से न्याय मांगे

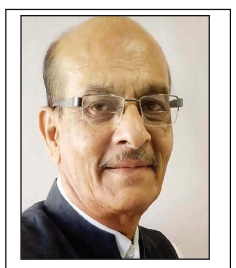

सनत जैन

भारतीय न्यायपालिका के इतिहास में शायद यह पहला अवसर है। जब एक हाईकोर्ट के न्यायाधीश, जस्टिस यशवंत वर्मा ने सुप्रीम कोर्ट और न्याय की कार्यप्रणाली को असंवैधानिक बता दिया है। वह शीर्ष अदालत से न्याय मांगने पहुंचे हैं। यह मामला जितना कानूनी है, उतना ही संस्थागत, नैतिक और संवैधानिक संकट को भी दशार्ता है। संविधान प्रदत न्यायपालिका विधायिका और कार्यपालिका के अधिकार क्षेत्र की विश्वसनीयता और मूल सिंद्धान्त पर भी एक प्रश्न चिन्ह है।

जस्टिस वर्मा के दिल्ली आवास पर ह्यजली हुई नकदीह्ण कांड के बाद गंभीर सवाल खड़े है। सुप्रीम कोर्ट की इन हाउस कमेटी की जांच में उनके खिलाफ ठोस आरोप सामने आए। उनके आवास से नकदी मिलना, असामान्य व्यवहार, सबूतों को लेकर सवाल और जांच में जस्टिस वर्मा का सहयोग नही करने का उल्लेख है। इसी आधार पर सुप्रीम कोर्ट के तत्कालीन सीजेआई संजीव खन्ना ने उन्हें जज के पद से हटाने की सिफारिश की थी। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने वर्मा को इस्तीफा देने का मौका दिया था। वर्मा ने पेशकश नहीं मानी उन्होंने अंतिम दांव चलते हुए खुद सुप्रीम कोर्ट में इन हाउस जांच प्रक्रिया को असंवैधानिक घोषित करने की याचिका सुप्रीम कोर्ट में पेश की है। एक हाईकोर्ट जज ही न्यायपालिका की प्रक्रिया पर भरोसा नहीं कर रहा है। फिर आम आदमी न्यायपालिका से क्या उम्मीद करे? वर्मा का कहना है, संसद के अनुच्छेद 124 और 218 के अंतर्गत ही न्यायाधीशों को पद से हटाने की शक्ति निहित है। सुप्रीम कोर्ट की इन हाउस जांच असंवैधानिक है। उन्होंने न्याय प्रक्रिया के मूल सिद्धांत, प्राकृतिक न्याय के उल्लंघन करने का आरोप जांच करने वाले न्यायाधीशों और मुख्य न्यायाधीश पर लगाया है। सवाल यह है, क्या यह एक दोषी व्यक्ति के बचाव की रणनीति है, या वाकई संवैधानिक बहस की जरूरत? क्या जस्टिस वर्मा के खिलाफ कोई साजिश रची गई है। उस साजिश के तहत यह सब किया जा रहा है। यदि वर्मा दोषी हैं, तो उन्हें कठोरतम सजा मिलनी ही चाहिए। यदि न्यायपालिका की प्रक्रिया में खामियां हैं, तो उनमे बहस और सुधार जरूरी है। बर्मा ने अपनी याचिका में जिस तरह के तथ्य रखे हैं। अपराध की जिस तरह से जांच होनी चाहिए। उन नियमों का पालन उनके आरोपों पर नहीं किया गया है। यह भी स्पष्ट रूप से याचिका मे प्रदर्शित हो रहा है। यह मामला सिर्फ वर्मा बनाम सुप्रीम कोर्ट का नहीं है। न्यायपालिका की आंतरिक पारदर्शिता, संविधान के प्रति जवाबदेही तथा नागरिक के मौलिक अधिकारों से संबंधित है। संविधान सम्मत न्यायपालिका विधायका और कार्यपालिका की भी अग्निपरीक्षा है। देश देख रहा है, क्या सुप्रीम कोर्ट न्यायपालिका को निष्पक्ष न्याय का प्रतीक बनाकर रख पायेगा। या न्यायपालिका की साख को संस्थागत घेरे में चुप्पी साध कर इस मामले को रफा दफा करने का प्रयास करेगा। पिछले एक दशक में न्यायपालिका जिस दबाव में कार्य कर रही है। न्यायपालिका की कार्यवाही सुझाव और फैसला भी आए दिन चचाओं में बने रहते हैं।

पिछले एक दशक में सरकार के प्रति न्यायपालिका का झुकाव यह साबित करता है। न्यायपालिका के ऊपर वह भरोसा आम आदमियों को नहीं रहा, जो न्यायपालिका को लेकर 2014 के पहले था। सरकार भी जब बार-बार यह कहती है, सरकार से सहमत नहीं हो तो कोर्ट चले जाओ। पिछले एक दशक में जिस तरह की कार्यवाही न्यायपालिका की होनी चाहिए थी। वह नहीं हुई। न्यायपालिका से सरकार को समय-समय पर संरक्षण मिलता रहा है। जस्टिस लोया जैसे मामले में भी न्यायपालिका ने जिस तरह से फैसला किया। उसके बाद यह माना जाने लगा न्यायपालिका के ऊपर यह सरकार का दबाव है। पिछले एक दशक में कॉलेजियम की अनुशंसाओं पर सरकार ने जिस तरह का पलीता लगाया है। वह भी जग जाहिर है। सरकार अब न्यायपालिका को शायद अपने अधीनस्थ मानकर चल रही है। सरकार राष्ट्रीय सुरक्षा एवं अन्य कारण बताकर बंद लिफाफे में जानकारी सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट में दे रही है। सरकार की जांच एजेंसियों द्वारा असंवैधानिक रूप से जो कार्यवाही की गई है। उस पर भी न्यायपालिका लंबे समय तक चुप्पी साध कर रखती है। जस्टिस वर्मा वाले मामले में भी अभी तक यह उजागर नहीं हुआ है, कि उनके यहां जले हुए नोट कितने थे, वह नोट कहां से आए थे, उसके संबंध में फायर ब्रिगेड और दिल्ली पुलिस ने सारी जानकारी एकत्रित क्यों नहीं की। जिसके कारण जस्टिस वर्मा को यह कहने का मौका मिल रहा है, कि उन्हें फसाया गया है। उनके खिलाफ यह एक साजिश है। जांच प्रक्रिया का पालन सही तरीके से नहीं किया गया।

हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश और सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के ऊपर जिस तरह से उन्होंने संवैधानिक एवं कानूनी प्रक्रिया का पालन नहीं करने का तथ्य अपनी याचिका में पेश किया है। उससे न्यायपालिका की साख पर प्रश्न चिन्ह लगा है। जैसे वर्मा ने अपने बचाव के लिए जिस तरह से न्यायपालिका और सरकार के बीच का संघर्ष उजागर किया है। इसमें फैसला कुछ भी हो, भारत की न्यायिक परंपरा या तो मजबूत होगी, या और कमजोर होगी। जिस तरह की स्थितियां वर्तमान में देखने को मिल रही हैं। उसमें बार-बार विपक्ष संविधान को खत्म करने जैसी बात कर रहा है। न्यायपालिका की कमजोरी का लाभ, सरकार और कार्यपालिका उठा रही है। आम लोगों को इसका खामियाजा भुगतना पड़ रहा है।न्यायपालिका और संविधान के प्रति लोगों का विश्वास डिग गया है। इससे इनकार नहीं किया जा सकता है। जस्टिस वर्मा की याचिका के मंथन से अमृत निकलेगा या विष निकलेगा। इसके लिए समय का इंतजार करना ही पड़ेगा। समय के साथ सारी चीजों में परिवर्तन आता है, स्थायी कुछ भी नहीं है।

सावन मास का आध्यात्मिक महत्व एवं भगवान शिव की महिमा

पूनम चतुर्वेदी शुक्ला

भारतीय संस्कृति में प्रत्येक ऋतु, माह, दिन और क्षण का एक विशिष्ट धार्मिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक महत्व है। इसी क्रम में 'सावन मास'—जो कि वर्षा ऋतु के मध्य में आता है—एक ऐसा पवित्र कालखंड है जो पूर्णतः भगवान शिव को समर्पित होता है। सावन मास में वातावरण का नैसर्गिक सौंदर्य, वर्षा की शीतलता, धरती की हरियाली, मनुष्य के भीतर भक्ति की ऊर्जा को जाग्रत करती है। भारतीय पंचांग के अनुसार यह महीना चातुर्मास का आरंभिक काल होता है, जिसे धर्म और तपस्या का काल कहा जाता है। विशेष रूप से उत्तर भारत, नेपाल और शिवभक्तों के लिए सावन मास अत्यधिक महत्वपूर्ण होता है क्योंकि इसी समय भगवान शिव की आराधना की जाती है और कांवड़ यात्रा जैसी श्रद्धा से परिपूर्ण परंपराएं आरंभ होती हैं।

सावन मास का धार्मिक महत्व : हिंदू धर्म में सावन मास को 'श्रावण मास' के रूप में जाना जाता है और यह मास पूर्णतः शिव भक्ति के लिए आरक्षित माना जाता है। पुराणों के अनुसार, समुद्र मंथन के दौरान जब हलाहल विष निकला था, तब संपूर्ण ब्रह्मांड को उसकी ज्वाला से बचाने हेतु भगवान शिव ने उसे अपने कंठ में धारण किया और नीलकंठ कहलाए। सावन मास में इसी घटना का स्मरण करते हुए भगवान शिव को जलाभिषेक किया जाता है ताकि उनकी तपन को शीतलता मिल सके। यह जलाभिषेक भक्तों द्वारा गंगाजल, दूध, शहद और अन्य पवित्र द्रव्यों से किया जाता है। इस मास में सोमवार का विशेष महत्व होता है जिसे 'श्रावण सोमवर' कहते हैं। ऐसा माना जाता है कि सावन के सोमवार को विधिपूर्वक उपवास रखकर शिवजी की पूजा-अर्चना करने से इच्छित फल की प्राप्ति होती है। स्त्रियां सौभाग्य की प्राप्ति और सुयोग्य वर की कामना से यह व्रत करती हैं, जबकि पुरुष भी आरोग्य, समृद्धि और आत्मिक शुद्धि के लिए इस व्रत को रखते हैं। शिवतत्त्व की दार्शनिक व्याख्या : भगवान शिव केवल एक देवता नहीं बल्कि एक तत्त्व हैं—वह ब्रह्मांड के अद्वैत सिद्धांत के जीवंत प्रतीक हैं। वे संहारक हैं, परंतु उसी संहार में नवसृजन की संभावना छिपी होती है। वे योग के आदि स्रोत हैं—आदि योगी, आदि गुरु। शिव की उपस्थिति ध्यान, मौन और आत्मसाक्षात्कार की प्रक्रिया में होती है। शिव का हर स्वरूप, हर प्रतीक एक गूढ़ दार्शनिक भाव लिए हुए है। त्रिशूल उनके तीन गुणों—सत्व, रज और तम—पर नियंत्रण का प्रतीक है। डमरू से सृष्टि की ध्वनि—'नाद' उत्पन्न होती है, जिससे सृष्टि के बीज मंत्र निकलते हैं। जटाजूट से बहती गंगा जीवन और पवित्रता का संकेत देती है। वृषभ (नंदी) उनके वाहन रूप में धर्म, संयम और सेवा का प्रतीक है। श्मशान में निवास करने वाले शिव इस बात का बोध कराते हैं कि जीवन और मृत्यु का भेद कृत्रिम है—परम सत्य केवल आत्मा है जो अमर है।

सावन और शिवभक्ति की मनोवैज्ञानिक अनुभूति : सावन का महीना केवल पूजा का समय नहीं होता, यह आत्मान्वेषण, शुद्धिकरण और ध्यान का उपयुक्त काल होता है। वर्षा के शीतल जल की तरह यह महीना मन को भी शीतलता प्रदान करता है। जल की बूँदों की तरह शिव की कृपा भी भक्तों पर बरसती है। भौतिक जगत की कोलाहल से अलग होकर जब व्यक्ति शिव के ध्यान में लीन होता है, तब उसे परम शांति का अनुभव होता है। शिव को अर्धनारीश्वर रूप में भी पूजा जाता है, जो जीवन के संतुलन का प्रतीक है—पुरुष और स्त्री, शक्ति और शिव, संकल्प और क्रिया—सभी का एकत्व। सावन मास में प्रकृति भी इसी संतुलन की झलक देती है—धरती की प्यास बुझती है, आकाश नाचता है, पेड़ हरे-भरे होते हैं और जीव-जंतु उल्लासित होते हैं। यह सब शिव की जटाओं से बहती कृपा के ही रूप हैं।

श्रद्धा का पर्व : कांवड़ यात्रा : सावन मास में 'कांवड़ यात्रा' एक विशेष धार्मिक अनुष्ठान होता है जिसमें लाखों श्रद्धालु गंगोत्री, हरिद्वार, गढ़मुक्तेश्वर, देवघर आदि से गंगाजल लेकर पैदल यात्रा करके शिवलिंगों पर जल चढ़ाते हैं। ये भक्त कांवड़िए कहलाते हैं और पूरे अनुशासन, ब्रह्मचर्य और नियमों का पालन करते हुए यह यात्रा करते हैं। यह यात्रा न केवल एक धार्मिक आयोजन होती है बल्कि संयम, श्रद्धा और समर्पण का ऐसा उदाहरण होती है जो भारत की आध्यात्मिक चेतना को प्रमाणित करती है।

शिवपुराण में सावन का उल्लेख : 'शिव महापुराण' में सावन मास की महिमा अत्यंत भावपूर्ण रूप से वर्णित है। इसमें कहा गया है कि इस मास में एक बार 'ओम् नमः शिवाय' का जप करने से सहस्त्र बार जपने के समान फल प्राप्त होता है। इस मास में बिल्वपत्र, धतूरा, आक, गंगा जल और भस्म से की गई पूजा विशेष फलदायी मानी जाती है। शिवपुराण के अनुसार श्रावण मास में शिव का पूजन करने वाला जीव इस जीवन में भी सुख प्राप्त करता है और मृत्यु के बाद शिवलोक को प्राप्त करता है।

लोक-संस्कृति और सावन : सावन केवल धार्मिक आयोजन नहीं है, यह भारतीय लोक-संस्कृति का भी एक उल्लासमयी पर्व है। विशेष रूप से महिलाएं इस महीने को बहुत उल्लास से मनाती हैं। झूले पड़ते हैं, सावन के गीत गूंजते हैं—'कजरी', 'झूला', 'सोहर' जैसी लोक विधाओं में शिव-पार्वती का वर्णन होता है। स्त्रियां हरी चूड़ियां पहनती हैं, हाथों में मेहंदी लगाती हैं और सौंदर्य के प्रतीकों के माध्यम से शिव-पार्वती के सौभाग्य की कामना करती हैं। यह मास स्त्री-शक्ति के भी जागरण का समय होता है, जब गौरी के रूप में नारियों की साधना की जाती है।

भक्ति और योग का समन्वय

सावन का महीना योग, ध्यान और तपस्या का सर्वोत्तम काल है। भगवान शिव को योग का अधिपति माना जाता है। 'शिव सूत्र' और 'विज्ञान भैरव तंत्र' जैसे ग्रंथों में शिव ने ध्यान और योग की विविध विधियों को बताया है, जिनका अभ्यास विशेष रूप से सावन में किया जाता है। इस मास में शरीर और मन का शुद्धिकरण करते हुए उपवास, प्राणायाम और मंत्रजप से व्यक्ति शिव के समीप पहुंच सकता है। महाशिवरात्रि की तरह सावन भी एक रात्रि रूपी अंधकार को चीरकर आत्मा के उजाले की ओर ले जाने वाला अवसर है। भगवान शिव का तपस्वी रूप, उनका वैराग्य, उनका मौन और उनका करुणा से परिपूर्ण स्वरूप, साधक को आत्मा के मूल स्वरूप की याद दिलाता है।

भगवान शिव : सृष्टि के अंतिम सत्य के प्रतीक

भगवान शिव को 'महादेव' कहा गया है—देवों के देव। वे शक्ति और शांति, विनाश और सृजन, ध्यान और तांडव, करुणा और न्याय का समन्वय हैं। उनका स्वरूप हमें सिखाता है कि जीवन में संतुलन, संयम, स्वच्छता और साधना के बिना ईश्वरत्व प्राप्त नहीं होता। शिव वह जड़ नहीं हैं जो केवल मूर्तियों में समाहित हैं, वे चेतना हैं, जो हर व्यक्ति के भीतर विद्यमान है। उनका आशीर्वाद केवल पूजा से नहीं, जीवन के आचरण से प्राप्त होता है।

फिर आई एयर इंडिया के विमान में खराबी, उड़ान भरते ही वापस की लैंडिंग

हैदराबाद (एजेंसी)। हैदराबाद के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से थाइलैंड के फुकेट के लिए शनिवार सुबह रवाना हुई एयर इंडिया का एक विमान तकनीकी कारणों से उड़ान भरने के थोड़ी ही देर बाद वापस लौट आया। फ्लाइट संख्या आईएक्स110 सुबह 6:40 बजे हैदराबाद से रवाना हुई थी, जो तय समय से करीब 20 मिनट की देरी में थी। यह विमान फुकेट में सुबह 11:45 बजे लैंड होना था, लेकिन उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद वापस हैदराबाद लौट आया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक विमान ने उड़ान तो भरी, लेकिन बहुत दूर नहीं जा सका और हैदराबाद में वापस सुरक्षित लैंडिंग की। हालांकि, इस समय तक एयरलाइन या एयरपोर्ट अधिकारियों की ओर से कोई बयान सामने नहीं आया है कि विमान को वापस क्यों लौटाया गया। यह एक बोइंग 737 मैक्स 8 विमान था। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब हाल के दिनों में भारत में उड़ानों से जुड़ी कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं। इसी सप्ताह दिल्ली से इम्फाल जा रही इंडिगो की फ्लाइट 6ई-5118 में तकनीकी खराबी आने के कारण उड़ान भरने के तुरंत बाद उसे लौटना पड़ा था। तकनीकी जांच के बाद विमान दोबारा दोपहर 12:30 बजे रवाना हुआ और 2:53 बजे इम्फाल पहुंचा, जो उसके निर्धारित समय 1:10 बजे से काफी देरी से था। इससे पहले 19 जून को दिल्ली से लेह जा रही इंडिगो की एक फ्लाइट को उड़ान भरने के करीब दो घंटे बाद तकनीकी खराबी के चलते दिल्ली लौटना पड़ा था। बता दें 6 मई को बैंकॉक से मास्को जा रही एअरोफ्लोट की फ्लाइट एसयू273 को दिल्ली एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी थी, जब विमान के केबिन में धुएं जैसी गंध महसूस की गई थी। अप्रैल में जेद्दाह से दिल्ली आ रही एक फ्लाइट को संदिग्ध टायर पंचर की आशंका के चलते दिल्ली में आपात लैंडिंग करानी पड़ी थी। उस समय विमान में 404 यात्री सवार थे, और उनको सुरक्षित उतार लिया गया था।

शारीरिक संबंध बनाने से इनकार करना क्रूरता : हाईकोर्ट

मुंबई (एजेंसी)। बॉम्बे हाईकोर्ट ने पति से शारीरिक संबंध बनाने से इनकार करने को क्रूरता मानते हुए तलाक का आधार माना है। इसी आधार पर हाईकोर्ट ने पति के तलाक के फैमिली कोर्ट के फैसले को सही माना है। महिला अपने पति पर एक्स्ट्रा मटेरियल अफेयर का शक करती थी। पति के साथ शारीरिक संबंध बनाने से इंकार करती थी। पति ने फैमिली कोर्ट में मामला दाखिल किया था। फैमिली कोर्ट ने इसे तलाक के लिए जायज माना, और तलाक मंजूरी दे दी थी। इसके खिलाफ महिला ने मुंबई हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी। यह मामला महाराष्ट्र के पुणे का है। पति पत्नी की शादी 2013 में हुई थी। 2014 से ही दोनों अलग-अलग रहने लगे थे। 2015 में पति ने फैमिली कोर्ट में तलाक की अर्जी लगाई थी। फैमिली कोर्ट ने तलाक मंजूर कर लिया था। इसकी अपील हाईकोर्ट में हुई। हाईकोर्ट ने फैमिली कोर्ट के आदेश को बरकरार रखा।

राजा रघुवंशी हत्याकांड में शिलोम जेम्स को जमानत, परिवार से शिलांग पुलिस पर उठाए सवाल

इंदौर (एजेंसी)। राजा रघुवंशी हत्याकांड में तीसरे आरोपी शिलोम जेम्स को जमानत मिलने के बाद इंदौर में आक्रोश का माहौल है, और राजा की मां उमा रघुवंशी की तबीयत बिगड़ गई है। परिवार का आरोप है कि इस पूरी साजिश के पीछे सोनम और उसके भाई गोविंद का हाथ है। राजा के परिवार का कहना है कि अगर आरोपियों को जमानत मिलती है, तब वे आत्महत्या करने वाले है। उनका मानना है कि जब तक दोषियों को सजा नहीं मिलती, राजा की आत्मा को शांति नहीं मिलेगी। परिवार अब इस मामले को हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट तक ले जाने की तैयारी में है। कोर्ट ने जिन तीन आरोपियों को जमानत पर रिहा किया है, उनके नाम इस प्रकार हैं लोकेंद्र सिंह तोमर ने सोनम ने राजा की हत्या के बाद इनके फ्लैट का इस्तेमाल छिपने के लिए किया था और वह आठ दिनों तक वहीं रुकी थी। बलवीर अहिरवार उर्फ बल्ला, यह लोकेंद्र सिंह तोमर के फ्लैट का सिक्योरिटी गार्ड था। शिलोम जेम्स जो कि एक ब्रोकर है और उस पर सबूत मिटाने के आरोप थे। राजा के भाई विपिन रघुवंशी ने इस पूरी साजिश के पीछे सोनम और भाई गोविंद का हाथ होने का आरोप लगाया है। विपिन का दावा है कि गोविंद सोनम के संपर्क में है और वहीं आरोपियों को जमानत दिलाने में मदद कर रहा है। विपिन ने सोनम की राखी बांधते समय की फोटो भी मांगी है, ताकि दोनों के गहरे रिश्तों को साबित किया जा सके। विपिन रघुवंशी ने चेतावनी दी है कि अगर सोनम और बाकी आरोपियों को जमानत मिल गई, तब हम पूरे परिवार के साथ आत्महत्या कर लेने वाले है। उन्होंने शिलांग पुलिस की जांच पर भी सवाल उठाकर पूछा है कि डेथ सर्टिफिकेट न मिलने के बावजूद तीनों आरोपियों को जमानत कैसे मिल गई। उन्होंने कहा, ये कैसी जांच है शिलांग पुलिस की?

महाराष्ट्र में 30 हजार से ज्यादा नर्सें अनिश्चितकालीन हड़ताल पर, स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित

मुंबई (एजेंसी)।महाराष्ट्र में सरकारी अस्पतालों की स्वास्थ्य व्यवस्था पर एक बार फिर संकट के बादल मंडरा गए हैं। राज्यभर की 30,000 से अधिक नर्सें अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चली गई हैं। नर्सों के इस सामूहिक आंदोलन से सरकारी अस्पतालों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और चिकित्सा संस्थानों की सेवाएं बुरी तरह प्रभावित हो सकती हैं। नर्सों की यह हड़ताल महाराष्ट्र राज्य नर्सेज एसोसिएशन के नेतृत्व में की जा रही है। एसोसिएशन का कहना है कि सातवां वेतन आयोग लागू होने के बावजूद वेतन विसंगतियां दूर नहीं की गई हैं, जिससे हजारों नर्सों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। इससे पहले, 15 और 16 जुलाई को मुंबई के आजाद मैदान में राज्यभर से आई नर्सों ने दो दिवसीय धरना प्रदर्शन किया था। प्रशासन से कोई ठोस आश्वासन न मिलने के कारण अब नर्सों ने अनिश्चितकालीन हड़ताल का रास्ता चुना है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के अनुसार, राज्य सरकार हड़ताल को समाप्त करने के लिए प्रयास कर रही है और जल्द ही नर्सेज एसोसिएशन के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की संभावना है।

नीतीश की फ्री बिजली पर यूपी के ऊर्जा मंत्री का तंज- ना बिजली आएगी, ना बिल आएगा...

-बिलावल भुट्टो ने दावा किया, पाकिस्तान में मिलने पर सौंप देंगे

मथुरा (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के ऊर्जा एवं शहरी विकास मंत्री एके शर्मा ने बिहार में मुफ्त बिजली की घोषणा पर हकीकत बयान करने जैसा तंज कसा है। ऊर्जा मंत्री शर्मा ने कहा कि बिहार में बिजली मुफ्त है, लेकिन यह तभी संभव होगा जब बिजली सप्लाई होगी।

इसी के साथ यूपी के ऊर्जा मंत्री शर्मा ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के प्लान को घेरे में लेते हुए तंज करते हुए कहा, ना बिजली आएगी और ना ही बिल आएगा... फ्री हो गई बिजली। हम बिजली दे रहे हैं। यहां बताते चलें कि बिहार में आगामी विधानसभा चुनावों के मद्देनजर सीएम नीतीश कुमार द्वारा 125 यूनिट तक मुफ्त बिजली देने की घोषणा के संदर्भ में आया है।

यहां मंत्री शर्मा ने बयान दिया वहां राजनीतिक गलियारे में हड़कंप मच गया। दरअसल बिहार में नीतीश सरकार भाजपा के समर्थन से चल रही है और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने हाल ही में घोषणा की थी कि 1 अगस्त 2025 से सभी घरेलू उपभोक्ताओं को 125 यूनिट तक बिजली मुफ्त दी जाएगी। वैसे तो सीएम की इस घोषणा को चुनावी वादे के तौर पर ही देखा जा रहा है, लेकिन यूपी के मंत्री शर्मा के बयान ने इस पर न सिर्फ सवाल खड़े कर दिए, बल्कि लोग तो यही कह रहे हैं कि उन्होंने हकीकत बयान कर दिया है। आखिर उत्तर प्रदेश में भी तो भाजपा की ही योगी सरकार है, जिसके कि शर्मा ऊर्जा मंत्री हैं। उनसे ज्यादा सरकार के बयानों की हकीकत कौन जान सकता है। ऐसे में कहा यही जा रहा है कि मंत्री शर्मा के बयान से स्पष्ट हो रहा है कि बिहार में मुफ्त बिजली की घोषणा को लेकर यूपी सरकार आशंकित है और इसे व्यवहारिक रूप से लागू करने की संभावनाओं पर संदेह जताया जा रहा है। वहीं दूसरी तरफ यह भी कहा जा रहा है कि बिहार की तर्ज पर यूपी में बिजली फ्री करने की मांग उठे उससे पहले ही मंत्री ने अपने बयान से स्पष्ट कर दिया है कि ऐसा नहीं होगा, क्योंकि जहां बिजली जलेगी वहां तो बिल आएगा ही आएगा। बहरहाल मामला जो भी हो इस चुनावी बेला में राजनीतिक गलियारा तो गरमाने का काम हो ही गया।

अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप्स मामले में गूगल-मेटा को ईडी ने भेजा समन

-विज्ञापन स्लॉट दिए जाने का आरोप, सोमवार को पूछताछ के लिए बुलाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईडी ने शनिवार को गूगल और मेटा को समन जारी किया है। यह कार्रवाई अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप्स के मामले में की जा रही जांच को लेकर की गई है। दोनों कंपनियों को सोमवार 21 जुलाई को पूछताछ के लिए बुलाया है। ईडी का कहना है कि गूगल और मेटा ने उन ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप्स को प्रसार-प्रचार के लिए प्लेटफॉर्म प्रदान किया, जो मनी लॉन्ड्रिंग और हवाला लेनदेन जैसे गंभीर आर्थिक अपराधों के मामलों में जांच के घेरे में हैं। इन कंपनियों पर यह आरोप है कि उन्होंने इन ऐप्स से जुड़ी वेबसाइट्स को विज्ञापन स्लॉट दिए, जिससे इनकी लोकप्रियता तेजी से बढ़ी और ये पूरे देश में फैल गए। ईडी की अब तक की जांच के मुताबिक ये सट्टेबाजी ऐप्स खुद को स्किल बेस्ड गेमिंग प्लेटफॉर्म बताते हैं, लेकिन असल में इनमें अवैध जुआ चलाया जा रहा था। ये प्लेटफॉर्म करोड़ों की काली कमाई कर रहे थे, जिसे हवाला चैनलों के जरिए देश से बाहर भेजा जाता था। ईडी ने हाल ही में 29 सेलिब्रिटीज और इंफ्लुएंसर्स के खिलाफ मामला दर्ज किया है। इनमें नामी कलाकार जैसे प्रकाश राज, राणा दग्गुबाती और विजय देवरकोंडा शामिल हैं। आरोप है कि उन्होंने इन ऐप्स का प्रचार करके भारी रकम कमाई है। महादेव ऐप का घोटाला 6,000 करोड़ से ज्यादा आंका जा रहा है। इसमें कई बॉलीवुड सेलेब्रिटीज से पूछताछ हो चुकी है। ईडी का दावा है कि छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम भूपेश बघेल को इस ऐप के प्रमोटर्स से 500 करोड़ रुपए की रकम मिली थी। एक अन्य मामला फेयरप्ले आईपीएल बेटिंग ऐप का है, जिसने आईपीएल मैचों की अवैध स्ट्रीमिंग की और ऑनलाइन सट्टेबाजी को बढ़ावा दिया। इससे आधिकारिक ब्रॉडकास्टर को भारी आर्थिक नुकसान हुआ। इस मामले में भी कई भारतीय सेलिब्रिटीज को आरोपी बनाया गया है जिसकी जांच चल रही है।

पटक-पटककर मारेंगे पर राज ठाकरे ने कहा-मुंबई आओ समुंद्र में डुबो-डुबोकर मारेंगे

-बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने कहा- मैंने राज ठाकरे को हिंदी सिखा दी

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र में भाषा को लेकर राजनीति गरमाई हुई है। मनसे चीफ राज ठाकरे और बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे के बीच तीखे हमलों का दौर जारी है। बीजेपी सांसद दुबे के पटक-पटकर मारेंगे के जवाब में राज ठाकरे ने डुबो-डुबो के मारेंगे वाली बात कही। इस पर निशिकांत दुबे ने राज ठाकरे की चुटकी लेते हुए कहा कि मैंने हिंदी सिखा दी? पिछले दिनों मराठी न बोलने को लेकर एक दुकानदार की पिटाई कर दी गई थी, जिस पर दुबे ने कहा था कि यूपी-बिहार आओ तो पटक-पटक के मारेंगे। उनके इस बयान पर काफी विवाद हुआ था।

दुबे ने कहा था कि हिंदी भाषा बोलने वाले लोगों को मुंबई में मारने वाले अगर हिम्मत है तो महाराष्ट्र में उर्दू, तमिल और तेलगू बोलने वालों को मारकर दिखाओ। उन्होंने कहा था कि अगर इतने ही बड़े बॉस हो तो आओ बिहार, यूपी और तमिलनाडु तुमको पटक-पटक के मारेंगे। इस पर राज ठाकरे ने एक जनसभा को संबोधित करते हुए निशिकांत दुबे को मुंबई आने की चुनौती दी और कहा कि एक बीजेपी सांसद ने कहा कि मराठी लोगों को हम पटक पटक के मारेंगे...आप मुंबई आइए। मुंबई के समुंदर में हम डूबो-डुबो के मारेंगे।

हालांकि जब राज ठाकरे ये बयान दे रहे थे तो वो हिंदी में बात कर रहे थे। उनके इसी बयान पर दुबे ने पलटवार करते हुए कहा कि मैंने राज ठाकरे को हिंदी सिखा दी? राज ठाकरे ने कहा कि अब अगर आप मराठी नहीं समझ सकते, भले ही वह आपके कान में सीधे बोली जाए, तो आपको नीचे एक थप्पड़ पड़ेगा। लोग बिना किसी कारण के हंगामा करते हैं। यह बात उन्होंने उस समय कही, जब कुछ दिन पहले उनकी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने मराठी न बोलने पर एक दुकान मालिक के साथ मारपीट की थी।

बिहार में एसआईआर के दौरान अब तक 90.12 प्रतिशत मतदाताओं के गणना फॉर्म प्राप्त हुए

36 लाख से ज़्यादा मतदाता अपने पते पर नहीं मिलें

नई दिल्ली (एजेंसी)। चुनाव आयोग ने कहा है कि बिहार की मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की 25 जुलाई की समय सीमा से पहले ही राज्य के 90.12 प्रतिशत मतदाताओं के गणना फॉर्म प्राप्त हो गए, और 36 लाख से ज़्यादा मतदाता अपने पते पर नहीं मिलें। चुनाव आयोग ने 24 जून को एसआईआर का आदेश देकर अगले ही दिन पूरे बिहार में इस शुरू कर दिया। आयोग ने आदेश में कहा कि पूरे देश में यह प्रक्रिया शुरू करने का फैसला किया है और इसकी शुरुआत बिहार से की जा रही है, क्योंकि राज्य में हाल के महीनों में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं।

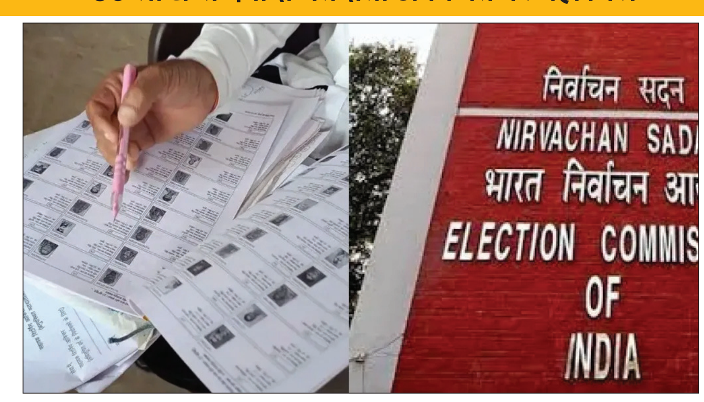

चुनाव आयोग के आदेश में बताया गया है कि बिहार के सभी 7.8 करोड़ पंजीकृत मतदाताओं को 1 अगस्त को प्रकाशित होने वाली मसौदा सूची में शामिल होने के लिए 25 जुलाई तक गणना फॉर्म जमा करना होगा। चुनाव आयोग ने बताया कि अब तक 7.11 करोड़ फॉर्म प्राप्त हो चुके हैं और उसमें से 6.85 करोड़ का डिजिटलीकरण हो चुका है। चुनाव आयोग ने बताया कि 36.86 लाख मतदाता (कुल मतदाताओं का 4.67 प्रतिशत से थोड़ा ज़्यादा) संभवतः मृत, स्थायी रूप से स्थानांतरित या कई स्थानों पर पंजीकृत मिले हैं। आयोग ने बताया कि 6,978 मतदाता, यानी 0.01 प्रतिशत का पता नहीं चल पा रहे हैं।

आयोग ने कहा कि संभवतः मृत, स्थानांतरित और लापता मतदाताओं की सूची राजनीतिक दलों के जिला अध्यक्षों और उनके बूथ स्तरीय एजेंटों के साथ साझा कर रहे हैं, ताकि 25 जुलाई से पहले इसतरह प्रत्येक मतदाता की सही स्थिति का पता सके। मतदाताओं और दलों के पास मसौदा मतदाता सूची पर दावे और आपत्तियाँ दर्ज करने के लिए 1 अगस्त से 1 सितंबर तक का समय होगा। 30 सितंबर को अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित होने से पहले, निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों के पास इन दावों और आपत्तियों का निपटारा करने के लिए 25 सितंबर तक का समय होगा।

पाक ने 24 अगस्त तक बढ़ाया एयरस्पेस पर बैन, नहीं होंगी भारतीय विमानों की एंट्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान ने भारतीय विमानों के लिए अपना एयरस्पेस बंद कर दिया था। अब पाकिस्तान ने इस बैन को 24 अगस्त तक बढ़ा दिया है। पाकिस्तान एयरपोर्ट अथॉरिटी (पीएए) ने इसकी जानकारी दी है। नोटम के मुताबिक भारतीय एअरलाइंस के किसी भी नागरिक या सैन्य विमान को पाकिस्तान एयरस्पेस में एंट्री नहीं मिलेगी। यह आदेश बीती शाम 3:50 बजे से लागू किया गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पीएए ने नोटिस में जानकारी देते हुए कहा कि यह बैन 24 अगस्त 2025 की सुबह 5:19 बजे तक लागू रहेगा। बता दें 22 अप्रैल को हुए पहलगाम हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव की स्थिति बन गई थी।

आगरा में अवैध धर्मांतरण रैकेट का भंडाफोड़, 10 गिरफ्तार, अंतरराष्ट्रीय संबंध मिले

नई दिल्ली (एजेंसी)। आगरा पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए धर्मांतरण गिरोह का भंडाफोड़ किया है। यह शहर में इस तरह के दूसरे रैकेट का पर्दाफाश है। डीजीपी राजीव कृष्ण ने लखनऊ में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान यह जानकारी दी। अवैध धर्मांतरण में शामिल कुल 10 लोगों को आगरा से गिरफ्तार किया गया है। ये गिरफ्तारियाँ छह राज्यों में समन्वित छापेमारी के बाद की गईं। डीजीपी के अनुसार, जाँच में पीएफआई और एसडीपीआई जैसे संगठनों के साथ-साथ एक पाकिस्तानी आतंकवादी से भी संबंध होने का पता चला है। यह अभियान विशेष कार्य बल (एसटीएफ) और आतंकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) की मदद से चलाया गया।

आगे की जाँच से पता चला है कि आरोपियों के अंतरराष्ट्रीय संबंध थे, जिनमें कनाडा, दुबई और लंदन से जुड़े तार शामिल थे। जाँच के दौरान अधिकारियों को कट्टरपंथ और 'लव जिहाद' की घटनाओं से जुड़े सबूत मिले हैं। पश्चिम बंगाल, गोवा, राजस्थान, दिल्ली और उत्तराखंड सहित कई राज्यों में छापे मारे गए, जिसके परिणामस्वरूप कई गिरफ्तारियाँ हुईं। पकड़े गए लोगों को गोवा, कोलकाता, आगरा, मुज़फ़्फ़रनगर, देहरादून, जयपुर और दिल्ली जैसे स्थानों से पकड़ा गया। इससे पहले, यूपी एटीएस ने छांगुर बाबा गिरोह से कथित संबंध के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया था। उस पर बड़े पैमाने पर धर्मांतरण और हवाला के ज़रिए विदेशी धन प्राप्त करने का आरोप है। अधिकारियों ने बताया कि यह गिरोह बड़े पैमाने पर धर्मांतरण और हवाला के ज़रिए विदेशी धन प्राप्त करने का आरोपी है।

देहरादून के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह ने बताया कि अब्दुल रहमान नाम के आरोपी को गुरुवार को सहसपुर इलाके से हिरासत में लिया गया और आगरा ले जाया गया, जहाँ विस्तृत जाँच के बाद उसे औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर लिया गया। कथित तौर पर उसने 2014 और 2015 के बीच हिंदू धर्म से इस्लाम धर्म अपना लिया था। यूपी एटीएस ने स्थानीय पुलिस के साथ जानकारी साझा की, जिसके आधार पर रानीपोखरी में एक महिला का पता चला, जो कथित तौर पर रहमान नाम के एक आरोपी के संपर्क में थी। उसके पिता राजकुमार बजाज ने आरोप लगाया कि उस पर धर्म परिवर्तन के लिए दबाव डाला जा रहा था। उत्तराखंड धर्म स्वतंत्रता अधिनियम के तहत पाँच आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है, जिनमें से दो दिल्ली, दो उत्तर प्रदेश और एक गोवा से हैं। उन्हें गिरफ्तार करने के लिए पुलिस टीमें भेजी गई हैं।

किशोरी को जिंदा जलाए जाने के मामले में बोले नवीन पटनायक- राज्य में अपराधी बेखौफ

-टीएमसी ने पीएम मोदी पर साधा निशाना

भुवनेश्वर (एजेंसी)। ओडिशा के पुरी में शनिवार को दिल दहला देने वाली घटना उस समय सामने आई जबकि एक 15 साल की किशोरी को तीन बदमाशों ने पेट्रोल डालकर आग लगा दी। किशोरी को गंभीर हालत में एम्स भुवनेश्वर में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। इस घटना को लेकर ओडिशा के पूर्व सीएम पटनायक ने अपनी पीड़ा व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य में अपराधी बेखौफ इस तरह की घटना को अंजाम दे रहे हैं।

ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने अपने एक बयान में कहा कि किशोरी को जिंदा जलाने की घटना से मुझे बेहद पीड़ा हुई है। दिनदहाड़े एक बच्ची को जलाने की कोशिश की गई, यह वाकई बेहद डरावना है। उन्होंने एक और घटना को याद करते हुए कहा, कि एक हफ्ते पहले ही एफएम कॉलेज की छात्रा ने न्याय नहीं मिलने के कारण खुद को आग के हवाले कर दिया था। इससे एक माह पहले ही गोपालपुर में भी एक भयानक घटना घटित हुई थी। इन तमाम घटनाओं को लेकर पूर्व सीएम पटनायक ने सवाल करते हुए कहा, कि अब सरकार जागेगी क्या? अपराधियों को क्या जल्द पकड़ा जाएगा? और आगे क्या ऐसी घटनाएं नहीं हों, इसके लिए कोई ठोस कदम उठाए जाएंगे? उन्होंने कहा कि राज्य में अपराधी बेखौफ हो गए हैं, ओडिशा की बेटियां इन सवालों का जवाब चाहती हैं।

यहां बताते चलें कि यह दर्दनाक घटना पुरी जिले के बायाबर गांव में उस समय हुई जबकि पीड़ित लड़की अपने दोस्त के घर जा रही थी। तीन बदमाश हमलावरों ने उसे रास्ते में रोक लिया और उस पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी थी। उक्त घटना स्थल बालंगा थाने से करीब डेढ़ किलोमीटर दूर बताया जाता है। घटना को अंजाम देकर तीनों आरोपी फरार हो गए।

पुलिस ने मामला दर्ज कर सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है। फिलहाल छात्रा को आग क्यों लगाई गई इसकी कोई वजह सामने नहीं आ सकी है। वहीं, किशोरी के परिजन किसी निजी दुश्मनी या

प्रेम प्रसंग से साफ इनकार कर रहे हैं।

गौरतलब है कि इस घटना से पहले पहले, 12 जुलाई को ओडिशा के बालासोर के फकीर मोहन कॉलेज में एक छात्रा ने न्याय नहीं मिलने से आहत होकर खुद पर केरोसिन छिड़क कर आग लगा ली थी। प्रिंसिपल ऑफिस के बाहर हुई इस घटना में बुरी तरह झुलसी छात्रा की 14 जुलाई को इलाज के दौरान मौत हो गई थी।

टीएमसी ने सरकार को घेरा

तृणमूल कांग्रेस ने इस मामले को लेकर राज्य और केंद्र दोनों ही सरकारों को निशाने पर लिया है। टीएमसी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट करते हुए कहा, बेटी बचाओ का नारा कहां चला गया? पीएम मोदी, यह आपके हाथों पर खून है।

निमिषा प्रिया की फांसी पर असमंजस के बीच जयशंकर ने किया 'ऑपरेशन राहत'

नई दिल्ली (एजेंसी)। इन दिनों देश के कूटनीतिक गलियारों में सबसे ज्यादा चर्चा केरल की रहने वाली भारतीय नर्स निमिषा प्रिया को यमन में सुनाई गई फांसी की सजा के मामले पर हो रही है। 16 जुलाई को उन्हें फांसी होनी थी। लेकिन उससे ठीक पहले युद्धस्तर पर जारी विदेश मंत्रालय और राज्य के ही मुस्लिम धर्मगुरु कंथापुरम मुसलियार के प्रयासों के चलते फिलहाल सजा टल गई है। मंत्रालय मामले में खाड़ी में भारत के कुछ मित्र देशों की मदद भी ले रहा है। इन सबके बीच विदेश मंत्री डॉ.एस.जयशंकर ने यमन का जिक्र करते हुए कहा कि मौजूदा समय में सभी नागरिकों का ध्यान भारत सरकार की कूटनीति पर है। क्योंकि मुसीबत के वक्त हमने अभियान चलाकर अपने नागरिकों की रक्षा की है। कूटनीति के जरिए ही हमने यमन में गृहयुद्ध के बीच फंसे हुए भारतीयों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए ऑपरेशन राहत चलाया था। अपने संबोधन में विदेश मंत्री ने निमिषा प्रिया का प्रत्यक्ष रूप से नाम लिए बगैर यह बात कही। उन्होंने रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच यूक्रेन में फंसे हुए भारतीयों की स्वदेश वापसी के लिए चलाए गए ऑपरेशन गंगा के साथ-साथ अफगानिस्तान, नेपाल से भी मुसीबत के दौरान अपने देश के नागरिकों को वापस लाने के सरकारी प्रयासों, अभियानों के बारे में जानकारी दी। यह जानकारी विदेश मंत्री ने दिल्ली में एयरफोर्स स्कूल के 70वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए दी। जिसके वह भी पूर्व छात्र रहे हैं।

इन चार संदेशों को याद रखें छात्र

जयशंकर ने कहा कि स्कूल जाने वाले छात्र चार संदेशों को याद रखें। जिनमें सबसे पहले स्कूल को गंभीरता से लें-शिक्षकों की बात सुनें। दूसरा, दुनिया में रूचि लें क्योंकि हम वैश्वीकरण के युग में रह रहे हैं। जहां दुनिया हमारे घर तक पहुंच चुकी है। हम जो कुछ भी करते हैं, उसे आकार दुनिया ही देती है। उन्होंने ये भी कहा कि अगर भारत बतौर देश और समाज के रूप में समृद्ध होना चाहता है। अगर हम विकसित भारत के लक्ष्य को लेकर आकांक्षा रखते हैं, तो हमारे लिए यह महत्वपूर्ण है कि हम वैश्विक दुनिया की सच्चाई को पहचाने और उसे स्वीकार करें कि कैसे वह हमें प्रभावित करती है? कोविड-19 इसका बड़ा उदाहरण है। ये महामारी एक देश से शुरू होकर समूचे विश्व में फैल गई थी। दुनिया में जो चीजें हो रही हैं उनमें रूचि लेने की उन्होंने छात्रों से अपील की और कहा कि आज के छात्र कुछ 'रेडिकली अलग' हैं। जो एआई, तकनीक, ड्रोन और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी से प्रभावित हैं।

उन्होंने स्कूली शिक्षा के मूल्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि स्कूल में जो गुण हम सीखते हैं। वो बाकी जीवनभर हमें आगे बढ़ने में मदद करते हैं। जैसे टीम वर्क, लोगों की खूबियों को पहचानना और सामूहिक फायदे के लिए एकजुट होकर काम को आगे बढ़ाना मुख्य है। यही काम हम कूटनीति में भी करते हैं। विदेश मंत्री ने कहा कि मैंने अपना अधिकांश जीवन

कूटनीति की दुनिया में बिताया है। जिसमें हम हर समय बातचीत करते रहते हैं। क्योंकि आपको अपने प्रतिद्वंद्वियों से अच्छी तैयारी में रहना होता है। एक प्रकार से ये उनसे आगे निकलने जैसा है। छात्र भी ऐसा कर सकते हैं। लेकिन इसके लिए उन्हें शिक्षकों द्वारा बताए गए अच्छे गुणों को आत्मसात करना पड़ेगा।

कम उम्र में ऑनलाइन टर्म प्लान चुनने के लाभ

पहला वेतन या पहली आमदनी हमारे जीवन की चंद बेहद खूबसूरत स्मृतियों में से एक है। हम अपनी पहली कमाई से अपने निकट और प्रिय लोगों के लिए उपहार खरीदते हैं। लेकिन हमारी कमाई की शुरुआत अपने परिवार के प्रति हमारी जिम्मेदारियों की शुरुआत का प्रतीक भी है। हम अपने सहेजे गए सपनों को साकार करने के लिए बचत या निवेश की योजना बनाना शुरू करते हैं, जैसे एक खूबसूरत अपना घर, या फिर छुट्टियां बिताने की प्लानिंग। इसी स्तर पर हमें एक ऐसी दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति (जैसे कि मौत) को टालने और सोचने की जरूरत है जहां कमाई का यह स्रोत अचानक बंद हो जाता है? क्या हम अपने परिवार को ऐसी स्थिति में छोड़ना चाहेंगे, जहां उन्होंने न केवल हमें, बल्कि अपनी कमाई और आजीविका का स्रोत भी खो दिया हो? बचत कभी भी आकस्मिकता को कवर करने के लिए पर्याप्त नहीं होगी और जब आप कमाना शुरू करते हैं, ठीक तब से ही जीवन बीमा कवर होना भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

एक उदाहरण देखते हैं: 5000 रुपए की मासिक बचत 8 फीसदी ब्याज के साथ आपको 50 लाख रुपए के तौर पर वापस मिले, इसके लिए लगभग 25 साल लगेंगे, हालांकि दूसरी तरफ एक टर्म कवर के लिए 5000 रुपए के सालाना प्रीमियम पर आप अगले 35 वर्षों के लिए तुरंत 50 लाख रुपए के बीमा के लिए कवर किए जाते हैं। सटीक प्रीमियम राशि में विभिन्न कंपनियों के बीच कुछ बदलाव हो सकता है, यह कुछ अन्य मापदंडों पर भी निर्भर करता है जैसे लिंग, धूम्रपान करने की स्थिति, स्वास्थ्य की स्थिति आदि। टर्म कवर की लागत, जिसे प्रीमियम भी कहा जाता है, उसमें आपकी उम्र के साथ वृद्धि भी होती है। छोटी उम्र में टर्म कवर हासिल करने की प्रक्रिया भी आसान है क्योंकि कम उम्र में बीमा कंपनियों द्वारा मेडिकल टेस्ट की आवश्यकता नहीं होती है। इसी क्रम में कुछ विशेषताओं, मापदंडों को जानना महत्वपूर्ण है, जो आपके निर्णय को अधिक सार्थक बना सकते हैं।

मुझे कितनी रकम का कवर खरीदना चाहिए? – एक आम नियम यह है कि बीमा की रकम आपकी वार्षिक आय की लगभग 10–15 गुना होनी चाहिए, क्योंकि बीमा राशि से आपकी नियमित आय को रिप्लेस करने की उम्मीद की जाती है।

आपका कवर कितने समय तक चलना चाहिए? – आपको अपने कामकाजी जीवन समय के बारे में सोचना चाहिए जो आम तौर पर 60 साल की उम्र तक पहुंचने तक होता है, इसलिए अगर कवर खरीदते समय आपकी उम्र 28 साल हो, तो आपका कवर 32 साल का होना चाहिए।

अतिरिक्त कवर - जीवन बीमाकर्ता कुछ ऑप्शंस/राइडर्स की अनुमति दे रहे हैं जिन्हें आप इस सुरक्षा को व्यापक बनाने के लिए सोच सकते हैं, उदाहरण के लिए क्रिटिकल इलनेस राइडर (जिसमें इस राइडर के तहत आने वाली किसी भी बड़ी बीमारी से पीड़ित होने पर दावा राशि का भुगतान किया जाता है), एक्सीडेंटल डेथ बेनिफिट (दुर्घटना के कारण मृत्यु होने पर अतिरिक्त लाभ का भुगतान किया जाता है) आदि। इन अतिरिक्त ऑप्शंस/ राइडर्स का लाभ उठाने के लिए आपको अतिरिक्त प्रीमियम का भुगतान करना पड़ सकता है। बीमा खरीदना बेहद सरल है और किसी भी अन्य खरीद की तरह इसे भी ऑनलाइन हासिल किया जा सकता है। जिन्हें आप कंपनी या उत्पाद को अंतिम रूप देने से पहले अपनी वेबसाइट या एग्रीगेटर्स की वेबसाइट पर जाकर आसानी से तुलना कर सकते हैं।

अभिजीत गुलानिकर, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस

रोस्टेड ब्रोकली

सामग्री

- 250 ग्राम ब्रोकली
- काली मिर्च पाउडर
- 2 चम्मच भूनी हुई मूंगफली
- 2 चम्मच रिफाइन्ड तेल
- 1 लहसुन की कली
- 2 लाल मिर्च
- नमक स्वादानुसार

विधि

ब्रोकली के छोटे-छोटे फूल काट लें। उसमें अदरक और लाल मिर्च डाल दें। एक पैन में तेल गर्म करें और उसमें कटा हुआ अदरक डालकर छौंक लगाएं। अब इसमें कटा हुआ ब्रोकली, लाल मिर्च डालें और नमक डाल दें। इसे तब तक फ्राई करें जब तक ब्रोकली हल्की पक न जाए। फ्लेम को हाई रखें ताकि ब्रोकली क्रंची बनी रहे। रोस्टेड मूंगफली को इसमें जालकर चलाएं और काली मिर्च मिला लें। इसे गर्मागर्म सर्व करें।

भारत की महिलाएं अपने खुद के स्वास्थ्य को क्यों नहीं देतीं प्राथमिकता

18 वर्षीय बेटी आलिया कहती है, मुझे अपनी मां से सबसे ज्यादा प्यार है, वह निस्संदेह मुझे और मेरे भाई को हमेशा किसी और चीज से पहले रखती है। वह हमेशा यह सुनिश्चित करने के लिए अपने रास्ते से बाहर चली जाती हैं कि हमें कुछ भी समझौता करने की जरूरत नहीं है, भले ही इसका मतलब खुद को या उसकी जरूरतों को वापस लेना हो। जब बेंगलुरु की इस कामकाजी मां शालिनी को पहली बार एक साल पहले सीने में दर्द होने लगा, तो उसने तनाव को एक कारण माना। प्रारंभ में, दर्द कम घटनाओं में दुर्लभ था, लेकिन फिर यह अधिक से अधिक लगातार हो गया। मैंने तब इसे गंभीरता से नहीं लिया था। लेकिन एक दिन कार्यालय में, दर्द बढ़ गया और प्रतिकूल हो गया। उसके सहकर्मियों ने इन-हाउस डॉक्टर को बुलाया जिसने उसे उचित चिकित्सा हस्तक्षेप के लिए नजदीकी अस्पताल ले जाने की सिफारिश की। अस्पताल में डॉक्टरों ने तत्काल निदान किया जिससे पता चला कि उसे दिल का दौरा पड़ रहा है। सौभाग्य से, इसने अस्पताल में तत्काल और त्वरित उपचार किया। आज, शालिनी परिवार के साथ एक स्वस्थ जीवन जीने के लिए वापस आ गई है। शालिनी कहती हैं, मेरा मानना है कि यह अहसास का पल था, जिसे मुझे सेहत का ज्यादा ख्याल रखना था। यह मेरे स्वास्थ्य और मेरे बच्चों के भविष्य में एक निवेश था। इसका एक सामान्य उदाहरण यह तथ्य है कि भले ही हर साल अधिक महिलाएं दिल की बीमारी से मरती हैं, बहुत कम महिलाओं को सभी स्टेंट, एंजियोप्लास्टी और बाईपास सर्जरी प्राप्त होती हैं।

आमतौर पर जीवन के सभी क्षेत्रों की महिलाएं हर समय मल्टीटास्क करती हैं। दुर्भाग्य से, वे अपने स्वास्थ्य के बारे में बहुत सतर्क नहीं हैं। महिलाएं गृहिणी के रूप में और कार्यबल में कर्मचारियों के रूप में परिवार की सहायता प्रणाली हैं। हाल ही में हुए एक सर्वेक्षण के अनुसार, कुल उत्तरदाताओं में से 16 फीसदी किसी भी परीक्षण के लिए नहीं गए जबकि 63 फीसदी केवल स्वास्थ्य जांच के लिए गए, यदि वे अस्वस्थ थे। यह भी पता चला कि केवल 39 फीसदी महिलाओं को किसी भी स्वास्थ्य कवर द्वारा कवर किया गया था। जिन लोगों का बीमा नहीं किया गया था, उनमें से 53 फीसदी ने कभी भी हेल्थ इंश्योरेंस खरीदने का विचार नहीं दिया। सर्वेक्षण ने यह भी संकेत दिया कि 80 फीसदी से अधिक पुरुषों और महिलाओं ने साक्षात्कार में माना कि ब्रेडविनर को मुख्य रूप से स्वास्थ्य और जीवन से संबंधित खतरों के खिलाफ बीमा किया जाना चाहिए।

इस तेज-तर्रार जीवनशैली में महिलाएं अपने स्वास्थ्य को नजरअंदाज करती हैं, जो कई स्वास्थ्य समस्याओं को जन्म देती है। कई महिलाएं कुपोषण, मोटापा, मधुमेह, एनीमिया, चयापचय संबंधी विकार, गठिया और दिल से संबंधित बीमारियों, कैंसर, गर्भकालीन मधुमेह, प्रजनन स्वास्थ्य, अवसाद आदि जैसी बीमारियों से जूझ रही हैं। ऐसा अनुमान है कि भारत में लगभग 20-40: मातृ मृत्यु दर है। मौतें एनीमिया के कारण होती हैं। आज, महिलाओं को अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने की अधिक आवश्यकता है क्योंकि पूरा घर उसके चारों ओर घूमता है। महिलाओं के लिए जितना संभव हो सके स्वस्थ रहना महत्वपूर्ण है, चाहे वह अपने या अपने परिवार के लिए हो। सबसे पहले, एक महिला को खुद के लिए समय निकालना चाहिए। दूसरे, एक उचित संतुलित और मिश्रित आहार खाने पर जोर देना बहुत आवश्यक है। तीसरा, लेकिन कम से कम, उचित मात्रा में व्यायाम करना महत्वपूर्ण है।

अनुराधा श्रीराम, आदित्य बिड़ला हेल्थ इंश्योरेंस

शिमला मिर्च थेपला

सामग्री

- 1 बड़ा कप आटा
- 1/2कप दही
- 1/4कप बारीक कटी लाल शिमला मिर्च
- 1/4 कप मैश किया पनीर
- 1 चम्मच बारीक कटा अदरक
- 1/4चम्मच बारीक कटी हरी मिर्च
- 1 बड़ा चम्मच कटी हरी धनिया पत्ती
- नमक स्वादानुसार
- 1/2 चम्मच अनारदाना पाउडर
- तेल आवश्यकतानुसार।

विधि

आटे में एक चम्मच तेल व शेष सभी सामग्री मिला लें। आवश्यकतानुसार पानी डालते हुए नरम गूंथ लें। 10 मिनट के लिए ढंककर रख दें। अब तैयार आटे की पेड़ियां बनाएं। प्रत्येक पेड़ी को बेलकर थेपले का आकार दें। तवा गरम करें। थेपले को तवे पर डालकर चारों ओर तेल छोड़ते हुए धीमी से तेज आंच पर दोनों ओर से सेंकें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा. नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-6-8-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): आत्मविश्वास बढ़ेगा। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। मांगलिक कार्योंक्रमों का आयोजन होगा। शुभांक-2-5-8

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-5-7-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंग। शुभांक-4-5-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शुभांक-1-3-6

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगें। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। शुभांक-2-4-6

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-5-7-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नही। शुभांक-3-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-4-6-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। स्वविवेक से कार्य कर। शुभांक-3-6-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। यात्रा का योग। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूंजी निवेश सोच-समझकर करें। शुभांक-2-4-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शत्रुहानि की आशंका रहेगी। आय के योग बनेंगे। किसी की सफलता से प्रेरित होंगे। शुभांक-1-3-5

काकुरो पहेली · 5016

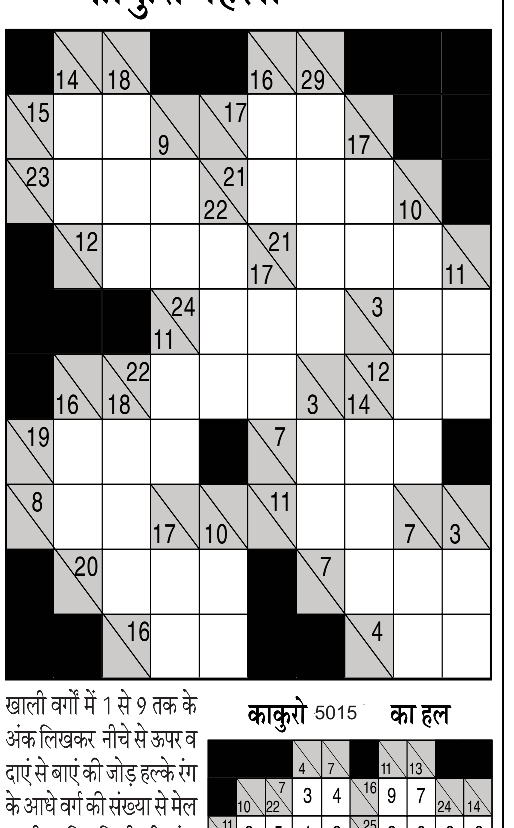

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए, किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

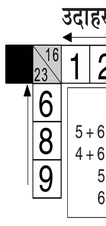

5+6+7+8+9=35
4+6+7+8+9=34
5+7+8+9=29
6+7+8+9=30

काकुरो 5015 का हल

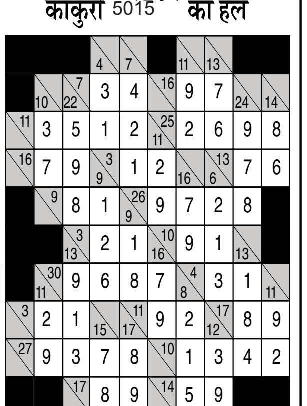

लॉफिंग ज़ोन

एक साधु बाजार में घूम रहा था। रास्ते में वह एक दुकानदार से बोला– बच्चा! साधु बाबा को कुछ दक्षिण दे दें। प्रभु की लीला हुई तो तेरी किस्मत पूरी तरह बदल जाएगी।

दुकानदार बोला– साधु बाबा, आप तो मुझे माफही करो। मुझे प्रभु की लीला नहीं चाहिए, पहले ही मैं अपनी एक लीला से परेशान हूं। दूसरी लीला का मैं क्या करूँगा।

□ □ □

एक नवविवाहित पति–पत्नी एक बहुत शानदार मकान में जीवन व्यतीत कर रहे थे। कुछ दिन बाद ही शहर में कुछ प्रसिद्ध कलाकारों का आगमन हुआ, उनके पास डाक से नाटक के दो टिकट आए।

टिकटों के साथ एक पर्चा था, जिस पर लिखा हुआ था– यह उपहार मैं भेज रहा हूँ। भेजने वाला बाद में आएगा।

पति–पत्नी खुश होकर नाटक देखने गए। जब आधी रात को घर लौटे तो देखा कि घर की सभी वस्तुओं का सफाया हो चुका था।

मेज पर कागज का एक पर्चा पड़ा था, जिस पर लिखा था– अब पता चला टिकट किसने भेजे थे?

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली-5016

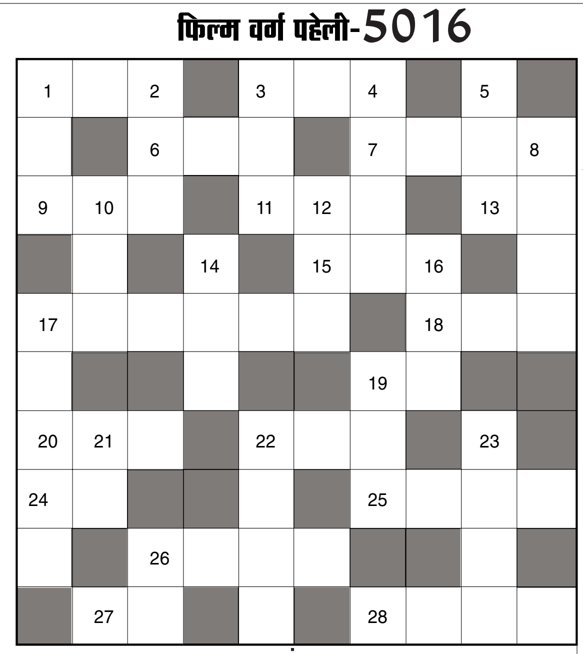

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, संजीवकुमार, सचिन, हेमा, राखी, पूनम ढिल्लों की फिल्म–३
३. 'दिल मेरा कहता है' गीत वाली सुनील, हरीश, सोनाली की फिल्म–३
६. तुषार कपूर, अंतरा माली की फिल्म–३
७. 'नीले गगन के तले' गीत वाली सुनील दत्त, मुमताज की फिल्म–४
९. 'जुबलीकुमार' राजेंद्रकुमार की पहली फिल्म जिसकी नायिका गीता बाली थी–३
११. अशोककुमार, नादिरा की 'काहे जादू किया मुझको' गीत वाली फिल्म–३
१३. सुपर हिट फिल्म 'शोले' में धर्मेन्द्र के किरदार का नाम क्या था–२
१५. कुमार गौरव, शरनाज की 'जिंदगी कब तुम को' गीत वाली फिल्म–३
१७. 'आजा आजा मैं हूँ प्यार' गीत वाली शम्मीकपूर, आशा की फिल्म–३,३
१८. सतीश कौल, सरिता की बी. आर. इशारा निर्देशित १९७४ की एक फिल्म–३
१९. 'चोरी चोरी कोई आए' गीत वाली फारूख शेख, पूनम का फिल्म–२
२०. गोविंदा, रवीना की 'तेरे प्यार ने ये क्या कर दिया' गीत वाली फिल्म–३
२२. 'दुनिया में कितना' गीत वाली राजेश खन्ना, स्मिता पाटिल की फिल्म–३
२४. मनोज बाजपेयी, उर्मिला की जोड़ी वाली रामगोपाल वर्मा की एक फिल्म–२
२५. 'आधा है चंद्रमा रात आधी' गीत वाली महीपाल, संध्या की फिल्म–४
२६. विनोद मेहरा, मौसमी की 'तेरे नैनों के मैं दीप' गीत वाली फिल्म–४
२७. 'हम' में नायिका किमी काटकर के किरदार का नाम क्या था–२
२८. बलराज साहनी, लीला की 'हाये रे वो दिन क्यूं ना' गीत वाली फिल्म–४

ऊपर से नीचे:-

१.'तिरछी टोपी वाले' गीत वाली फिल्म–३
२. आमिर खान, ग्रेसी सिंह की फिल्म–३
३. 'एहसान मेरे दिल पे तुम्हारा है' गीत वाली सुनीलदत्त, साधना की फिल्म–३
४. गीफा अवार्ड्स में किस को फिल्म 'रंग दे बसंती' के लिये सर्वश्रेष्ठ संगीतकार का पुरस्कार मिला था–४
५. ओमपुरी, शबाना आजमी, माधुरी की सुधीर मिश्रा निर्देशित फिल्म–३
८. बी. आर. इशारा निर्देशित विजय अरोड़ा, रीना राय की १९९२ की एक फिल्म–४
१०. जिमी, उदय चोपड़ा, इरफान, नम्रता की 'राहें लहरा के हम से' गीत वाली फिल्म–३
१२. 'रंग और नूर की बारात किसे' गीत वाली सुनीलदत्त, मीना की फिल्म–३
१४. मिथुन, सारिका की 'साथी है हम जनमों के' गीत वाली फिल्म–३
१६. 'दिल लूटने वाले जादूगर' गीत वाली रंजन, चित्रा जयश्री की फिल्म–३
१७. मिथुन, चंकी, ऋतुपर्णा, सोमी की 'जब मैंने तेरा' गीत वाली फिल्म–३,२
१९. फिल्म 'बंदिवी' की नायिका कौन थी–३
२१. अजय देवगन, ट्विंकल खन्न की 'बेईमान पिया रे' गीत वाली फिल्म–२
२२. फिरोज खान, मुमताज की फिल्म–४
२३. विनोद खन्ना, आमिर, सैफ, अश्विनी भावे, रवीना, नीलम की 'हम बंजारे दिल नहीं देते' गीत वाली फिल्म–४
२६. जितेन निर्देशित मिथुन चक्रवर्ती, राखी, नीता मेहता की १९८६ की एक फिल्म–२

फिल्म वर्ग पहेली-5015

प	र	दे	स	■	शा	ली	मा	र	■
हे	■	व	र	दा	न	■	सु	■	ही
ली	ड	र	■	न	■	ओ	म	का	श
■	र	■	शि	व	श	म	■	पों	■
जु	■	दा	वा	■	ज	■	फ	रे	ब
बै	श	ग	■	चा	ह	त	■	ट	■
दा	■	■	शि	■	ठ	■	दा	■	अ
■	स	त्य	का	म	■	श	मा	■	न
दौ	ड़	■	र	जा	मु	श	द	■	क
■	क	र्ज	■	ल	■	बी	■	जू	ही

सूडोकु 5016

3				8				9
		8	6		9	5		
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
		6	4		5	8		
9				1				7

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -5015 हल

8	2	4	3	9	7	5	1	6
3	5	6	1	4	2	7	8	9
1	9	7	6	5	8	2	3	4
9	6	2	5	8	3	1	4	7
5	3	1	4	7	9	8	6	2
4	7	8	2	1	6	9	5	3
2	8	3	9	6	1	4	7	5
6	1	5	7	2	4	3	9	8
7	4	9	8	3	5	6	2	1

शब्द पहेली - 5016

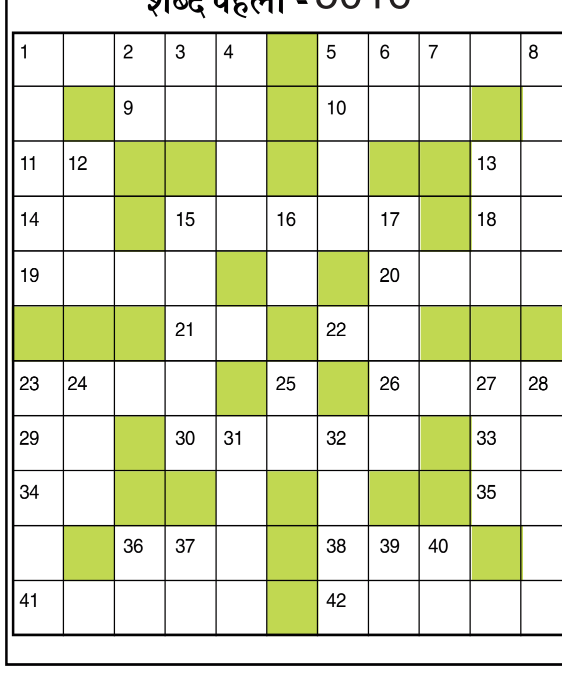

बाएँ से दाएँ

1.यश प्राप्त करना–5
5.चतुर, जहीन–5
9.दया, तरस–3
10.कामदेव–3
11.लीन, तल्लीन–2
13.बोली, आवाज–2
14.राजदुर्वा–2
15.एक प्रकार का बिस्किट–2,3
18.मत, सलाह–2
19.जो लायक न हो–4
20.अधीनस्थ–4
21.कहानी, गाथा–2
22.श्रवणेंद्रिय–2
23.कुएं से पानी भरने का चबूतरा–4
26.दान देने वाला–4
29.वरदान, दूल्हा–2
30.पत्नी का नाना–2,3
33.सूर्य, दिनकर–2
34.भीगा हुआ–2
35.सुर आलाप–2
36.फूलों का रस,अर्क–3
38.तरंग, हिलोर–3
41.जरुरतमंद–5
42.सेंधमार–5

ऊपर से नीचे

1.नामकरण–5
2.टैक्स,हाथ–2
3.महीना, मास–2
4.नामवर, प्रसिद्ध–4
5.संधि, सामंजस्य–4
6.सरुर, नशा–2
7.झंकार–2
8.रमण योग्य–5
12.तगारी, नांद–3
13.सुअर–3
15.अभिमान मर्दित होना –2,3
16.समाप्त–2
17.नेकनीयत–5
23.हनुमान–3,2
24.मुलायम–3
25.उम्मीद, आशा–2
27.बहादुरी–3
28.शिव, रविलोचन–2,3
31.नामचीन–4
32.सुसंचालन–4
36.चेहरे का तेज, दर्प–2
37.रिश्तेदार–2
39.अधिकार–2
40.ईश्वर, भगवान–2

शब्द पहेली -5015 का हल

छत्तीसगढ़ के अबूझमाड़ में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में छह नक्सली ढेर

एजेंसी

नारायणपुर/रायपुर। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित जिला नारायणपुर के महाराष्ट्र सीमा पर अबूझमाड़ के जंगलों में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई। मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने छह नक्सलियों को मार गिराया है। इसमें नक्सलियों के शीर्ष कमांडर के ढेर होने की सूचना है। अब तक मुठभेड़ स्थल से छह नक्सलियों के शव, एके-47/एसएलआर राइफलें, अन्य हथियार, विस्फोटक सामग्री बरामद की गई है। अभियान जारी है। बस्तर आईजी सुंदरराज पी ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि अबूझमाड़ क्षेत्र में नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना पर सुरक्षाबलों की संयुक्त टीमों ने सर्चिंग अभियान शुरू किया था। इस अभियान के दौरान सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच आज दोपहर से चल रही लगातार मुठभेड़ अभी भी जारी है। अब तक की सर्चिंग कार्रवाई में मुठभेड़ स्थल से छह नक्सलियों के शव बरामद किए गए हैं। बस्तर आईजी सुंदरराज पी ने बताया कि अब तक की सर्चिंग कार्रवाई में मुठभेड़ स्थल से 6 माओवादियों के शव एके-47/एसएलआर राइफलें, अन्य हथियार, विस्फोटक सामग्री बरामद की गई हैं। अभियान पूर्ण होने के बाद विस्तृत विवरण उपलब्ध कराया जाएगा।

विहिप की केंद्रीय प्रबंध समिति की द्विदिवसीय बैठक 19 से जलगांव में

मुंबई। विश्व हिंदू परिषद(विहिप) की केंद्रीय प्रबंध समिति की द्विदिवसीय बैठक जलगांव में 19 और 20 जुलाई को संपन्न होगी। इस बैठक में परिषद के केंद्रीय पदाधिकारी क्षेत्र तथा देश भर के सभी प्रांतों से कार्यकर्ता शामिल होंगे। विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय महामंत्री बजरंग बागड़ा ने पत्रकारों को बताया कि इस बैठक में हिंदू समाज के समक्ष खड़ी चुनौतियों पर गहन चर्चा की जाएगी। साथ ही हिंदू समाज की अस्मिता को बचाने के लिए अवैध धर्मांतरण रोकने का हमारा अभियान निरंतर जारी है। बजरंग दल और दुर्गावाहिनी इस दिशा में देश भर व्यापक जनजागरण कर रहे हैं। गोरक्षा और कन्या सुरक्षा परिषद की प्राथमिकता हमारा मुख्य उद्देश्य है। बैठक में इस चुनौती से निपटने के लिए राष्ट्रव्यापी नशामुक्ति अभियान की योजना तय की जाएगी। इस विशेष अभियान को विहिंप के युवा संगठन बजरंग दल और दुर्गा वाहिनी प्रमुख रुप से आगे बढाएंगे। इसके अंतर्गत विद्यालयों, महाविद्यालयों और समाज के विभिन्न वर्गों में जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। बैठक में यह भी तय किया जाएगा कि युवाओं में नशा मुक्ति अभियानों को प्रभावी बनाने के लिए समाज के विभिन्न संगठनों, समूहों और शासन के साथ समन्वय कैसे बढ़ाया जाए।

टाटा समूह ने एयर इंडिया विमान दुर्घटना पीड़ितों के लिए बनाया कल्याण ट्रस्ट

नई दिल्ली। टाटा संस और टाटा ट्रस्ट ने अहमदाबाद में एयर इंडिया विमान हादसे के पीड़ितों के लिए 500 करोड़ रुपये का कल्याणकारी ट्रस्ट गठित किया है। इस विमान हादसे में कुल 260 लोगों की मौत हो गई थी। टाटा संस ने एक बयान में बताया कि एयर इंडिया ड्रीमलाइनर विमान से जुड़ी अहमदाबाद विमान दुर्घटना के पीड़ितों के परिवारों की मदद के लिए समूह ने 500 करोड़ रुपये की निधि के साथ एक सार्वजनिक ट्रस्ट गठित किया गया है। उन्होंने कहा कि एआई-171 मेमोरियल एंड वेलफेयर ट्रस्ट का पंजीकरण मुंबई में कराया गया है। बयान के मुताबिक टाटा संस और टाटा ट्रस्ट ने इस कल्याणकारी ट्रस्ट को 250-250 करोड़ रुपये देने का वादा किया है। इस ट्रस्ट का प्रबंधन और प्रशासन पांच सदस्यीय न्यासी बोर्ड करेगा। फिलहाल बोर्ड में टाटा समूह के पूर्व दिग्गज एस. पद्मनाभन और टाटा संस के जनरल काउंसल सिद्धार्थ शर्मा को न्यासी नियुक्त किया गया है।उल्लेखनीय है कि 12 जून, 2025 को अहमदाबाद से लंदन गैटविक जा रहा एयर इंडिया एयरलाइंस का बोइंग 787-8 विमान उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें 241 यात्रियों सहित 260 लोग मारे गए। इस विमान में सवार यात्रियों में से केवल एक ही जीवित बचा है।

मुंबई के एनएफडीसी कॉम्प्लेक्स में आईआईसीटी का पहला परिसर खुला

मुंबई। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मुंबई में एनएफडीसी कॉम्प्लेक्स में प्रशासनिक परिसर और कक्षाओं सहित इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ क्रिएटिव टेक्नोलॉजी (आईआईसीटी) के पहले परिसर का उद्घाटन किया। इसके बाद एनएफडीसी-राष्ट्रीय भारतीय सिनेमा संग्रहालय (एनएमआईसी) के गुलशन महल में वेव्स 2025 भारत मंडप का औपचारिक उद्घाटन किया गया। वैष्णव ने कहा कि यह एक ऐसी पहल है, जो देश के युवाओं के लिए नए अवसर पैदा करेगी। इस संस्थान का उद्देश्य रचनात्मक अर्थव्यवस्था में काम करने वालों को अत्याधुनिक तकनीक, कौशल और विश्वस्तरीय उपकरण प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि आईआईसीटी की स्थापना के लिए अब तक 400 करोड़ रुपये का कोष स्वीकृत किया जा चुका है और अगला बड़ा परिसर मुंबई फिल्म सिटी में स्थापित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि आईआईसीटी की इमारत इसके डिज़ाइन परिवेश और भौगोलिक विशेषताओं को ध्यान में रखकर बनाई जाएगी। वैष्णव ने कहा कि इस आईआईसीटी की गूगल, मेटा, एनवीडिया, माइक्रोसॉफ्ट, एप्पल, एडोब जैसी वैश्विक कंपनियों के साथ औपचारिक साझेदारी है और न्यूयॉर्क विश्वविद्यालय के साथ एक समझौते पर भी हस्ताक्षर किए गए हैं।

लोकसभा अध्यक्ष ने कोरिया के पूर्व पीएम से मुलाकात में भारत की आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस नीति को दोहराया

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने संसद भवन में दक्षिण कोरिया के पूर्व प्रधानमंत्री किम बू क्यूम के नेतृत्व वाले एक संसदीय प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक के दौरान भारत की आतंकवाद के प्रति 'जीरो टॉलरेंस' की अटूट नीति को दोहराया। बिरला ने जम्मू-कश्मीर में हुए हालिया आतंकवादी हमले कड़ी निंदा करते हुए कहा कि इस प्रकार की जघन्य घटनाएं अंतरराष्ट्रीय समुदाय की अंतरात्मा को झकझोर देती हैं।बिरला ने कोरिया की जनता को हाल ही में सम्पन्न राष्ट्रपति चुनाव के सफल आयोजन पर बधाई दी और भारतीय संसद की ओर से नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ली जे-म्युंग को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि राष्ट्रपति ली के नेतृत्व में भारत-कोरिया संबंध और अधिक प्रगाढ़ होंगे, विशेष रूप से इस बात को ध्यान में रखते हुए कि वे पहले कोरिया-भारत संसदीय मैत्री समूह के

अध्यक्ष रह चुके हैं। कोरियाई लोकतंत्र की मजबूती को रेखांकित करते हुए बिरला ने कहा कि भारत, जो विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति इस साझा प्रतिबद्धता को अत्यंत महत्व देता है। उन्होंने यह भी कहा कि दोनों देशों की संसदें अपनी-अपनी जनता की आकांक्षाओं और विविधता को प्रतिबिंबित करती हैं। बैठक के दौरान लोकसभा अध्यक्ष ने प्रतिनिधिमंडल को सूचित किया कि संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से 21 अगस्त तक आयोजित किया जाएगा, जिसमें विधायी कार्यों के साथ-साथ राष्ट्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी चर्चा की जाएगी। शासन में प्रौद्योगिकी की परिवर्तनकारी भूमिका को रेखांकित करते हुए बिरला ने बताया कि भारतीय संसद ने पारदर्शिता, दक्षता और नागरिक सहभागिता को बढ़ाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग सहित अत्याधुनिक डिजिटल उपकरणों को अपनाया है। उन्होंने दक्षिण कोरिया के साथ इस अनुभव और तकनीकी विशेषज्ञता को साझा करने की इच्छा व्यक्त की, ताकि लोकतांत्रिक संस्थाओं और प्रक्रियाओं को सुदृढ़ किया जा सके।कोरियाई राष्ट्रीय विधानसभा में कोरिया-भारत संसदीय मैत्री समूह के गठन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बिरला ने जानकारी दी कि भारतीय संसद में भी ऐसा ही एक समूह गठित करने पर विचार किया जा रहा है।

दरबार साहिब में बम धमाके की धमकी भरी आठवीं मेल आई

एजेंसी

चंडीगढ़। अमृतसर स्थित स्वर्ण मंदिर को बम से उड़ाने की धमकी एक बार फिर से मिली है। यह धमकी शनिवार को ईमेल के माध्यम से भेजी गई है। पिछले 6 दिनों में आठ बार ईमेल के माध्यम से स्वर्ण मंदिर को बम से उड़ाने की धमकी दी जा चुकी है।शनिवार को मिली धमकी के बाद पंजाब पुलिस के अलावा सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) भी सतर्क हो गई है। अमृतसर सीमावर्ती क्षेत्र होने के कारण यहां कुछ क्षेत्र बीएसएफ के अधीन आता है। अब बीएसएफ ने दरबार साहब परिसर में अपनी गश्त बढ़ा दी है। दरबार साहब में लगातार मिल रही धमकियों के बाद यहां पहुंचे पूर्व सांसद एवं भाजपा नेता श्वेत मलिक ने कहा कि उन्होंने यह मुद्दा केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के समक्ष उठा दिया है। इस बीच अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार ज्ञानी कुलदीप सिंह गड़गज ने केंद्र व राज्य पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं। कुलदीप सिंह ने कहा है कि सरकारी जांच एजेंसियां असल आरोपितों तक नहीं पहुंच पाई हैं। यह आश्चर्यजनक बात है। इस मुद्दे पर पहली बार मीडिया के सामने आए, जत्थेदार ने कहा है कि पुलिस द्वारा हिरासत में लिए गए आरोपित से क्या पता चला है ? और पुलिस की जांच कहां तक पहुंची है?, इस बारे में कोई भी जानकारी नहीं है। इन घटनाओं से दरबार साहब की गरिमा को ठेस पहुंचाई जा रही है और यहां आने वाले श्रद्धालुओं के मन में भी आशंकाएं पैदा हो रही हैं।उल्लेखनीय है कि अमृतसर पुलिस इस मामले में फरीदाबाद से एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर को हिरासत में लेकर उससे पूछताछ कर रही है।

मोदी ने तृणमूल की सरकार को बताया बंगाल के विकास में बाधक, कहा- भाजपा को दें मौका

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पश्चिम बंगाल में एक जनसभा को संबोधित करते हुए तृणमूल कांग्रेस की सरकार को राज्य के विकास में सबसे बड़ी रुकावट बताया। उन्होंने जनता से अपील करते हुए कहा कि एक बार भाजपा को अवसर दें और ऐसी सरकार चुनें जो कामदार, ईमानदार और दमदार हो। प्रधानमंत्री ने दुर्गापुर में भाजपा द्वारा आयोजित राजनीतिक जनसभा के दौरान यह बातें कहीं। इससे पहले उन्होंने एक अन्य कार्यक्रम में 5400 करोड़ की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया।

उन्होंने कहा कि तृणमूल सरकार, बंगाल के विकास के आगे दीवार बनकर खड़ी है। जिस दिन यह दीवार गिरेगी, उसी दिन से राज्य में विकास को नई गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा का लक्ष्य एक समृद्ध और विकसित बंगाल का निर्माण करना है। प्रधानमंत्री ने राज्य की बिगड़ती कानून व्यवस्था, निवेश में गिरावट और युवाओं के पलायन को लेकर तृणमूल सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा कि बीते दशकों में हिंसा, पक्षपातपूर्ण पुलिसिंग और न्याय

प्रणाली में अविश्वास के कारण बंगाल निवेश के लिए अनाकर्षक बन गया है। राज्य सरकार लोगों और व्यवसायों की सुरक्षा करने में विफल रही है, जिससे संभावित निवेशकों की चिंताएं और बढ़ी हैं। प्रधानमंत्री ने शिक्षा व्यवस्था की दुर्दशा पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि तृणमूल सरकार ने प्राइमरी से लेकर हायर एजुकेशन को भ्रष्टाचार और अपराध के हवाले कर दिया है। हजारों योग्य शिक्षक बेरोजगार हैं और लाखों बच्चों का भविष्य अधर में है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह संकट सीधे टीएमसी की नीतियों और भ्रष्टाचार से जुड़ा है। उन्होंने राज्य की बेटियों की सुरक्षा का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि मां, माटी, मानुष की बात करने वाली सरकार में अस्पताल तक महिलाओं के लिए सुरक्षित नहीं हैं। हाल की घटनाएं इस बात का प्रमाण हैं कि तृणमूल सरकार आरोपियों को बचाने में लगी रही है।

पूर्व मुख्यमंत्री करुणानिधि के बड़े बेटे एमके मुथु का निधन

एजेंसी

चेन्नई। दिवंगत द्रविड़ मुन्नेत्र कड़गम (डीएमके) नेता और पूर्व मुख्यमंत्री एम. करुणानिधि के सबसे बड़े बेटे एम.के. मुथु का शनिवार को चेन्नई में निधन हो गया। वह 77 वर्ष के थे। एम. के. मुथु का खराब स्वास्थ्य के कारण चेन्नई के एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा था। सुबह लगभग 8 बजे उनका निधन हो गया। उनके पार्थिव शरीर को श्रद्धांजलि के लिए एनजम्बक्कम स्थित उनके घर पर रखा गया है। एमके मुथु का जन्म 1948 में करुणानिधि की पहली पत्नी पद्मावती से हुआ था। उन्होंने 1970 के दशक में तमिल सिनेमा में अभिनेता के रूप में अपनी शुरुआत की। उन्होंने पिल्लैयो पिल्लई, समयालकरन, अनैयाविलक्कु इंगेयुम मनन और पूक्कारी जैसी फिल्मों में अभिनय किया और जिन फिल्मों में उन्होंने अभिनय किया है, उनमें कुछ गाने भी गाए हैं। उन्होंने डीएमके के मंचों पर पार्टी की नीतियों को समझाते हुए गाने भी गाए हैं। मुथु के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने कहा कि उन्होंने एक ऐसा भाई खो दिया है, जो उन पर माता-पिता के समान स्नेह बरसाता था। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर जारी

शोक संदेश में कहा कि आज सुबह प्यारे बड़े भाई एम.के. मुथु के निधन की खबर सुनकर मेरे ऊपर मानो बिजली गिर गई। अपने प्यारे भाई, जिसने मुझे मां और पिता के समान स्नेह दिया, को खोने का बहुत दुःख है स्टालिन ने आगे लिखा कि अभिनय, संवाद अदायगी और शारीरिक भाषा में उनकी एक अनूठी शैली थी। इसी प्रतिभा और उत्साह के कारण उन्होंने 1970 में फिल्म उद्योग में प्रवेश किया। अपनी पहली ही फिल्म में उन्होंने दोहरी भूमिका निभाई। पिल्लैयो पिल्लई, पुक्कारी, समयालकरन और अनैयाविलक्कु जैसी फिल्मों के माध्यम से वह तमिलनाडु के दर्शकों के दिलों में स्थायी रूप से बस गए। उनमें एक दुर्लभ विशिष्टता थी जो कई अभिनेताओं में नहीं थी। वे अपनी आवाज में मधुर गीत गाने की क्षमता रखते थे। उनके गीत आज भी कई लोगों के लिए अविस्मरणीय हैं। वे हमेशा मेरे प्रति स्नेह रखते थे। मुझे निरंतर प्रोत्साहित करते रहते थे। जब भी मैं उनसे मिलने जाता था, वे स्नेहपूर्वक पुरानी यादें साझा करना अपनी आदत बना लेते थे। भाई एम.के. मुथु अपने प्रेम के माध्यम से, अपनी कला और गीतों के माध्यम से लोगों के दिलों में सदैव जीवित रहेंगे। मैं उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

केरल के कालड़ी में 25 से 28 जुलाई के बीच ज्ञान सभा का आयोजन, संघ प्रमुख डॉ भागवत रहेंगे मौजूद

एजेंसी

नई दिल्ली। आदि शंकराचार्य की जन्मभूमि कालड़ी (केरल) में 25 से 28 जुलाई के बीच ज्ञान सभा आयोजित की जा रही है। चार दिवसीय कार्यक्रम के प्रथम दो दिन राष्ट्रीय चिंतन बैठक का आयोजन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत के सानिध्य में संपन्न होगा। इसमें संगठन की कार्य-योजना और लक्ष्य के दृष्टिकोण की दिशा में अल्पकालिक और दीर्घकालिक कार्य-योजना पर चिंतन होगा। न्यास के राष्ट्रीय सचिव डॉ. अतुल कोठारी ने यहां पत्रकार वार्ता में बताया कि इसके अतिरिक्त 27 जुलाई को शिक्षा में भारतीयता विषय पर एक सार्वजनिक कार्यक्रम भी प्रस्तावित है, जिसमें शिक्षा में भारतीयता विषय पर मोहन भागवत

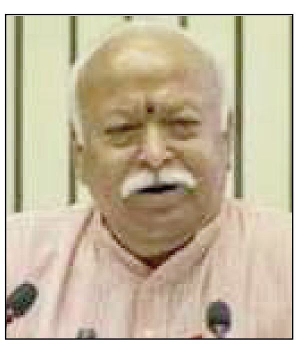

का व्याख्यान होगा। इसमें केरल के राज्यपाल राजेंद्र अर्लेकर की विशेष उपस्थिति रहेगी। इस सम्मेलन में प्रमुख रूप से केरल के शिक्षाविद व गणमान्य नागरिक सहभागिता करेंगे। 28 जुलाई को ज्ञान सभा : विकसित भारत हेतु शिक्षा विषय पर एक राष्ट्रीय शैक्षिक मंथन का आयोजन होगा। डॉ. अतुल कोठारी ने कही। उन्होंने आगे कहा कि इस महत्वपूर्ण आयोजन में अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद के अध्यक्ष प्रो टीजी सीताराम, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के उपाध्यक्ष प्रो दीपक श्रीवास्तव, माता अमृतानंदमयी, महर्षि महेश योगी संस्थान, गायत्री परिवार, पतंजलि, आर्ट ऑफ लिविंग, स्वामी विवेकानंद योग अनुसंधान केंद्र आदि जैसे विभिन्न राष्ट्रव्यापी आध्यात्मिक, शैक्षिक संगठनों एवं संस्थानों के प्रमुख तथा विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति, केंद्रीय संस्थानों के निदेशक भी उपस्थित रहेंगे। साथ ही इस आयोजन में उत्तराखंड, राजस्थान, मध्य प्रदेश, गुजरात, पुदुचेरी के शिक्षा मंत्रियों तथा शिक्षा सचिवों की भी विशेष उपस्थिति रहेगी।

संगठनात्मक योजना : देशभर में न्यास के कार्यों की समीक्षा और आगामी चार वर्षों की कार्ययोजना पर मंथन होगा। भारतीय शिक्षा का पुनरुत्थान : शिक्षा में भारतीयता के तत्वों की पहचान और संस्थागत कार्यों में उसका समावेश। ज्ञानोत्सव से ज्ञान महाकुंभ तक : भारत में नवशैक्षिक चेतना के जागरण हेतु चलाए गए अभियानों की समीक्षा एवं भावी रणनीति।

हरिद्वार कांवड़ मेला : दो करोड़ से ज्यादा शिवभक्तों ने भरा गंगाजल

एजेंसी

हरिद्वार। हरिद्वार में श्रावण मास के विश्व प्रसिद्ध कांवड़ मेले को शुरू हुए आठ दिन बीत चुके हैं। प्रशासन के अनुसार, इस दौरान दो करोड़ से ज्यादा कांवड़ियों ने हरिद्वार से गंगा जल भर कर अपने गंतव्य स्थानों के लिए प्रस्थान किया है। शिवभक्तों के हुजूम से हरिद्वार पूरी तरह भगवामय हो गया है। आज से डाक कांवड़िए भी अपने वाहनों के साथ हरिद्वार पहुंचने लगे हैं। कांवड़ियों द्वारा रंग बिरंगी सजी हुई कांवड़ रूपीझांकियों से शहर में उत्सव का माहौल है। पुलिस प्रशासन द्वारा जारी बुलेटिन के अनुसार, छह बजे तक 44 लाख कांवड़ियों ने हरिद्वार से गंगाजल भरकर अपने अभीष्ट शिवालयों के लिए प्रस्थान किया है। कांवड़ मेले के नोडल अधिकारी एसपी सिटी पंकज गैराला ने बताया कि कांवड़ मेला शुरू होने के बाद से तक 02 करोड़ 90 हजार कांवड़िए जल

भरकर अपने गंतव्यों को रवाना हो चुके हैं। पुलिस प्रशासन की बुलेटिन के मुताबिक आज गंगा में डूब रहे 11 कांवड़ियों को एसडीआरएफ व सेना की टीम ने सकुशल रेस्क्यू किया। खोए हुए 34 लोगों में से 28 को पुलिस ने ढूंढकर परिजनों से मिलाया। कांवड़ियों की भारी भीड़ के बावजूद हरिद्वार जनपद में कानून व यातयात व्यवस्था सामान्य रही।

हिमाचल में कहर बना मानसून, अब तक 110 मौतें, 1220 करोड़ की संपत्ति तबाह

एजेंसी

शिमला। हिमाचल प्रदेश में इस बार मानसून भारी तबाही लेकर आया है। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र की रिपोर्ट के अनुसार 20 जून से अब तक पूरे प्रदेश में वर्षा से जुड़े हादसों में 110 लोगों की जान जा चुकी है, जबकि 35 लापता हैं और 199 घायल हुए हैं। सबसे ज्यादा 20 मौतें मंडी जिले में हुई हैं, जहां 27 अभी भी लापता हैं। कांगड़ा में 19, कुल्लू में 11, हमीरपुर और चंबा में 9-9, और सोलन, बिलासपुर व ऊना में 8-8 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। इस बीच मौसम विभाग ने 24 जुलाई तक प्रदेश में भारी बारिश की आशंका जताई गई है। मानसून से राज्य में करीब 1220 करोड़ की संपत्ति को नुकसान पहुंच चुका है। सरकारी विभागों में सबसे ज्यादा नुकसान लोक निर्माण विभाग को हुआ है। इसे करीब 546 करोड़ की क्षति हुई है जबकि

जलशक्ति विभाग को भी 434 करोड़ का नुकसान उठाना पड़ा है। इसके अलावा पूरे प्रदेश में 377 घर और 256 दुकानें पूरी तरह तबाह हो चुकी हैं, वहीं 723 घर आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुए हैं। अकेले मंडी जिले में ही सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है, जहां 350 घर, 233 दुकानें और 746 गौशालाएं पूरी तरह बर्बाद हो गई हैं, जबकि 544 घरों को आंशिक नुकसान पहुंचा है। पशुपालन और कृषि क्षेत्र को भी नुकसान से राहत नहीं मिली है। अब तक प्रदेश में 21,500 पोल्ट्री पक्षी और 1272 पालतू पशु मारे जा चुके हैं। इस मानसून सीजन में हिमाचल में अब तक बादल फटने की 22 घटनाएं, अचानक बाढ़ की 32 घटनाएं और भूस्खलन की 19 घटनाएं दर्ज की गई हैं। भारी बारिश और भूस्खलन से प्रदेशभर में जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। कुल 250 सड़कें यातायात के लिए बंद पड़ी हैं, जिनमें सबसे ज्यादा मंडी जिले में 182 सड़कें बंद हैं। सिरमौर जिले में 26, कुल्लू में 23, कांगड़ा में 10, सोलन में 6 और ऊना में 3 सड़कें बाधित हैं। मंडी जिले में 30 जून को बादल फटने की घटना के बाद से हालात अब तक सामान्य नहीं हो पाए हैं।

जनता के हमदर्द नहीं माकपा और संघ : राहुल गांधी

एजेंसी

कोट्टायम। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और मार्कसवादी कमयुनिस्ट पार्टी (माकपा) पर जनता के प्रति भावनाहीनता का आरोप लगाया है। केरल के पुथुपल्ली में राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री ओमान चांडी की याद में आयोजित स्मृति सभा के दौरान कांग्रेस सांसद ने ये आरोप लगाए हैं। कोट्टायम के पुथुपल्ली में आयोजित ओमन चांडी स्मृति संगमम में सभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने आरएसएस और माकपा पर जनता के प्रति कोई भावना न रखने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि ये लोग विचारधारा से तो लड़ते हैं, लेकिन जनता के प्रति संवेदना का इनमें अभाव है। राहुल गांधी ने कहा , मेरी संघ और माकपा से वैचारिक लड़ाई है, लेकिन मेरी सबसे बड़ी शिकायत ये है कि ये लोगों के बारे में नहीं

सोचते। उनके मन में जनता के लिए कोई भावना नहीं है। मेरी यही सबसे बड़ी शिकायत यह है कि अगर आप राजनीति में हैं तो लोग क्या सोचते हैं, उसे महसूस करें। उनकी बात सुनें और उन तक पहुंचने की कोशिश करें। लेकिन भारतीय राजनीति की त्रासदी है कि आज बहुत कम लोग हैं, जो असल में दूसरों की भावनाओं का ख्याल रखते हैं। राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री ओमान चांडी की पुण्यतिथि पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान राहुल गांधी ने कहा, मेरे लिए ओमान चांडी सिर्फ एक व्यक्ति नहीं हैं, वे केरल की राजनीति की एक अभिव्यक्ति हैं। यहां की राजनीति में ऐसे लोगों को आगे लाने की परंपरा रही है। मेरी आकांक्षा ओमान चांडी जैसे ज्यादा से ज्यादा लोगों को आगे लाने की है। मैं अपने करियर के शुरुआती दिनों में ही ओमान चांडी के संपर्क में आया था और मुझे कहना होगा कि मैंने उनसे बहुत कुछ सीखा है। इससे पहले राहुल गांधी ने केरल प्रदेश कांग्रेस समिति (केपीसीसी) द्वारा आयोजित ओमान चांडी स्मृति सभा और केपीसीसी की धर्मार्थ गतिविधियों की शुरुआत की। उस अवसर पर उन्होंने ओमान चांडी फाउंडेशन द्वारा निर्मित 12 घरों की चाबियां भी सौंपी। सभा में यूडीएफ नेताओं और समुदाय व सांस्कृतिक क्षेत्रों की प्रमुख हस्तियों ने भाग लिया। राहुल गांधी ने वरिष्ठ कांग्रेस नेता और राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री ए.के. एंटनी से भी मुलाकात की।

छत्तीसगढ़ में कार पुल से टकराई, लगी आग, चार युवक जिंदा जले

एजेंसी

कांकेर/रायपुर। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले के आतुरगांव में रात लगभग एक बजे कार (स्विफ्ट डिजायर) हादसे में चार युवकों की जान चली गई। यह कार मूरवैंड से कांकेर जा रही थी। नेशनल हाइवे-30 पर अचानक पुल से टकराई कार में आग लग गई। कार सवार चार युवक जिंदा जल गए।दो युवकों की हालत गंभीर बनी हुई है। कांकेर के पुलिस एसडीओपी मोहसिन खान ने बताया है कि आतुर गांव के पास पुल निर्माण के कारण सड़क डायवर्ट की गई है। तेज रफ्तार की वजह से चालक कार को नियंत्रित नहीं कर सका और वह पुल की रेलिंग से टकरा गई। पुल से टकराने के बाद कार में भीषण आग लग गई। दो युवक छिटककर बाहर जा गिरे। चार युवक कार में ही फंसे रह गए और उन्होंने दम तोड़ दिया। उन्होंने बताया कि हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस की टीम फायर ब्रिगेड के साथ पहुंची। फौरन आग बुझा कर शवों को निकाला गया। मृतकों की पहचान युवराज सोरी (24), कार चालक हेमंत, दीपक और सूरज के रूप में हुई है। प्रीतम नेताम और पृथ्वीराज बुरी तरह झुलसे हुए हैं। यह कार कांकेर के शांति नगर के प्रशांत सिन्हा की बताई गई है।

देशभर में गाड़ियां खरीदने के नाम पर ठगी के पैसों से करते थे ऐश, दो काबू

एजेंसी

गुरुग्राम। गाडियां खरीदने के नाम पर धोखाधड़ी करके ठगी करने के एक महिला समेत दो आरोपी पुलिस के हत्थे चढ़े हैं। उन्हें अदालत में पेश करके दो दिन के रिमांड पर लिया गया। उनके द्वारा ठगी करने के जो पैंतरे आजमाए गए, उनसे पुलिस भी हैरत में पड़ गई। आरोपी पूरे भारत में 15 से अधिक ठगी की वारदातों को अंजाम देकर करीब दो करोड़ रुपये की ठगी कर चुके हैं। साइबर थाना के प्रबंधक निरीक्षक संदीप कुमार की टीम ने इस केस में एक महिला सहित दो आरोपियों को गुरुवार को गुरुग्राम से काबू किया गया है। उनकी पहचान जगमीत सिंह उर्फ सूरज लांबा निवासी सेक्टर-77 गुरुग्राम व अमृता कौर निवासी पालम हिल्स सेक्टर-77 गुरुग्राम के रूप में हुई है। ठगी की वारदातें करने के लिए वे ओएलएक्स पर महंगी गाडि़यों के विज्ञापन देखकर उस गाड़ी के मालिक से संपर्क करते। उसे कुछ रुपये देकर गाड़ी खरीदने के नाम पर गाड़ी बुक देते। फिर उस विज्ञापन को ओएलएक्स से हटवा देते। इसके बाद वे खुद उस गाड़ी की डिटेल डालकर गाड़ी को बेचना निकालते। जो व्यक्ति गाड़ी खरीदने में दिलचस्पी दिखाते, उनसे ये गाड़ी खरीद लेते। ठगी में वे पकड़े ना जाएं, इसके लिए वे गाड़ी खरीदने वाले से पैसा एक ज्वैलर्स के खाते में डलवाते। ज्वैलर्स के पास वे ज्वैलरी खरीदने के नाम पर पैसे डलवाते। पैसे ज्वैलर्स के खाते में जाने के बाद वे वहां से ज्वैलरी लेकर दिल्ली में किसी अन्य ज्वैलर्स को बेच देते। पकड़ी गई हिला साइबर फ्रॉड करने में योजना बनाती और ओएलएक्स पर विज्ञापन डालने का काम करती थी।आरोपियों के अपराधिक रिकॉर्ड से पता चला है कि आरोपी जगजीत सिंह इनोवा गाड़ी की ठगी करने के कारण 30 दिन गुरुग्राम जिला जेल भौंडसी में बंद रह चुका है। फॉर्च्यूनर गाड़ी की ठगी करने के कारण 45 दिन पंजाब के जालंधर जेल में बंद रहा। आरोपी पर साईबर ठगी करने के छह केस दर्ज हैं। पुलिस टीम द्वारा आरोपियों को दो दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है। लिव इन में रहकर ठगी के रुपयों से करते हैं ऐशआरोपियों से पूछताछ में खुलासा हुआ कि आरोपी जगजीत सिंह व अमृता कौर लिव इन रिलेशनशिप में पालम हिल्स सेक्टर-77 में किराये के फ्लैट में रहते हैं। उन्होंने 50 हजार रुपये मासिक में फ्लैट किराये पर ले रखा है। गाडि़यों की खरीद-फरोख्त में ठगी के रुपयों से वे ऐश की जिंदगी जीते थे। पुलिस के अनुसार अनुसार एक अप्रैल 2025 को एक व्यक्ति ने साइबर अपराध थाना में शिकायत दी थी। शिकायत में कहा कि उसके पास एक फोन कॉल आई। कॉल करने वाले व्यक्ति ने कहा कि आप महंगी गाड़ी/फॉरच्यूनर खरीदना चाहते हैं। इसके लिए उसने एक लोकेशन पर बुलाया।

संकट में एशिया कप ! ढाका की बैठक का बहिष्कार करेगा बीसीसीआई, सामने आई बड़ी वजह

मुम्बई (एजेंसी)। बीसीसीआई ने 24 जुलाई को ढाका में होने वाली एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) की वार्षिक आम बैठक के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया है। बांग्लादेश में भू-राजनीतिक तनाव और मैदान पर बिगड़ती स्थिति के बीच, भारतीय बोर्ड ने स्पष्ट कर दिया है कि अगर बैठक का स्थान नहीं बदला गया तो वह बैठक में पारित किसी भी प्रस्ताव का बहिष्कार करेगा। इस साल टी20 प्रारूप में होने वाला एशिया कप अभी भी अधर में लटका हुआ है।

भारत को मेज़बान देश घोषित किए जाने के बावजूद, टूर्नामेंट का न तो आधिकारिक तौर पर कार्यक्रम तय किया गया है और न ही एसीसी ने इसके लिए कोई निश्चित स्थल तय किया है। हालाँकि अटकलें सितंबर में होने की ओर इशारा कर रही हैं, लेकिन स्पष्टता की कमी ने असमंजस को और बढ़ा दिया है। 24 जुलाई की वार्षिक आम बैठक (एजीएम) के स्थान को लेकर बीसीसीआई की कड़ी आपत्ति ने इस अफरा-तफरी को और बढ़ा दिया है। इस घटनाक्रम से वाकिफ एक सूत्र ने एएनआई को बताया कि भारत ढाका में अपने प्रतिनिधि नहीं भेजेगा और उसने पहले ही आयोजन स्थल बदलने का अनुरोध कर दिया है। लेकिन एसीसी अध्यक्ष मोहसिन नकवी की ओर से अभी तक कोई प्रतिक्रिया न मिलने के कारण स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है।

सूत्र ने एएनआई को बताया कि एशिया कप तभी हो सकता है जब बैठक का स्थान ढाका से बदला जाए। उन्होंने कहा कि एसीसी अध्यक्ष मोहसिन नक़वी बैठक के लिए भारत पर अनावश्यक दबाव बनाने की कोशिश कर रहे हैं। हमने उनसे बैठक स्थल बदलने का अनुरोध किया था, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। अगर मोहसिन नक़वी ढाका में बैठक करते हैं, तो बीसीसीआई किसी भी प्रस्ताव का बहिष्कार करेगा। गौरतलब है कि नक़वी वर्तमान में पीसीबी अध्यक्ष और पाकिस्तान के गृह मंत्री दोनों हैं, और इस दोहरी भूमिका ने एशिया कप की तैयारियों के राजनीतिक पहलुओं को और जटिल बना दिया है।

परांजपे को बुमराह के अगले दो टेस्ट खेलने और भारतीय टीम के वापसी करने की उम्मीद

मुम्बई (एजेंसी)। पूर्व चयनकर्ता जतिन परांजपे के अनुसार भारतीय टीम अब भी इंग्लैंड सीरीज में वापसी करते हुए एंडरसन तेंदुलकर ट्रॉफी जीत सकती है। भारतीय टीम इस सीरीज में अभी 1-2 से पीछे चल रही है। परांजपे के अनुसार युवा खिलाड़ियों से भरी इस टीम को कम आंकना भूल होगी क्योंकि ये वापसी करने में सक्षम है। उन्होंने कहा कि टीम ने अब तक इस दौरे में बैखौफ होकर खेला है। उसे जो हार मिली है वह भी करीबी अंतर से मिली है। परंपजे ने ये भी कहा कि उन्हें उम्मीद है कि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह बचे हुए दो टेस्ट मैचों में खेलेंगे। बुमराह ने इस सीरीज के पहले कहा था कि वह पूरे मैच नहीं खेल पायेंगे। ऐसे में उन्हें एक मैच खेलना है और वो कौन सा होता है ये देखना होगा। भारतीय टीम ने पहले मैच में मिली हार के बाद दूसरे मैच में जीत के साथ ही 5 मैचों की सीरीज को 1-1 से बराबरी पर ला दिया था लॉर्ड्स में हालांकि टीम को हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में अब सीरीज में बराबरी के लिए भारतीय टीम को किसी भी हाल में चौथा टेस्ट जीतना होगा। परांजपे का मानना है कि इस युवा टीम को कमजोर नहीं माना जा सकता क्योंकि टीम पहले ही विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे अनुभवी खिलाड़ियों से आगे बढ़ चुकी है और ये युवा टीम मैनचेस्टर में वापसी करने की क्षमता रखती है। परांजपे ने कहा ÷इस टीम को खारिज करना सही नहीं होगा। अगला टेस्ट रोमांचक होने वाला है।' चौथे टेस्ट के लिए बुमराह की उपलब्धता को लेकर संशय की स्थिति को देखते हुए उन्होंने कहा कि वह अगले दो टेस्ट खेल खेलेंगे ऐसा मुझे लगता है।' वहीं भारतीय बोर्ड इस सीरीज से पहले ही कह दिया था कि बुमराह दौरे में केवल तीन मैच ही खेलेंगे।

ऋषभ पूरी तरह से फिट होने पर ही चौथे टेस्ट में उतरें : शास्त्री

लंदन (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने कहा है कि अगर विकेटकीपर बल्लेबाज और उपकप्तान ऋषभ पंत पूरी तरह से फिट होते हैं तो ही मैनचेस्टर टेस्ट में उतरें। शास्त्री के अनुसार अगर वह पूरी तरह से फिट नहीं होते हैं और विकेटीपिंग नहीं कर सकते तो उन्हें बल्लेबाज के तौर पर भी नहीं खेलना चाहिये। ऋषभ तीसरे टेस्ट में चोटिल हो गये थे और ऐसे में उनके चौथे टेस्ट में खेलने को लेकर आशंकाएं लगायी जा रही हैं। शास्त्री के अनुसार उप-कप्तान को तब तक एक बल्लेबाज के रूप में नहीं खेलना चाहिए, जब तक कि वह विकेटकीपर के मौर पर न खेल पायें। तीसरे टेस्ट में ऋषभ को विकेटकीपिंग के दौरान बाएं हाथ की उंगली में चोट लगी थी, जिसके बाद वह मैदान से बाहर चले गए थे। इसी कारण वह मैच में बचे हुए समय में विकेटकीपिंग नहीं कर पाए। उनकी अनुपस्थिति में विकेटकीपर ध्रुव जुरेल ने विकेटकीपिंग की थी।

इसी को लेकर शास्त्री ने कहा, मुझे नहीं लगता कि अगर पंत विकेटकीपिंग नहीं कर सकते तो उन्हें विशेषज्ञ बल्लेबाज के तौर पर भी मैदान में उतरना चाहिए, क्योंकि तब उन्हें क्षेत्ररक्षण करना होगा, और अगर वह क्षेत्ररक्षण करते हैं, तो गेंद लगने से उनकी चोट और खराब हो जाएगी। विकेटकीपिंग के दौरान दस्तानों के साथ कम से कम कुछ सुरक्षा तो मिलती है। बिना दस्तानों के, अगर उन्हें कोई ऐसी चीज लग जाती है तो इससे उनकी चोट और बिगड़ जाएगी।शास्त्री ने कहा कि जब आप अगले टेस्ट के लिए टीम चुनेंगे, तो उन्हें विकेटकीपिंग और बल्लेबाजी दोनों करनी होंगी। वह दोनों में से एक नहीं कर सकते। बेहतर होगा कि वह पूरी तरह से फिट हों। वहीं कप्तान शुभमन गिल ने कहा था कि पंत खेलने के लिए फिट होंगे। वहीं टीम के अभ्यास सत्र के दौरान, सहायक कोच रयान टेन डोशेट ने कहा था कि टीम इस विकेटकीपर बल्लेबाज को पूरी तरह से फिट होने और ठीक होने के लिए पर्याप्त समय देगी।

डब्ल्यूसीएल में आज होगा इंडिया चैम्पियंस व पाकिस्तान चैम्पियंस का मुकाबला

लंदन (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान के बीच वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स (डब्ल्यूसीएल) 2025 के तहत रविवार को मुकाबला होगा। दोनो ही टीमें 20 जुलाई को बर्मिंघम के एजबेस्टन स्टेडियम में टकरायेंगी। यह मुकाबला भारतीय समयानुसार रात 9 बजे शुरू होगा। इस टूर्नामेंट में कई रिटायर्ड पूर्व क्रिकेटर खेल रहे हैं। इंडिया चैम्पियंस टीम में युवराज सिंह, सुरेश रैना, शिखर धवन और पठान ब्रदर्स जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। वहीं पाकिस्तान चैम्पियंस टीम में शाहिद अफरीदी और मिस्बाह उल हक जैसे पुराने दिग्गज दिखेंगे। पाक की टीम ने पहले ही मुकाबले में इंग्लैंड के खिलाफ जीत हासिल की है। वहीं भारतीय टीम अपने पहले ही मुकाबले में पाक के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज करना चाहेग। दोनो ही देशों के मुकाबल रोमांचक होने के साथ ही तनावपूर्ण भी होते हैं। इस दौरान रोमांच अपने शीर्ष स्तर पर पहुंच जाता है। प्रशंसक एक बार फिर अपने पसंदीदा सितारों को बल्लेबाजी और गेंदबाजी करते देखना चाहते हैं। इस मैच से प्रशंसकों का पुराने स्टार खिलाड़ियों को देखने का अवसर मिलेगा। वहीं इसके जरिये पूर्व क्रिकेटर खेल से जुड़े रहते हैं।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

इंडिया चैम्पियंस- युवराज सिंह, शिखर धवन, हरभजन सिंह, सुरेश रैना, इरफान पठान, यूसुफ पठान, रॉबिन उथप्पा, अंबाती रायुडू, पीयूष चावला, स्टुअर्ट बिन्नी, वरुण आरोन, विनय कुमार, अभिमन्यु मिथुन, सिद्दार्थ कौल, गुरकीरत मान।

पाकिस्तान चैम्पियंस- मोहम्मद हफीज, शोएब मलिक, सरफराज अहमद, शरजील खान, वहाब रियाज, आसिफ अली, शाहिद अफरीदी, कामरान अकमल, आमेर यामीन, सोहेल खान, सोहेल तनवीर।

डब्ल्यूडब्ल्यूई अनरियल से सामने आयेगी रेसलिंग की सच्चाई

मुम्बई ।डब्ल्यूडब्ल्यूई रेसलिंग के शौकीनों को आने वाले दिनों में इसका एक नया शो दिखने को मिलेगा। डब्ल्यूडब्ल्यूई अनरियल नाम के इस शो से डब्ल्यूडब्ल्यूई के प्रशंसकों को इसके पीछे की बातें भी देखने को मिलेंगी।इसमें दिखाया जाएगा कि कैसे लेखक और पहलवान मिलकर कहानियां बनाते हैं।शो में शार्लेट फ्लेयर और सीएम पंक के बीच एक बातचीत भी दिखाई जाएगी।इसमें वे रिंग में पेशाब और पॉटी करने के बारे में बात कर रहे हैं।यह शो अंदर की कुछ सच्चाईयों को उजागर करेगा।इस शो से पता चलेगा कि लेखक के कमरे का क्या माहौल होता है।यह पहली बार है जब प्रशंसक इस शो के अंदर की बातें जान सकेंगे। शो में पहलवान और लेखकर किस प्रकार कहानियां बनाते हैं है इसमें कई ऐसी बातों भी होंगी जो प्रशंसकों को अच्छी न लगें। शार्लेट फ्लेयर और सीएम पंक की बातचीत से पता चलता है कि शो में कुछ कड़वी बातें भी दिखाई जाएंगी।इस सब बातों का मकसद ये पता करना है कि वास्तव में होता क्या है।रेसलिंग एक बहुत ही कठिन खेल है।इसमें कई बार दुर्घटनाएं होती रहती हैं।अब यह देखना भी दिलचस्प होगा कि इसके पीछे की कितनी बातें सामने आती हैं।इसमें कुछ बातों पर विवाद भी हो सकता है।अब देखते हैं क्या होता है।

क्लार्क बोले कुलदीप को शामिल करे भारतीय टीम

सिडनी ।पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान माइकल क्लार्क ने कहा है कि भारतीय टीम को चाइनामैन स्पिन कुलदीप यादव को शामिल करना चाहिये।क्लार्क के अनुसार पिछले तीन टेस्ट मैच में कुलदीप बैंच पर ही बैठे रह गये हैं।उन्हें अब जगह नहीं मिलेगी तो कब मिलेगी। क्लार्क ने कहा कि मैं अभी भी कुलदीप यादव को अंतिम ग्यारह में चाहूंगा हालांकि स्पिनर वाशिंगटन सुंदर ने अच्छी गेंदबाजी की है। साथ ही कहा कि कलाई के स्पिनर कुलदीप को अभी तक इस सीरीज में अवसर नहीं मिलना अजीब सी बात है जबकि वह टीम में एकमात्र विशेषज्ञ स्पिनर हैं। भारतीय टीम ने इस सीरीज में बल्लेबाजी को मजबूत करने स्पिन ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर को रखा है। क्लार्क का मानना है कि अब कुलदीप को अंतिम ग्यारह में जगह मिलना इसलिए भी कठिन हो रहा है क्योंकि सुंदर ने 40 रन बनाने के साथ ही चार विकेट भी पिछले मैच में लिए थे। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ने इस सीरीज में अच्छी गेंदबाजी और बल्लेबाजी के लिए रविंद्र जडेजा की जमकर तारीफ की है। उन्होंने कहा कि तीसरे टेस्ट में जडेज ने काफी प्रयास किया था पर उन्हें अन्य खिलाड़ियों से सहयोग नहीं मिला। भारतीय टीम ने लॉर्ड्स में हार से उबरकर मैनचेस्टर टेस्ट के लिए अभ्यास शुरू कर दिया है। इस सीरीज में भारतीय टीम 1-2 से पीछे है। क्लार्क का मानना है कि तीसरे टेस्ट में अगर भारतीय टीम ने अंतिम पलों में अपना संयम बनाये रखा होता तो उसे जीत मिल जाती क्योंकि मैच भारतीय टीम के पास आ गया था।

मुरलीधरन से बेहतर गेंदबाज थे वार्न : लारा

जमैका ।विश्व क्रिकेट में ऑस्ट्रेलिया के दिवंगत शेन वार्न और श्रीलंका के मुथैया मुरलीधरन सबसे अधिक विकेट लेने वाले स्पिनर हैं।इन दोनो की गेंदबाजी का सामना करना बड़े से बड़े बल्लेबाज के लिए कठिन रहा है।वार्न ने जहां टेस्ट में 708 विकेट जबकि मुरली ने 800 विकेट लिए है।ऐसे में कई बार सवाल उठता है कि इन दोनो में से कौन अधिक बेहतर है।वहीं को लेकर अब वेस्टइंडीज के महान बल्लेबाज ब्रायन लारा ने कहा है कि ये दोनों ही बेहतरी गेंदबाज रहे हैं पर वह वार्न को सबसे अच्छा मानते हैं। लारा पूर्व क्रिकेटर फिल टफनेल, एलेस्टेयर कुक, माइकल वान और डेविड लॉयड से एक कार्यक्रम में बात कर रहे थे। लारा ने कहा, वार्न सबसे बेहतर हैं। साथ ही कहा कि मैं मुरली के खिलाफ बल्लेबाज में मैं घबरा जाता।संशय में आ जाता हूं।तीन मैच की सीरीज में 688 रन बनाए थे और पहले ही हाफ में मुरली की एक गेंदबाजी पर परेशान हो गयार था पर मुरली ने ज्यादा मुझे वार्न की गेंदों पर परेशानी रही।वार्न के बारे में लारा ने कहा कि वह उनकी गेंदों को अच्छे से खेलते थे पर उनकी गेंदें काफी अच्छी होती थी और उनके स्पेल फेंकने की क्षमता काफी अच्छी थी।अगर दोनों महान गेंदबाजों के आंकड़ों पर नजर डालें तो मुरलीधरन ने तीनों प्रारुपों को मिलाकर 495 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 1347 विकेट लिए हैं।इसमें 77 तो 5 विकेट हॉल हैं। उन्होंने 22 बार मैच में 10-10 विकेट लिए।वहीं वार्न ने टेस्ट और एकदिवसीय में 339 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 1001 विकेट लिए।

शुभमन को विफल करनी होगी स्टोक्स की रणनीति : जाफर

-तीसरे टेस्ट में बनाया था निशाना

मैनचेस्टर (एजेंसी)। भारतीय किकेट टीम को अब तक इंग्लैंड दौरे में उतनी सफलता नहीं मिली है जिसकी उसे उम्मीद थी। भारतीय टीम ने तोनो ही टेस्ट मैचों में मेजबानों से बेहतर खेला पर हालात का लाभ वह नहीं उठा पायी जिससे इंग्लैंड को सीरीज में 1-2 से बढ़त मिल गयी है। भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर वसीम जाफ़र ने कहा है कि इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने लॉर्ड्स में भारतीय कप्तान शुभमन गिल पर अंकुश लगाने की जो रणनीति अपनायी थी। वह सफल रही और शुभमन दोनो ही पारियों में अधिक रन नहीं बना पाये। ऐसे में अब मैनचेस्ट में भी इंग्लैंड का लक्ष्य शुभमन को शुरुआत में आउट कर भारतीय टीम पर दबाव बनाना रहेगा।

जाफ़र ने कहा कि एजबेस्टन में शुभमन के शतक से भारतीय टीम ने 430 रन बनाए और मेजबान टीम समझ गयी थी कि अगर भारतीय टीम को कम रनों पर रोकना है तो शुभमन को जल्द आउट करना होगा। इंग्लैंड की ये रणनीति तीसरे टेस्ट में सफल रही। जाफ़र ने कहा कि शुभमन को अंदर आती गेंदों पर परेशानी होती है जिसका लाभ विरोधी टीम ने उठाया जिससे शुभमन दोनों पारियों में 20 रनों से अधिक नहीं बना पाये। जाफ़र ने ये भी कहा कि अब तक भारत के लिए सबसे ज़्यादा रन शुभमन ने बनाये हैं और उम्मीद है कि कि वह मैनचेस्टर में मेजबान टीम की रणनीति को फेल करने के इरादे से उतरेंगे। साथ ही कहा कि शुभमन अभी दो और शतक लगा सकते हैं बस वो थोड़ा संयम से खेलें और पहले 20-25 रन बना लें। इसी कारा गिल ने अभ्यास सत्र में बल्लेबाज़ी कोच सितांशु कोटक के साथ काफ़ी देर तक काम भी किया। उन्होंने इन स्विंग का सामना करने के लिए कई थ्रो डाउन भी लिया।

जाफ़र ने आगे कहा कि टीम युवा है और इस टीम को सलाह की जरुर। नियंत्रित आक्रामकता के साथ खेलने पर टीम इंडिया अभी भी सीरीज़ जीत सकती है। साथ ही कहा कि इस सीरीज में अब तक भाग्य भी भारतीय टीम से रुठा नजर आया। अगर ऐसा नहीं होता तो भारतीय टीम अब तक इस सीरीज में तीनो ही मैच जीती होती। लीड्स में 372 रन बनवा दिए और लॉर्ड्स में टीम 192 नहीं बना पाई। पहले टेसट में पांच शतक के बाद भी टीम को हार का सामना करना पड़ा।

सिराज को भी आराम देने पर सोचे बीसीसीआई : चोपड़ा

मुम्बई । पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने कहा है कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के कार्यभार प्रबंधन पर तो काफी बातें कहीं हैं जो ठीक भी हैं पर दूसरे तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को लेकर कुछ नहीं कहा है।चोपड़ा का मानना है कि इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट मैच से पहले सिराज के कार्यभार प्रबंधन की कोई भी बात नहीं सुनी गयी जो ठीक नहीं है।आकाश के अनुसार सिराज भी काफी ओवर फेंकते हैं और फिटनेस बनाये रखने के लिए उन्हें भी आराम दिया जाना जरुरी है।बीसीसीआई ने टेस्ट सीरीज से पहले ही साफ कर दिया था कि बुमराह तीन ही मैच खेलेंगे।चोपड़ा ने सिराज के समर्थन में कहा कि वह टेस्ट मैचों में लंबे स्पेल करते हैं, लेकिन उन्हें आराम देने के बारे में अब तक कुछ नहीं कहा गया है।उन्होंने कहा, वह बहुत कड़ी मेहनत करते हैं।वह बहुत सारे ओवर फेंकते हैं।इसके बाद भी कोई उनके बारे में बात नहीं कर रहा है हालांकि, वह अपना 100 प्रतिशत देते हैं।जब भी वह गेंदबाजी करने आते हैं तो पूरे दिल से और तेजी से दौड़कर गेंदबाजी करते हैं।कार्यभार प्रबंधन के तहत ही बुमराह दूसरे टेस्ट मैच में मैदान पर नहीं उतरे थे, तो सिराज ने पूरी जिम्मेदारी उठाई थी।तब युवा आकाश दीप सिंह के साथ गेंदबाजी की अगुवाई करते हुए सिराज ने दूसरे टेस्ट मैच में कुल 7 विकेट अपने नाम किए थे।उनके इस दमदार प्रदर्शन के कारण ही टीम इंडिया ने इस मैच में जीत हासिल की थी।इस पूरी सीरीज की बात की जाए तो सिराज ने अब तक खेले तीन टेस्ट मैचों में कुल 13 विकेट लिए हैं।उनका सबसे अच्छा प्रदर्शन दूसरे टेस्ट मैच में रहा था।

स्पिनर फरहान ने विटैलिटी ब्लास्ट में हैट्रिक लगाकर बनाया रिकार्ड

लंदन ।इंग्लैंड के स्पिनर फरहान अहमद ने विटैलिटी ब्लास्ट में हैट्रिक लेकर अपनी टीम को जीत दिलायी है।फरहान ने नॉटिंघमशायर की ओर से खेलते हुए लंकाशायर के खिलाफ पांच विकेट लिए। 17 साल के फरहान नॉटिंघमशायर की और से टी20 इतिहास में हैट्रिक लगाने वाले पहले गेंदबाज बन गए हैं।उन्होंने 5 ओवर में 25 रन देकर कुल 5 विकेट लिए।पिछले साल फरहान ने 16 साल की उम्र में टीम की ओर से फर्स्ट क्लास क्रिकेट में डेब्यू किया था।इसी साथ ही वह क्लब के सबसे युवा एफसी क्रिकेटर बन गये थे।उन्होंने अपने डेब्यू मैच में 140 रन देकर 7 लिए थे।फरहान ने हैट्रिक और पहली बार सीमित ओवर क्रिकेट में पांच विकेट लिए हैं।पिछले सत्र में ब्रिटेन में एफसी क्रिकेट में एक मैच में उन्होंने 10 विकेट लिए थे. फरहान ऐसा करने वाले सबसे युवा क्रिकेटर भी बने थे।उन्होंने लंकाशायर को केवल 126 रन पर पेवेलिया भेज दिया।वहीं उनके भाई रेहान अहमद ने गत वर्ष पाकिस्तान के खिलाफ इंग्लैंड की ओर से सबसे कम उम्र में टेस्ट डेब्यू का रिकार्ड बनाने के साथ ही पहले पांच विकेट भी लिए थे।

गोल्ड जीतने के बाद नहीं मिले कई पुरस्कार, अरशद नदीम ने खोली पाकिस्तान की पोल

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के ओलंपिक हीरो अरशद नदीम ने 2024 के पेरिस ओलंपिक में ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीतने के बाद अपने देश की सरकार और अधिकारियों द्वारा किए गए अधूरे वादों पर सवाल उठाए हैं। पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में भारत के नीरज चोपड़ा को हराकर पाकिस्तान के लिए पहला ओलंपिक स्वर्ण पदक जीतने वाले नदीम ने खुलासा किया कि उनकी उपलब्धि के लिए इनाम के तौर पर घोषित ज़मीन के टुकड़े कभी नहीं दिए गए।

अरशद नदीम ने पेरिस ओलंपिक में 92.97 मीटर की छलांग लगाकर इतिहास रच दिया और डेनमार्क के एंड्रियास थोरकिल्डसन द्वारा 2008 में बनाए गए ओलंपिक रिकॉर्ड को तोड़ दिया। रजत पदक जीतने वाले गत विजेता नीरज चोपड़ा पर उनकी जीत पाकिस्तान के लिए बेहद गर्व की बात थी। सरकार, राज्य के अधिकारियों और सार्वजनिक संस्थाओं ने नदीम को नकद पुरस्कार, ज़मीन के प्लॉट और विभिन्न सम्मानों सहित ढेरों इनाम देने का वादा किया।

हालांकि, एक साल बाद, नदीम ने जियो टीवी से बात करते हुए खुलासा किया, ÷मेरे लिए जितने भी इनामों की घोषणाएँ की गईं, उनमें से सभी प्लॉट की घोषणाएँ फ़र्ज़ी थीं, जो मुझे नहीं मिलीं। इसके अलावा, मुझे घोषित सभी नकद पुरस्कार मिल चुके हैं।÷ इस निराशा के बावजूद, नदीम अपने खेल पर केंद्रित हैं। 28 वर्षीय भाला फेंक खिलाड़ी ने युवा एथलीटों को प्रशिक्षित करने और उनका मार्गदर्शन करने के प्रति अपने समर्पण पर ज़ोर दिया। उन्होंने कहा, 'मेरा पूरा ध्यान खुद पर है, लेकिन इसके अलावा, हम प्रशिक्षण के लिए आने वाले किसी भी युवा को प्रशिक्षित करते हैं, और यह प्रशिक्षण मेरे कोच सलमान बट द्वारा दिया जाता है।' गौरतलब है कि नदीम के ओलंपिक गौरव तक के सफ़र को किसी ख़ास संस्थागत सहायता का समर्थन नहीं मिला, जिससे उनकी उपलब्धि और भी उल्लेखनीय हो जाती है। आगामी 16 अगस्त को सिलेसिया डायमंड लीग में होने वाला मुकाबला पेरिस ओलंपिक के अविस्मरणीय मुकाबले के बाद अरशद और नीरज के बीच पहला मुकाबला हो सकता है।

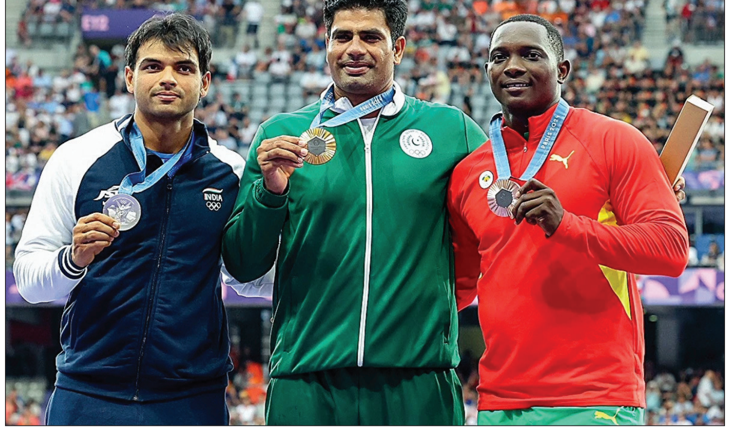

ऋतुराज ने काउंटी क्लब यॉर्कशायर से करार तोड़ा

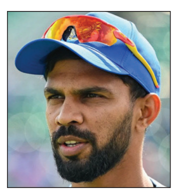

मुम्बई ।चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) टीम के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ ने इंग्लैंड के काउंटी क्लब यॉर्कशायर से किया अपना करार तोड़ दिया है।ऋतुराज ने इस क्लब के साथ कांउटी क्रिकेट के 5 मैचों के लिए करार किया था और वह 22 जुलाई से खेलने भी वाले थे पर इसके ठीक पहले उन्होंने निजी कारणों से इंग्लैंड जाने से इंकार कर दिया। इस प्रकार अचानक ही अपना नाम वापस लेकर ऋतुराज ने यॉर्कशायर की मुश्किलें बढ़ा दी हैं।टीम को अब उनके जैसा बल्लेबाज तलाशने के लिए काफी प्रयास करना होगा।इस क्रिकेटर का कहना है कि वह निजी कारणों ने नाम वापस ले रहे हैं।यॉर्कशायर ने गायकवाड़ के नाम वापस लेने की पुष्टि की है।गायकवाड़ ने हाल में इंग्लैंड दौरे पर इंडिया ए के लिए कुछ मैच खेले थे जिसके बाद उनके काउंटी खेलने की संभावनएं काफी बढ़ गयी थीं।इस बल्लेबाज को आईपीएल 2025 के दौरान चोट लगी थी जिस वजह से वह 5 ही मैच खेल पाए थे।टीम के मुख्य कोच एंथनी मैकग्राथ ने गायकवाड़ के हटने पर निराशा व्यक्त की और कहा कि टीम उनके विकल्प की तलाश करेगी हालांकि उन्हें भरोसा नहीं है कि उनके पास विकल्प खोजने के लिए पर्याप्त समय है।मैकग्राथ ने कहा, बदकिस्मती से, गायकवाड़ निजी कारणों से अभी नहीं आ रहे हैं।वह बच हुए सत्र के लिए भी टीम में नहीं रख पाएंगे।यह निराशाजनक है।उन्होंने आगे कहा, अब बस दो या तीन दिन ही बचे हैं, इसलिए मुझे नहीं पता कि हमें कोई अन्य खिलाड़ी मिल पाएगा।गायकवाड़ ने 38 फर्स्ट क्लास मैच खेले हैं और 41.77 की औसत से 2632 रन बनाए हैं।

विजय सेतुपति की फिल्म में विलेन की भूमिका निभाएंगी तब्बू?

तब्बू की गिनती बॉलीवुड की उन चुनिंदा अभिनेत्रियों में होती है, जिन्होंने अपने करियर में अलग-अलग तरह के किरदार निभाए हैं। वो एक रोमांटिक रोल से लेकर फिल्मों में ग्रे और निगेटिव कैरेक्टर्स में भी नजर आई हैं। अब तब्बू के अगले रोल को लेकर भी एक बड़ी जानकारी सामने आ रही है। एक बार फिर तब्बू पर्दे पर एक अलग अंदाज में नजर आ सकती हैं।

एक बार फिर विलेन बनेंगी तब्बू!

कुछ दिनों पहले मेकर्स ने ये जानकारी साझा की थी कि तब्बू पुरी जगन्नाथ द्वारा निर्देशित फिल्म में विजय सेतुपति के साथ स्क्रीन साझा करती नजर आएंगी। अब ऐसी रिपोर्ट्स सामने आ रही हैं कि तब्बू इस फिल्म में एक निगेटिव किरदार में नजर आएंगी। रिपोर्ट के मुताबिक, तब्बू पुरी जगन्नाथ की इस फिल्म में विलेन की भूमिका में नजर आ सकती हैं। हालांकि, अभी तक मेकर्स की तरफ से इस बारे में कोई आधिकारिक जानकारी साझा नहीं की गई है। इसलिए अभी ये सिर्फ रिपोर्ट्स के हवाले से ही खबरें हैं।

पहले भी कई फिल्मों में निगेटिव रोल निभा चुकी हैं तब्बू

वैसे तब्बू इससे पहले भी कई बार पर्दे पर विलेन की भूमिका में नजर आ चुकी हैं। तब्बू इससे पहले 'मकूबल' 'फितूर', 'हैदर' और 'अंधाधुंध' जैसी फिल्मों में निगेटिव किरदार में नजर आ चुकी हैं। इन सभी फिल्मों में तब्बू के किरदार को काफी पसंद किया गया था। ऐसे में अब अगर एक बार फिर तब्बू बड़े पर्दे पर विलेन के रूप में आती हैं, तो उन्हें देखना खास होगा। पुरी जगन्नाथ की ये अनटाइटल्ड फिल्म एक पैन इंडिया फिल्म होगी। इसमें विजय सेतुपति और तब्बू प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म के बारे में अभी बाकी जानकारी सामने नहीं आई है।

'भूत बंगला' में नजर आएंगी तब्बू

वर्कफ्रंट की बात करें तो तब्बू प्रियदर्शन की हॉरर-कॉमेडी भूत बंगला की तैयारी कर रही हैं, जिसमें अक्षय, जिशु सेनगुप्ता और वामिका गब्बी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे।

मैं एक नास्तिक परिवार से आती हूं, पापा को है ज्योतिष शब्द से नफरत

श्रुति हासन वो अभिनेत्री हैं जो अपनी पर्सनल लाइफ से लेकर अपनी लव लाइफ और अपने अतीत को लेकर खुलकर बात करती हैं। वो हर मुद्दे पर अपनी राय रखने से हिचकती नहीं हैं। अब श्रुति हासन ने अपने बचपन को लेकर बात की है और बताया है कि वो एक नास्तिक परिवार से आती हैं। जहां भगवान और पूजा में ज्यादा भरोसा नहीं रखा जाता।

मेरे घर में धर्म और ईश्वर को मानने जैसा कुछ भी नहीं था

पॉडकास्ट में अपने बचपन के दिनों के बारे में बात करते हुए श्रुति ने अपने बचपन को थोड़ा अव्यवस्थित और अराजक बताया। उन्होंने कहा, हम एक नास्तिक घर में पले-बढ़े। एक गैर-धार्मिक घर में। मेरे पापा को यह बात बुरी लगती है जब मैं कहती हूं, लेकिन हमारे घर में ईश्वर नहीं था। वो सब कुछ नहीं जो दूसरे घरों में होता है। धर्म और ईश्वर को मानने जैसा तो कुछ भी नहीं था। कहीं न कहीं, मेरे बचपन के मन में मैं जानती थी कि कला ही ईश्वर है। हफ्ते का हर दिन कला के लिए कुछ करना होता था और कला को ही समर्पित होता था।

पापा को है ज्योतिष शब्द से नफरत

अभिनेत्री ने आगे कमल हासन के बारे में जिक्र करते हुए बताया कि पापा ने मुझे बिना किसी दखलअंदाजी के अपनी मान्यताओं को समझने की आजादी दी। हां, मैं विक्का धर्म का पालन करती हूं, जिसमें जादू-टोना शामिल है। हालांकि, पापा को ज्योतिष शब्द सुनना भी पसंद नहीं है। अगर आप मेरे पापा से ज्योतिष के बारे में बात करते, तो वो कहते बाहर निकलो। वो बहुत व्यावहारिक हैं। वो लोगों को डॉक्टर्स से भी बेहतर परख सकते हैं क्योंकि वे चार साल की उम्र से एक्टिंग कर रहे हैं और मेरी मां भी। वो लोगों को पढ़ने वाले बन गए हैं, डॉक्टरों और मनोवैज्ञानिकों से भी बेहतर। यह सचमुच एक्टर के रूप में उनका स्वभाव सा है। एक इंसान के रूप में वो ज्यादा सहज हो गए हैं। अब उम्र के साथ वो नरम पड़ गए हैं।

कुली में रजनीकांत के साथ नजर आएंगी श्रुति हासन

वर्कफ्रंट की बात करें तो श्रुति हासन रजनीकांत की फिल्म 'कुली' में नजर आएंगी। इस फिल्म का निर्देशन लोकेश कनगराज ने किया है। यह एक्शन थ्रिलर रजनीकांत की मुख्य अभिनेता के रूप में 171वीं फिल्म है और 14 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

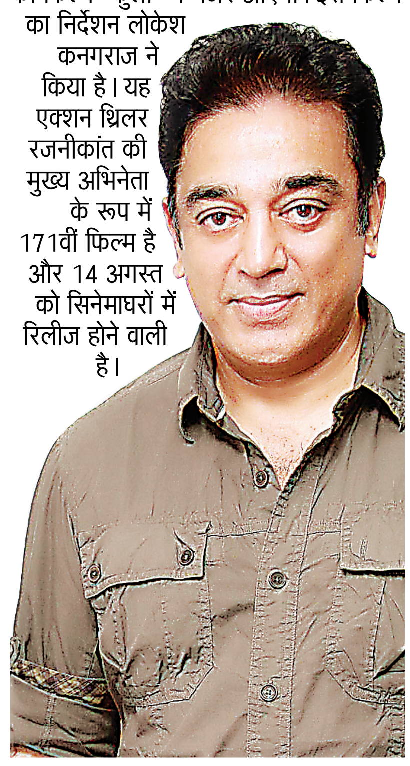

अनुराग कश्यप ने अनन्या पांडे को बताया फेवरेट नेपो बेबी

फिल्ममेकर अनुराग कश्यप ने हाल ही में एक बातचीत में अनन्या पांडे को अपना पसंदीदा नेपो बेबी बताया। अनुराग ने कहा कि अनन्या ने अपनी सोच और करियर में बदलाव किया है। द जुगरनॉट के साथ बातचीत में जब अनुराग से पूछा गया, आपका पसंदीदा नेपो बेबी कौन है? तो उन्होंने कहा, मेरा पसंदीदा नेपो बेबी, रणबीर कपूर, आलिया भट्ट, अनन्या और अयान मुखर्जी। साउथ में धनुष है। वहां बहुत लोग हैं, फहद फाजिल। अनुराग ने अनन्या पांडे को लेकर कहा, मुझे लगता है उसने समझ लिया है। सिद्धांत का वह कमेंट - जहां हमारा स्ट्रगल वहां खत्म होता है जहां से तुम्हारा शुरू होता है। इसको उसने बहुत पर्सनली लिया। मुझे लगता है उसमें कुछ बदल गया। फिलहाल अनन्या तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी की शूटिंग कर रही हैं। इसमें उनके साथ कार्तिक आर्यन हैं। यह फिल्म 2026 में रिलीज होगी। अनुराग ने कंट्रोल, खो गए हम कहां और गहराइयां में अनन्या की एक्टिंग का जिक्र करते हुए कहा, वह अच्छा काम कर रही हैं। रिस्क ले रही हैं और काफी मैच्योर हैं। एक्सपेरिमेंट करती हैं। वहीं नेपोटिज्म को लेकर अनुराग कश्यप ने कहा, मुझे लगता है समस्या बच्चों से ज्यादा पेरेंट्स की है। पेरेंट्स उन्हें अपने फैसले नहीं लेने देते। सेफ्टी के लिए पैरेंटल इंस्टिंक्ट एक्टिव हो जाता है।

हरि हर वीर मल्लु का आएगा सीक्वल, एक्ट्रेस निधि अग्रवाल ने शेयर किया अपडेट

पावरस्टार पवन कल्याण की मेगा एक्शन फिल्म हरि हर वीर मल्लु 24 जुलाई को रिलीज होगी। ज्योति कृष्णा द्वारा निर्देशित इस फिल्म को यू/ए सर्टिफिकेट मिल चुका है। फिल्म के निर्माता इसे अंतिम रूप देकर अमेरिका में प्रीमियर के लिए भेजेंगे। विशाखापट्टनम में एक प्री-रिलीज इवेंट की योजना होगी। वहीं अब फिल्म के सीक्वल को लेकर एक अहम जानकारी सामने आई है, जो फिल्म की एक्ट्रेस निधि अग्रवाल ने शेयर की है। फिल्म की मुख्य अभिनेत्री निधि अग्रवाल ने इस पीरियड एक्शन ड्रामा के लिए पांच साल तक मेहनत की है और अब वह प्रचार में सक्रिय हैं। निधि ने बताया कि हरि हर वीर मल्लु के सीक्वल के 20 मिनट की शूटिंग हो चुकी है और दूसरा भाग जल्द शुरू होगा। पवन कल्याण ने ओजी की शूटिंग पूरी कर ली है और इस महीने के आखिर तक उस्ताद भगत सिंह की शूटिंग भी पूरी कर सकते हैं।

मैं स्क्रीन पर एक्शन करना चाहती थी, खुश हूं कि लकड़बग्घा 2 का हिस्सा बनी

अभिनेत्री सारा जेन डियास अब फिल्म लकड़बग्घा 2- द मंकी बिजनेस की कास्टिंग टीम में शामिल हो गई हैं। फिल्म से जुड़ने को लेकर अपनी खुशी जताते हुए सारा जेन डियास ने कहा, मुझे लकड़बग्घा 1 बहुत पसंद आई थी। जब मैंने सुना कि यह फिल्म एक ऐसे यूनिवर्स का हिस्सा है जिसमें जानवरों से प्यार करने वाला एक हीरो है, और अब यह कहानी आगे बढ़ रही है, तो मैं बहुत उत्साहित हो गई। ऐसी फिल्में बहुत कम मिलती हैं जो एक्शन के साथ कोई अच्छा मकसद भी दिखाएं, जिसमें बेजुबान जानवरों की रक्षा करना शामिल हो। उन्होंने कहा कि लकड़बग्घा 2 आज के समय से जुड़ी हुई और भावनाओं से भरी फिल्म है। सारा ने कहा, इस फिल्म ने मुझे वो मौका दिया, जिसका मैं लंबे समय से सपना देख रही थी। मैं स्क्रीन पर एक्शन करना चाहती थी। मैं बहुत खुश हूं कि अंशुमन ने मुझे फिल्म का हिस्सा बनाया। बाकी टीम के साथ इस सफर में शामिल होकर अच्छा महसूस हो रहा है। अंशुमन ने अपने सोशल मीडिया पर सारा के शामिल होने की जानकारी देते हुए लिखा कि सारा के आने से लकड़बग्घा की टीम और भी ताकतवर और दमदार हो गई है। वह पर्दे पर एक शांत लेकिन जबरदस्त असर लेकर आती हैं। उन्होंने कहा, सारा की ताकत, सादगी और गहराई उन्हें लकड़बग्घा की दुनिया के लिए एकदम सही बनाती है। इस बार सिर्फ हमारी टीम वापस नहीं आई है, बल्कि और भी ज्यादा मजबूत, दमदार और गहराई से भरी हुई है।

मिर्जापुर फिल्म में होगी पंचायत फेम जितेंद्र कुमार की एंट्री!

ओटीटी पर फेमस वेब सीरीज मिर्जापुर अब फिल्मी पर्दे पर उतरने की तैयारी में जुटने वाली है। खबर ये है कि इस फिल्म में अली फजल के साथ पंचायत फेम जितेंद्र कुमार नजर आएंगे। यहां जान लें किनका पत्ता हुआ है साफ और सचिव जी की क्या होगी भूमिका। याद दिला दें कि इस सीरीज में लीड रोल में गुड्डू और बबलू पंडित के रोल में अली फजल और विक्रांत मैसी नजर आए थे। जब इस फिल्म को लेकर चर्चा शुरू हुई तो खबर ये थी कि फिल्म में भी यही दोनो लीड रोल में दिखेंगे। हालांकि, अब खबर है कि विक्रांत मैसी इस फिल्म का हिस्सा नहीं होंगे।

इसमें पंचायत के जितेंद्र कुमार यानी सचिव जी!

काफी समय पहले इस सीरीज को फिल्म में बदलने को लेकर अनाउंस किया जा चुका है। अब इस फिल्म में एक बड़ा चेंज फैन्स को देखने को मिलेगा। खबर है कि विक्रांत मैसी की जगह अब इसमें पंचायत के जितेंद्र कुमार यानी सचिव जी भी नजर आनेवाले हैं। दरअसल वजह ये बताई जा रही है कि विक्रांत मैसी अपने अन्य प्रोजेक्ट्स में बिजी चल रहे हैं और इसी वजह से उन्हें ये फिल्म छोड़नी पड़ी है।

मेकर्स ने इसे लेकर अभी कुछ अनाउंस नहीं किया

कहा जा रहा है कि विक्रांत के पीछे हटने के बाद मेकर्स ने जीतू भैया यानी जितेन्द्र कुमार पर अपना दांव लगाया है। चूंकि पंचायत से इन्हें ओटीटी पर काफी पॉप्युलैरिटी और लोगों का प्यार भी मिला है, इसलिए मेकर्स ने इसे भुनाने का फैसला ले लिया है । तो अब माना जा रहा है कि इस फिल्म में बबलू पंडित के रूप में सचिव जी नजर आएंगे। हालांकि मेकर्स ने इसे लेकर अभी कुछ अनाउंस नहीं किया है।

पंचायत में लोग इन्हें सचिव जी कहकर ही पुकारते हैं

बात अगर जितेंद्र कुमार की करें तो उन्होंने एक शहरी किरदार के रूप में पंचायत सीरीज में गांव के लोगों के साथ उनके रंग में ढलते हुए लोगों ने उन्हें काफी पसंद किया है। पंचायत में लोग इन्हें सचिव जी कहकर ही पुकारते हैं और आम पब्लिक भी इन्हें इस नाम से पुकारना पसंद कर रही है।

मुंबई और बनारस के रियल लोकेशन पर होगी शूटिंग

रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म मिर्जापुर की शूटिंग मुंबई और बनारस के रियल लोकेशन पर होगी ताकि इससे कहानी में गहराई नजर आए। वहीं राजस्थान के रेगिस्तानी इलाके में भी इसकी शूटिंग होनी है जिसमें संभवत: जोधपुर या जैसलमेर जैसी जगहें शामिल हो सकती हैं। हालांकि, इन सबके अलावा फिल्म के लिए लीड एक्ट्रेस को अभी भी फाइनल किया जाना बाकी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस फिल्म में सोनम बाजवा और सोनल चौहान जैसे नाम की चर्चा है। कहा जा रहा है कि अली फजल के बाकी कमिटमेंट्स की वजह से इसकी शूटिंग में देरी हो रही थी लेकिन अब डेट्स मिल गए हैं। अब फिल्म की शूटिंग सितंबर में शुरू होनी की खबर है जो पहले मुंबई में और फिर बनारस और राजस्थान में होगी।

मिर्जापुर फिल्म में क्या नया होगा

अब आते हैं फिल्म मिर्जापुर पर। अगर इसके बारे में सुनकर आप सोच रहे हैं कि फिल्म में भी आपको वही सब देखने को मिलेगा जो आपे वेब सीरीज में देखी है, तो ठहरिए क्योंकि ऐसा नहीं है। किरदार पुराने हैं लेकिन कहानी नई होगी। इस कहानी में मूल चीजें भले वैसी ही होंगी लेकिन इसमें तमाम नए ट्विस्ट, जबरदस्त एक्शन सीन ऐसे होंगे जिससे दर्शकों को सबकुछ नया मिले। इस फिल्म में कालीन भैया (पंकज त्रिपाठी), रवि किशन, और बीना त्रिपाठी (रसिका दुगल) जैसे कलाकार अपने रोल को दोहराते दिखेंगे। इनके अलावा रवि किशन की भूमिका को भी कहानी में काफी कुछ नया लेकर आनेवाली है। फिल्म की कहानी पुनीत कृष्णा ने लिखी है और गुरमीत सिंह ही फिल्म मिर्जापुर का निर्देशन करेंगे।

दिख रही आगे निकलने की चाहत?

परंपरागत माहौल में पली-बढ़ी स्त्री अपने दर्शन में स्पष्ट होती है कि उसका जीवन सिर्फ पर-सेवा और सबकी आंखों को भली लगने के लिए हुआ है। छोटी बच्चियां घर-घर, रसोई-रसोई, पार्लर-पार्लर खेलकर इसी सूत्र को अपनी जिंदगी का हिस्सा बना लेने की ट्रेनिंग लेते देखी जा सकती हैं। ठीक उसी समय जब उसकी उम्र के लड़के गन या पिस्तौल से मर्दानगी के पाठ पढ़ रहे होते हैं या कारों की रेस या बेमतलब की कूद-फांद, लड़ाई-झगड़े के खेल, खेल रहे होते हैं। इसे देखकर क्या कोई कह सकता है कि यही है गहरे संतुलित समाज की नींव? इस पर हमारा जवाब होगा, बिल्कुल नहीं। आपने कॉलेज की बच्चियों को भी कभी कभी अपने बुजुर्गों से डांट खाते देखा होगा। कारण है कि ज्यादातर निम्न या मध्य वर्गीय परिवारों से आई हुई ये छात्राएं अपने लिए बेहद असुविधाजनक पहनावे को चुनने में पीछे नहीं हटती। गर्मी व उमस में सिंथेटिक कपड़े, बेहद ऊंची हील के सैंडल बार-बार फिसलते दुपट्टे में जड़ी तरह-तरह की लटकनें आदी। रास्तों में बाजारों में काम की जगहों में चमकीले तंग कपड़ों में फंसी, पल्ला और उसकी जगह-जगह उलझती लटकनें संभालती रंगी-पुती स्त्रियां, अपने आप संभलकर चल पाने में असमर्थ पति की बांह का सहारा लिए कभी-कभी लुढ़कने को होती स्त्रियां। अजीब-अजीब प्लेटफार्म वाले सैंडलों की हीक को मेट्रो और उसके प्लेटफार्म की दरार से निकाल कर हड़बड़ाती स्त्रियां। भले ही आज यह सभी की मजबूरी बन गया हो, लेकिन इतना तो साफ है कि समय बदल गया है और कल जो हाथ चूड़ियां पहनते थे वे अब लेपटॉप संथाले हुए हैं। मतलब साफ है कि अब दिख रही है आगे निकलने की चाहत!

एसेसरीज हो हैवी

हेवी और कलरफुल एसेसरीज सिंपल ड्रेसेज के लिए बेहतरीन हैं।
अपनी लुक को ट्रेंडी बनाने के लिए न्यूट्रल टॉप को ब्राइट कलर्ड बेल्ट, जैसे रेड, ब्ल्यू और येलो, के साथ कंबाइन करें।
यदि आप चाहें दो हेवी एसेसरीज को कंबाइन कर सकती हैं, जैसे बैग्ज और शूज, बेल्ट और शूज व ज्यूलरी और बैग।
लुक को खास बनाने और एसेसरीज पर ध्यान केंद्रित करने के लिए ब्राइट रेड, ब्ल्यू और ग्रीन का इस्तेमाल करें।
आजकल मटेलिक और बीडेड लुक फैशन मे है।
व्हाइट व ब्लैक ड्रेस के साथ ब्राइट गोल्डन मटेलिक स्कार्फ पहनें।
ट्रेंडी लुक के लिए ब्राइट फ्लावर हेयर एक्सेसरी पहनें।
शेल नेकपीसेज किसी भी ड्रेस को कलर देने के लिए बेहतरीन है।
कैज्युअल स्कर्ट व जींस के साथ कलरफुल प्लास्टिक रिंग्ज और बैंगल्स पहनें।
प्रतिदिन के इस्तेमाल के लिए हैवी ओवरसाइज्ड बैग्ज बेहतरीन हैं।

अहम है आउटडोर फर्नीचर की मेंटेनेंस

आउटडोर फर्नीचर की मेंटेनेंस अहम चीज है। तभी यह अलग-अलग मौसमों की मार सहकर लंबे समय तक आपको आराम दे सकता है।

आउटडोर के लिए ज्यादातर फर्नीचर मेटल या प्लास्टिक के बने होते हैं, लेकिन आप वुड, केन, विकर या रेसिन के बने फर्नीचर का इस्तेमाल कर सकते हैं। हालांकि उन्हें मेटल और प्लास्टिक के फर्नीचर से ज्यादा देखभाल की जरूरत होती है।

फर्नीचर की धुलाई समय पर

विकर या रेसिन की बनी मेज-कुर्सियों पर मौसम के असर से फिल्म जैसी कोई चीज जम जाती है। पेंट और फिनिश के साथ इसके रिएक्शन से फर्नीचर जल्दी ही पुराना नजर आने लगता है। फर्नीचर को इस स्थिति से बचाने के लिए यह फिल्म हटाना जरूरी है। इसके लिए आप फर्नीचर को थोड़े से साबुन और पानी से धोकर सूखे कपड़े या पेपर नैपकिन से पोंछ दें। इसके बाद इसे सादे साफ पानी से धोएं और अच्छी तरह सुखा दें। ध्यान रखें कि फर्नीचर पूरी तरह सूख जाए। इस तरह के फर्नीचर की सफाई हफ्ते में कम से कम एक बार जरूर करना चाहिए। केवल लकड़ी से बने फर्नीचर को पानी से सीधे तौर पर नहीं धोना चाहिए। निश्चित रूप से लकड़ी कुछ नमी सोख लेगी और जल्दी बेकार हो जाएगी। आउटडोर फर्नीचर के लिए आमतौर पर टीक की लकड़ी का इस्तेमाल किया जाता है। इसे सूखे कपड़े से ही साफ करते रहें। अगर बारिश या गार्डन में पानी देते हुए गीली हो जाए, तो इसे सुखाना नहीं भूलें। लकड़ी से बने फर्नीचर पानी य नमी वाली जगहों पर न रखें और मिट्टी के साथ लंबे समय तक कांटेक्ट में न रहने दें।

सावधानी से पिएं चाय कोल्ड ड्रिंक

आप बाहर बैठकर मौसम का मजा लेंगे और कुछ चाय-पानी भी नहीं हो, ऐसे कैसे हो सकता है? लेकिन फर्नीचर पर कुछ रहम भी करना होगा। अगर इस पर चाय, कोल्ड ड्रिंक आदि का कोई निशान लग जाए, तो उसे तुरंत साफ कर दें। ऐसा न हो कि आपका आलस आपके फर्नीचर पर परमानेंट दाग के रूप में असर छोड़ जाए। आउटडोर फर्नीचर के बचाव का सबसे अच्छा तरीका यह होता है कि उसे हर रात उठाकर गैरेज में रख दिया जाए। अगर ऐसा करना मुश्किल है, तो इसे प्लास्टिक शीट से तो ढंक ही देना चाहिए।

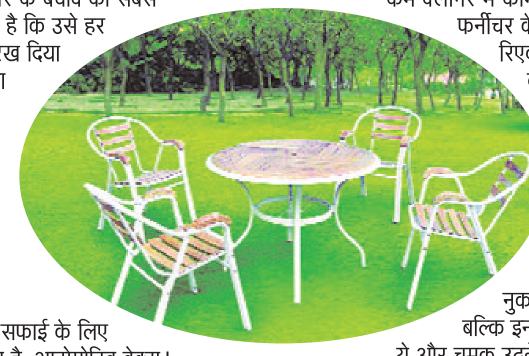

वेक्स के इस्तेमाल की खूबियां

आउटडोर फर्नीचर की सफाई के लिए एक और बेहतर तरीका है, आटोमोटिव वेक्स। इस वेक्स में अल्ट्रावायलेट प्रोटेक्शन जैसी खूबियां होती हैं, जो फर्नीचर को लंबे समय तक सुरक्षित रखती हैं। इस सेंगमेंट में दो तरह की चीजें मिलती हैं। आटोमोटिव वैक्स और वेक्स कम क्लीनर। कुछ वेक्स कम क्लीनर में केमिल्स होते हैं,जो फर्नीचर के मेटीरियल से रिएक्शन कर सकते हैं। क्लीनर खरीदने से पहले इनके बारे में पूछताछ कर लेना चाहिए। प्यूमाइस और राटनस्टोन, दो कॉमन एलीमेंट्स हैं, जो फर्नीचर के लिए नुकसानदेय नहीं होते, बल्कि इन पर रगड़ाई करने से ये और चमक उठते हैं। सुरक्षा के लिए वेक्स को पूरे फर्नीचर पर लगाने से पहले एक छोटे से हिस्से पर ट्राई करें। इससे आपको पता चलेगा कि यह आपके फर्नीचर के लिए फिट या नहीं?

रिश्ता टूटने पर पुरुष होते हैं ज्यादा आहत

पुरुष महिलाओं से बलशाली और बहादुर चाहे नजर आएं, लेकिन रिश्तों में दरार आने अथवा टूटने पर उन्हें अधिक तकलीफ होती है।

अमेरिका में वाके फोरेस्ट यूनिवर्सिटी के अनुसंधानकर्ताओं ने पाया कि किसी महिला से संबंधों में खटास आने पर युवा पुरुष के दिलोदिमाग पर जबर्दस्त असर पड़ता है। वजह यह है कि महिलाएं जहां अपने तनाव को मित्रों में साझा कर लेती है वहीं पुरुष भीतर ही भीतर घुटने लगता है और नकारात्मक सोच उसके जेहन में घर कर जाती है। नतीजतन वह शराब जैसी लत का दामन पकड़ लेता है। अध्ययन के नेता प्रोफेसर राबिन शिमन ने स्वीकार किया कि वह नतीजों को देखकर हैरत में पड़ गईं क्योंकि आम सोच यह थी कि रिश्तों में भावात्मक उथल-पुथल की शिकार महिलाएं जल्द हो जाती है। डेली मेल ने उनके हवाले से कहा कि आश्चर्य हुआ यह जानकर कि रिश्तों में उतार चढ़ाव का युवकों पर अधिक प्रतिक्रिया होती है। लेकिन अगर रोमांस सही चल रहा है तो पुरुष अधिक लाभांवित रहता है। सर्वेक्षण 1000 अवैवाहिक युवक युवतियों पर किया गया जिनकी उम्र 18 से 23 साल के बीच थी। शिमन ने कहा कि सर्वेक्षण से यह बात सामने आई कि युवक बहुत कम लोगों में विश्वास करते हैं जबकि महिलाएं अपने परिजनों और मित्रों के साथ अधिक करीबी संबंध रखती हैं। इसकी एक वजह युवकों में पहचान और आत्मसम्मान की अधिक भावना भी है। उनके अनुसार एक तथ्य यह है कि पुरुष और महिला अलग अलग तरीके से भावनाओं को अभिव्यक्त करते हैं। महिलाओं में भावात्मक पीड़ा अवसाद में झलकती है जबकि पुरुषों में यह ठोस समस्याएं लेकर सामने आती है। मानसिक स्वास्थ्य पर लंबे अध्ययन और प्रौढ़ होने की प्रक्रिया पर किया गया यह अध्ययन हेल्थ एंड सोशल बिहेवियर नामक पत्रिका में प्रकाशित हुआ।

फैशन से समझौता नहीं

भले ही बारिश आ चुकी है, लेकिन गर्मी अभी खत्म नहीं हुई है। कभी बादल तो कभी सूरज की तेज किरणें काफी परेशान करती हैं, लेकिन फैशन के दीवानों को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। धूप चाहे जितनी हो यूथ खासकर गर्ल्स छाता लेकर नहीं निकलती। उन्होंने छाते के अलावा और हथियार चुन लिए हैं। उनकी नई ऑप्शंस में स्कार्फ से पूरा मुंह कवर करने से लेकर हैट पहनना और डाइट का ध्यान रखना तक सब शामिल है।

डाइट पर फोकस

कुछ गर्ल्स का मानना है कि गर्मी से निबटने के लिए अगर हर लेवल पर अलर्ट रहा जाए, तो बहुत सारी चीजों का बोझ उठाने की जरूरत नहीं है। इसमें वे सबसे ज्यादा जरूरी डाइट को मानती हैं। वैसे, फिगर कॉन्शस गर्ल्स से कुछ खाने की बात सुनना एक बार तो हैरान करता है, लेकिन यह अच्छी बात ही है। बीटेक पाइनल ईयर की स्टूडेंट सोनाली का फंडा भी यही है कि हीट को बीट करने के लिए डाइट पर फोकस करो। वह बताती हैं, मैं दोपहर की धूप में बाहर तक जाती हूं, तो जूस जरूर पीती हूं और सन क्रिम लगाकर ही बाहर निकलती हूं। एक्सट्रा सेफ्टी के लिए कभी-कभी वह अंब्रेला भी कैरी करती हूं।

च्वाइस है हैट

स्टाइल कॉन्शस गर्ल्स हैट च्वाइस करती हैं। आखिर हैट हॉट वेदर में प्रिकॉशन देने के साथ कूल स्टाइल भी देता है। मार्केट में तमाम तरह के हैट हैं जो धूप से बचाते हैं और साथ ही साथ स्टाइलिस लुक भी देते हैं। वैसे भी आजकल गोल हैट का क्रेज गर्ल्स में अधिक है।

मौसम कोई भी हो यूथ को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। उन्हें तो बस स्टाइल से मतलब है। इसलिए तो आजकल कॉलेज गोविंग गर्ल्स फैशन के लिए पुराने फंडा को अपनाने से बच रही हैं। वे उसी चीज को अपना रही हैं, जो उनके स्टाइल से मैच करता हो। आइए, जानते हैं इनमें क्या खास है।

सिक्यूरिटी कवरिंग

कुछ लड़कियां अंब्रेला भले ही कैरी नहीं करती बल्कि लेकिन गर्मी से बचने के लिए कवर्ड ड्रेसेज पर ध्यान देती हैं। बैंक में जॉब कर रही सीमा कहती हैं कि मेरी कोशिश रहती है कि मैं पूरी तरह कवर्ड ड्रेसेज पहनूं, ताकि टैनिंग न हो। इसके अलावा, मैं सनस्क्रीन काफी यूज करती हूं। यह भी स्किन पर एक सिक्युरिटी कवर बनाता है।

ओल्ड इज गोल्ड

अधिकांश गर्ल्स हॉट वेदर में पुराने तरीकों को फॉलो नहीं करतीं, लेकिन ओल्ड को गोल्ड को मानने वाली

लड़कियों की संख्या कम नहीं है। एमबीए स्टूडेंट प्राची सेन कहती हैं, हर साल गर्मी ज्यादा हो जाती है, इसलिए खुद को प्रोटेक्ट करने के लिए किसी भी चीज की वैल्यू कम नहीं कह सकते। इसलिए मैं हमेशा अपने साथ अंब्रेला रखती हूं। साथ ही, मेरे बैग में लाइट स्टोल भी रहता है, ताकि गर्म हवा मेरी स्किन को टच न करे। इसके अलावा, मैं हमेशा वाटर बॉटल भी कैरी करती हूं। हीट से बचने का सबसे बेस्ट तरीका है खूब पानी पीना।

नहीं है अंब्रेला क्रेज

एक समय था जब छाता से गर्मियों के बारे में पता चलता था। लेकिन अब मेट्रो शहर की गर्ल्स छाता को बॉय कह चुकी हैं। आजकल स्कार्फ का फैशन तेज है। वैसे गर्मी से बचने के लिए सनग्लासेज का यूज तेजी से बढ़ा है। इससे न केवल गर्मी से राहत मिलती है बल्कि लुक भी ग्लैमरस हो जाता है। मार्केटिंग सेक्टर में जाब करने वाली रोहिणी कहती हैं कि उन्होंने अंब्रेला से जुड़ी तमाम रिसर्च पढ़ी है। यह महज भ्रम है कि अंब्रेला लेकर चलने से धूप का असर नहीं होता। दरअसल, इससे सिर्फ शेड मिलती है। वे कहती हैं कि मैंने एक रिसर्च में पढ़ा था कि अंब्रेला हमें सिर्फ 5 फीसदी यूवी रेज से बचाता है, इसलिए मैं इस पर डिपेंड नहीं रहती। वे गर्मी से बचने के लिए ढेर सारा पानी पीती हैं। वह कहती हैं कि अगर आप ढेर सारा पानी पीकर खुद को चिल रखेंगे, तो फिर आप पर कुछ उलटा-सीधा खाने का भी असर नहीं पड़ेगा।